डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 14.07.2025 से 20.07.2025 ▶ वर्ष-42 ▶ अंक-29 ▶ मूल्य ₹ 10.00

संक्षिप्त खबर

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को नामीबिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिलने पर दी बधाई

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एन्सेंट बिल्विट्सचिआ मिराबिल्स' मिलने पर हार्दिक बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह प्रतिष्ठित सम्मान भारत-नामीबिया के मध्य सशक्त होते संबंधों की अद्वितीय अभिव्यक्ति है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का अभिनंदन करते हुए कहा कि समस्त राष्ट्रवासियों को भारत की इस उपलब्धि पर अत्यंत गर्व हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने सिंहस्थ के दृष्टिगत वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों से की भेंट

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह सहित अनेक वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों से भेंट की। मुख्यमंत्री ने सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत मध्यप्रदेश में अधोसंरचनात्मक विकास और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में केंद्रीय मंत्रीगण से मुलाकात एवं चर्चा की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा से भेंट की और आगामी सिंहस्थ को विश्वस्तरीय आयोजन बनाए जाने की तैयारी की जानकारी दी। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल और केंद्रीय कोयला और खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी से भी भेंट कर प्रदेश में सिंहस्थ को लेकर की जा रही तैयारियों पर चर्चा की।

निजी स्कूलों में नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की होगी मॉनिटरिंग

भोपाल, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने मंत्रालय में नई शिक्षा नीति 2020 की टास्क फोर्स समिति की बैठक को संबोधित किया। श्री सिंह ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा मण्डल से संबद्ध प्राइवेट स्कूलों में नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन और शिक्षा की गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिये विश्वसनीय मॉनिटरिंग की व्यवस्था होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप आधुनिक कृषि के लिए युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश के सरकारी स्कूलों में छात्रों को कृषि संकाय को बढ़ावा दिये जाने की आवश्यकता है। उन स्कूलों में, जिनके पास दो एकड़ से अधिक भूमि है, वहां प्राथमिकता के साथ कृषि संकाय शुरू किये जा सकते हैं।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर भोपाल में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम को मुख्यमंत्री ने किया संबोधित

गुणवत्तापूर्ण और रोज़गारपरक शिक्षा ही देश की मजबूती का है आधार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल के सांदीपनि विद्यालय में गुरु पूर्णिमा महोत्सव को संबोधित करते हुए

भोपाल, गुणवत्तापूर्ण और रोज़गारपरक शिक्षा ही किसी देश की मजबूती का आधार है। बेहतर शिक्षा के बल पर ही भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा गणतंत्र बनकर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। हमारी वसुधैव कुटुंबकम् की भावना से ऋषि-मुनियों के काल में भारतीय ज्ञान से दुनिया के कई देश प्रकाशमान हुए थे। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में शासकीय कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय में आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव के राज्यस्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत का स्वर्णिम काल चल रहा है। मध्यप्रदेश सरकार बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए उन्हें उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा और सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए संकल्पित है।

प्रदेश में 369 सांदीपनि विद्यालय संचालित

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 369 सांदीपनि विद्यालय संचालित हो रहे हैं। जहां शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, स्कूल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के केंद्र बनकर उभरे हैं। उन्होंने शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम के लिए महू, देवास, नरसिंहपुर के विद्यालयों को बेहतर शैक्षणिक प्रबंधन विकास के लिए 5-5 लाख रुपये देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को कुलगुरु की संज्ञा दी गई है, क्योंकि गुरु ही हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं।

प्रधानमंत्री को 27 देशों का सर्वोच्च सम्मान

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को नामीबिया, ब्राजील, त्रिनिदाद और टोबैगो तथा घाना के राष्ट्राध्यक्षों द्वारा अपने देश का प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान दिए जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी दुनिया में भारत का गौरव बढ़ा रहे हैं। भारत हर क्षेत्र में विकास करते हुए आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री को 27 देशों का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिलना 140 करोड़ देशवासियों को गौरवान्वित करता है।

- **शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम के लिए महू, देवास, नरसिंहपुर के स्कूलों को 5-5 लाख रुपये का पुरस्कार।**
- **नि:शुल्क साइकिल वितरण योजना का शुभारंभ।**
- **शासकीय कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय के सर्व सुविधायुक्त भवन का लोकार्पण।**
- **36 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित भवन में प्रयोगशाला, लाइब्रेरी और ऑडिटोरियम की सुविधाएं।**
- **स्कूल में टॉप करने वाले विद्यार्थियों को अब दी जाएगी इलेक्ट्रिक स्कूटी।**

मुख्यमंत्री ने राजस्थान के फर्नीचर व्यवसाय से जुड़े उद्यमियों को निवेश के लिए किया मध्यप्रदेश आमंत्रित

जोधपुर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजस्थान के जोधपुर प्रवास के दौरान विभिन्न फर्नीचर, टिंबर व्यवसायियों और होटल उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों से भेंट की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में सघन वन संपदा है। मध्यप्रदेश जैसे सागौन वन कहीं नहीं हैं। फर्नीचर व्यवसाय में इनको बढ़ावा देते हुए राजस्थान और मध्यप्रदेश संयुक्त रूप से कार्य करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश में उद्योगों और व्यवसायों के उन्नयन के साथ नवीन निवेश आ रहा है। उन्होंने बताया कि भोपाल में इस वर्ष फरवरी माह में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हुई थी। इस अवसर पर 18 नई औद्योगिक नीतियों को लागू किया गया है। मध्यप्रदेश में उद्योग क्षेत्र में अनेक नवाचार भी किए गए हैं। नए मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए निजी संस्थाओं को रियायती दर पर भूमि और अन्य सुविधाएं दी जा रही हैं। जिस प्रदेश में सिर्फ पांच मेडिकल कॉलेज थे वहां अब 36 मेडिकल कॉलेज हैं। आने वाले 2 वर्ष में इनकी

संख्या 50 हो जाएगी। चिकित्सा और उपचार क्षेत्र के साथ ही अनेक क्षेत्रों में कार्य हो रहा है। विभिन्न राज्यों के उद्यमी उत्साहपूर्वक मध्यप्रदेश आ रहे हैं।

मध्यप्रदेश आएं, उद्योग लगाएं

मुख्यमंत्री ने औद्योगिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों से कहा कि वे विभिन्न उद्योगों की स्थापना के लिए मध्यप्रदेश आ सकते हैं। उन्हें नीतियों के अंतर्गत उद्योग स्थापना के लिए पूरा प्रोत्साहन और सहयोग दिया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उद्योग और रोज़गार वर्ष 2025 में हुए विभिन्न कॉन्क्लेव, विभिन्न नगरों में रोड-शो आदि की जानकारी भी प्रदान की।

प्रदेश की गतिशीलता, शांति और संसाधनों का लाभ उठाएं निवेशक - मुख्यमंत्री

लुधियाना, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लुधियाना स्थित वर्धमान औद्योगिक परिसर में पंजाब के प्रमुख उद्योगपतियों से भेंट की और उन्हें मध्यप्रदेश की समावेशी, उदार और निवेश-अनुकूल नीतियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार न केवल उद्योग लगाने और निवेश बढ़ाने के लिए तैयार है, बल्कि यदि किसी सेक्टर में संभावना दिखती है, तो वहां आवश्यकतानुसार नियमों में परिवर्तन भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में गारमेंट और टेक्सटाइल सेक्टर के लिए विशेष अवसर उपलब्ध हैं और राज्य सरकार इस दिशा में गंभीर प्रयास कर रही है। इंदौर की हुकुमचंद मिल को पुनर्जीवित करने की दिशा में कार्य हो रहा है और मजदूरों के हितों को प्राथमिकता देते हुए सौ करोड़ रुपये से अधिक के सेटलमेंट क्लियर किए गए हैं।

सरकार कैबिनेट स्तर पर नीतियों में बदलाव को भी तैयार

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों और श्रमिकों के साथ सरकार की प्रतिबद्धता हर स्तर पर बनी रहेगी। ग्वालियर की जेसी मिल और उज्जैन की हीरा मिल के मामले में भी राज्य सरकार ने सहृदयता से निर्णय किये हैं। सरकार उद्योगपतियों के हित में निर्णय लेने के लिए कैबिनेट स्तर पर नीतियों में बदलाव को भी तैयार है। उन्होंने निवेशकों से आग्रह किया कि वे मध्यप्रदेश में आकर संभावनाओं को देखें और राज्य की गतिशीलता, शांति और संसाधनों का लाभ उठाएं।

लुधियाना इंटरैक्टिव सेशन में मिले 15 हजार 606 करोड़ के निवेश प्रस्ताव - मुख्यमंत्री

लुधियाना, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लुधियाना में निवेश की संभावनाओं के संबंध में निवेशकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि देश का आर्थिक तंत्र मजबूत हुआ है। देश में औद्योगीकरण बढ़ा है, अब हम विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। लुधियाना भारत का मैन्चेस्टर है। यहां के उद्योगपतियों ने बड़ी मेहनत से अपनी पहचान बनाई है। लुधियाना में निर्मित एटलस और हीरो साइकिल्स देश-दुनिया में मशहूर हैं। पंजाब के निवेशक देश की आर्थिक समृद्धि में योगदान देने वाले प्रमुख ध्वजवाहक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लुधियाना में हुये इंटरैक्टिव सेशन, वन-टू-वन चर्चा और संवाद सत्रों में यहां के उद्योगपतियों से 15 हजार 606 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं, जिससे 20 हजार से अधिक रोज़गार के अवसरों का सृजन होगा।

व्यापार की असीम संभावनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का एकमात्र ऐसा प्रदेश है, जहां पन्ना जिले में हीरा तो शहडोल में आयरन डिपॉजिट है। बीते दिनों सिंगरौली जिले में सोने की खदानें भी मिली हैं। प्रदेश में व्यापार की असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि निवेशक मध्यप्रदेश में जितने चाहें, उतने उद्योग-धंधे लगाएं, सरकार पलक-पावड़े बिछाकर आपका स्वागत करेगी, आपकी हर संभव मदद करेगी।

श्रमिकों के हित में बड़े सेटलमेंट किये क्लियर

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने श्रमिकों के हित में सैकड़ों करोड़ रुपये के सेटलमेंट क्लियर किये हैं। यह प्रदेश सरकार की श्रमिकों के प्रति संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि यदि किसी नीति में निवेशकों को सुविधा देने के लिए संशोधन की आवश्यकता होगी तो सरकार कैबिनेट स्तर पर भी बदलाव करने के लिए तत्पर है।

5 जुलाई

मणिपुर में दिसंबर तक राहत शिविर बंद करने की योजना

● मणिपुर के मुख्य सचिव श्री पी.के. सिंह ने बताया कि राज्य सरकार सभी राहत शिविरों

को दिसंबर तक बंद करने की योजना पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों के पुनर्वास की प्रक्रिया तीन चरणों में की जाएगी। पहले चरण में जुलाई तक जिनकी वापसी संभव है उन्हें भेजा जा रहा है। विस्थापितों की संख्या 62 हजार से घटकर 57 हजार रह गई है। दूसरे चरण की वापसी अक्टूबर और अंतिम चरण दिसंबर में होगा। इसके साथ ही जिनके घर पूरे तरह नष्ट हो चुके हैं। उन्हें तीन लाख रुपये की सहायता राशि मिलेगी।

● यूरोपीय संघ और चीन के बीच ब्रुसेल्स में हुई एक अहम बैठक में चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने स्पष्ट रूप से कहा कि बीजिंग रूस की हार नहीं देख सकता, क्योंकि युद्ध समाप्त होने पर अमेरिका, चीन के खिलाफ कार्रवाई कर सकता है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन युद्ध चीन के लिए लाभकारी है क्योंकि इससे अमेरिका की प्राथमिकता प्रशांत क्षेत्र से हटकर रूस-यूक्रेन संघर्ष पर केंद्रित हो गई है।

6 जुलाई

नौकरी के साथ आईआईटी से एम.टेक. करना हुआ संभव

● अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान से एम.टेक. करना सिर्फ क्लासरूम

तक सीमित नहीं रहा। देश के कई प्रमुख आईआईटी संस्थान अब वर्किंग प्रोफेशनल्स के लिए ऑनलाइन और हाइब्रिड मोड में एम.टेक. और ई-मास्टर्स जैसे प्रोग्राम चला रहे हैं। इन कोर्स की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इन्हें नौकरी के साथ भी किया जा सकता है। इनकी क्लासेस सप्ताहांत या शाम को होती हैं और अधिकतर क्लास में रिकॉर्डेड लेक्चर भी मिलते हैं। बी.ई. बी.टेक., एमएससी और एमसीए जैसे डिग्री होल्डर इस कोर्स के लिए पात्र हैं। कई कोर्स में पात्र होने के लिए कार्य अनुभव भी आवश्यक है। अधिकतर कोर्स में ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) स्कोर की जरूरत नहीं है। केवल कुछ कोर्स में संस्थान स्तर पर एंट्रेंस टेस्ट या इंटरव्यू होगा।

● भारत समेत दुनियाभर के कई देशों में जुगनुओं की गिनती का अभियान शुरू हो गया है। दो दिन चलने वाले इस अभियान में एक लाख से अधिक लोग हिस्सा ले रहे हैं। एक हफ्ते के भीतर जुगनुओं की अनुमानित संख्या का पता चल जाएगा, जिसके आधार पर इनके संरक्षण की रणनीति तैयार की जाएगी। यह पहल देहरादून स्थित ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी और भारतीय वन्यजीव संस्थान ने मिलकर शुरू की है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ वर्षों में जलवायु परिवर्तन, रात के समय कृत्रिम रोशनी में वृद्धि और खेती में रसायनों के अत्यधिक उपयोग के कारण जुगनुओं की संख्या में तेजी से गिरावट देखी गई है।

7 जुलाई

रेगिस्तान में पहली बार सफेद चंदन की खेती

● रेगिस्तान में अब सफेद चंदन की खेती की दिशा में किसानों ने कदम बढ़ा दिए

हैं। बाड़मेर जिले के भीमड़ा गांव में डॉ. जोगेश कुमार ने 18 बीघा भूमि पर सफेद चंदन के 900 पौधे लगाकर इस दिशा में एक अनोखा प्रयोग शुरू किया है। चंदन एक अर्ध-परजीवी पौधा है, जो अपनी वृद्धि के लिए अन्य पौधों की जड़ों से जल एवं पोषक तत्व लेता है। इसी कारण इसके साथ होस्ट प्लांट्स की आवश्यकता होती है। डॉ. जोगेश ने इसके लिए खेत में केजुरिना, खेजड़ी, आंवला, नींबू, अमरूद, अंजीर और मालबार जैसे सैकड़ों सहायक पौधे भी लगाए हैं। सफेद चंदन का पौधा 14 साल में बिक्री के योग्य होता है। एक किलो चंदन 5 से 35 हजार रुपये का होता है। पूरा पेड़ 4 से 5 लाख में बिकता है। इनकी जड़ तने से परफ्यूम सहित कई उत्पाद बनाए जाते हैं। वहीं, केंद्र सरकार ने चंदन को बढ़ावा देने के लिए अब निजी स्तर पर खेती की अनुमति दी है।

● इंडोनेशिया के मदुरा जलमार्ग से 1.4 लाख साल पुराने होमो इरेक्टस के खोपड़ी के टुकड़े और छह हजार से अधिक पशु जीवाश्म मिले। सुंडालैंड की डूबी नदी घाटी से ये अवशेष मिले हैं, जो हिमयुग से पहले विशाल भूखंड था। समुद्र स्तर बढ़ने से यह डूब गया। जीवाश्मों में भैंस, हिरण और कोमोडो ड्रैगन शामिल हैं।

8 जुलाई

तमिलनाडु में टीबी से मौत का पूर्वानुमान मॉडल लागू

● तमिलनाडु ने टीबी से वयस्कों की मौत की आशंका का पूर्वानुमान लगाने के लिए

मॉडल लागू किया है। वह ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। यह मॉडल भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान (एनआईई) ने विकसित किया है।

● अमेरिका के टेक्सास में विनाशकारी बाढ़ ने अब तक 82 लोगों की जान ले ली जिनमें 28 बच्चे शामिल हैं। वहीं 41 लोग लापता हैं, जिनमें समर कैंप की लड़कियां भी हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसे डिजास्टर घोषित किया है। राहत एजेंसियों ने 850 से अधिक लोगों को बचाया है। सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। लगातार बारिश और जलभराव के कारण बचाव कार्य बाधित हो रहे हैं। अमेरिका के मौसम विभाग ने कहा कि लगातार बारिश से फिर फ्लैश फ्लड का खतरा है। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने त्रासदी पर शोक व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई है।

9 जुलाई

पहली बार होगी पायलट ट्रेनिंग संस्थानों की रैंकिंग

● नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पहली बार पायलट ट्रेनिंग

संस्थानों (एफटीओ) की रैंकिंग शुरू करने की घोषणा की है। यह व्यवस्था एक अक्टूबर 2025 से लागू होगी। रैंकिंग हर छठे महीने यानी एक अप्रैल और एक अक्टूबर को जारी होगी। यह पहल पायलट ट्रेनिंग में गुणवत्ता, पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में अहम है। रैंकिंग की 4 श्रेणियां A^{++}, A^{+}, A और B रहेंगी। B रैंकिंग वाले संस्थानों को सुधार की चेतावनी दी जाएगी। गलत जानकारी देने वालों पर कार्रवाई भी होगी। डीजीसीए के अनुसार रैंकिंग से छात्रों को सही संस्थान चुनने में भी मदद मिलेगी। डीजीसीए ने रैंकिंग के लिए 18 से अधिक मापदंड तय किए हैं। इनमें दुर्घटनाओं और घटनाओं की संख्याएं, प्रशिक्षक और छात्रों का अनुपात, 200 घंटे की उड़ान पूरी करने का औसत समय, शराब सेवन के मामले जैसे बिंदु हैं।

● डिब्बा बंद खाद्य सामग्री का एक खास लेवल विवादों में घिर गया है। इंडियन फूड एंड बेवरेज एसोसिएशन (आईएफबीए) ने कहा है कि पैकेट पर नो पाम ऑयल का लेबल लोगों को गुमराह करने वाली मार्केटिंग का एक हथकंडा है। आजकल कई कंपनियां इस तरह के लेबल लगाकर खुद को दूसरों से अलग दिखाने की कोशिश कर रही हैं। इस संगठन ने बताया कि नो पाम ऑयल जैसे लेबल असल में खाने से जुड़ी सही सलाह को दबा देते हैं। ये सिर्फ बिक्री बढ़ाने का नया तरीका बन गए हैं।

10 जुलाई

मेडिकल कॉलेजों में फीस, रैगिंग जैसी शिकायतों के लिए तीन-स्तरीय प्रणाली

● देश के मेडिकल कॉलेजों में छात्रों से ज्यादा शुल्क वसूली, इंटर्नशिप स्टाइपेंड में देरी या भुगतान न होना, रैगिंग-उत्पीड़न और यौन शोषण जैसी शिकायतों को लेकर राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने बड़ा फैसला किया है। आयोग ने सभी मेडिकल कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और राज्य चिकित्सा शिक्षा विभागों को तत्काल प्रभाव से तीन-स्तरीय शिकायत निवारण प्रणाली लागू करने के निर्देश दिए हैं। एनएमसी सचिव डॉ. राघव लांगर के अनुसार शिकायतों के समाधान के लिए कॉलेज/संस्थान स्तर पर शिकायत समिति और विश्वविद्यालय स्तर पर समाधान व्यवस्था बनानी होगी। डीएमई स्तर पर अंतिम समाधान होगा। तीनों स्तरों पर समाधान नहीं मिलने पर शिकायतें एनएमसी को भेजी जा सकेंगी।

● अमेरिका ने वीजा नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए स्टूडेंट, टूरिस्ट और वर्क वीजा पर करीब 21 हजार 500 रुपये की वीजा इंटीग्रिटी फीस अनिवार्य कर दी है। यह फीस एक तरह की 'सिक्योरिटी डिपॉजिट' होगी, जो तय शर्तें पूरी करने पर वापस मिल सकती है। यह नियम वर्ष 2026 से लागू होगा और हर वर्ष महंगाई के हिसाब से इसमें बदलाव किया जाएगा। यह नया नियम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट' के तहत लाया गया है।

11 जुलाई

वैज्ञानिकों ने तीन अरब प्रकाशवर्ष दूर जीवाश्म आकाशगंगा खोजी

● वैज्ञानिकों ने एक ऐसी आकाशगंगा खोजी है, जो पिछले सात अरब सालों से बिल्कुल नहीं बदली है। इसे 'फॉसिल गैलेक्सी' (जीवाश्म आकाशगंगा) कहा जा रहा है। यह धरती से करीब तीन अरब प्रकाशवर्ष दूर है। यह अब तक के सबसे दूर स्थित और लोकल यूनिवर्स के बाहर खोजी गई पहली जीवाश्म आकाशगंगा है। इसे इटली के नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एस्ट्रोफिजिक्स (आईएनएएफ) के नेतृत्व में वैज्ञानिकों की एक अंतर्राष्ट्रीय टीम ने एरिजोना स्थित लार्ज बाइनाक्युलर टेलीस्कोप की मदद से खोजा। जीवाश्म आकाशगंगा शुरुआती दौर में तेजी से तारों के बनने के बाद किसी अन्य आकाशगंगा से नहीं टकराई और वैसी की वैसी बनी रही। आमतौर पर आकाशगंगाएं समय के साथ एक-दूसरे से मिलती हैं और उनके आकार, बनावट और स्टार पॉपुलेशन में बदलाव आता है। लेकिन जीवाश्म आकाशगंगा में यह प्रक्रिया नहीं होती है।

● हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम के निपटारे में पारदर्शिता बढ़ाने और शिकायतें कम करने के लिए केंद्र सरकार एक खास पहल कर रही है। वित्त मंत्रालय ने नेशनल हेल्थ क्लेम्स एक्सचेंज के डिजिटल प्लेटफॉर्म का नियंत्रण अपने हाथ में लेने की मांग की है। अभी इसे स्वास्थ्य मंत्रालय नियंत्रित करता है। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग ने इस संबंध में प्रधानमंत्री कार्यालय से संपर्क किया है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि वित्त मंत्रालय की पहल का उद्देश्य बीमा कंपनियों, अस्पतालों और बीमित व्यक्तियों को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाना है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

GOVINDRAM SEKSARIA INSTITUTE OF MANAGEMENT & RESEARCH, INDORE
(Estd. by Govindram Seksaria Technological Society, Indore)
(Approved by AICTE and affiliated to DAVV, Indore)
MR-10, Scheme No. 54, Vijay Nagar, Near Hotel Marriott, Indore
APPOINTMENTS
GSIMR, established in 1997 & one of the Best Business Schools of Central India, invites applications from
EDUCATIONISTS FOR MBA PROGRAMME
Director, Professor, Associate Professors, Assistant Professors
(in Business Analytics, Finance, General Management, HR, Marketing, Operation Research, IT)
Qualification, experience and salary as per AICTE norms/ under code-28
NON-TEACHING POSITION Office Assistant, Computer Operator
Interested candidates may send their CV with photocopies of all relevant documents along with photograph at the above-mentioned address or email at web.gsimr@gmail.com within 7 days.
Chairman
For any query, Contact: 86021-48118
R-51241/2025

MAHARISHI INSTITUTE OF MANAGEMENT
CAT Road, Rangwasa, Rau, Indore (MP)
Faculties Require for
Management / Commerce / Humanities Education
Professor/ Associate Professor/ Asst. Professor/ Accountant/ Office Assistant
Qualification, Salary, Experience as per AICTE/ NCTE UGC norms under code-28
Send your complete Resume with documents through
Email - mimindore@yahoo.com
within next 7 days from the date of publication of advertisement.
R-51225/2025

RECRUITMENT
▪ Approved by AICTE, New Delhi ▪ Recognised by DTE, M.P.
▪ Approved by High. Edu., Bhopal ▪ Affiliated to DAVV, Indore
Applications are invited for following faculty position :
- MBA (FT)/ MBA-Hospital Administration
- BBA (Plain & Hospital Administration), B.Com. (Economics/Hindi/ English/Commerce/ Management/Statistics/Taxation)
Professor/Associate Professor/Assistant Professor
Qualification as per AICTE/UGC latest norms Under College Code-28 for DAVV
Interested candidates can send their CV at the address below or email us at E-mail : hr@sait.ac.in within 7 days after the publication with all testimonials and 2 colour photographs.
Sri Aurobindo Institute of Technology
Sri Aurobindo Institute of Management & Science
Indore-Ujjain State Highway, Near MR-10 Crossing, Gram Bhanwarasla, Indore-453555 (M.P.) Chairman
R-51224/2025

वर्ष 42, अंक 29 14.07.2025 से 20.07.2025
रोज़गार और निर्माण
rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
● सम्पादक - रंजना चितले
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
● आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

मछुआरों की सुरक्षा, समृद्धि से मिली ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संजीवनी

मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश के समग्र विकास और हर वर्ग के कल्याण के लिए दूरदृष्टि और समर्पण के साथ कार्य कर रही है, उसमें मछुआरों के जीवन स्तर को सुधारने की पहल एक महत्वपूर्ण आयाम है। राज्य सरकार ने यह भलीभांति समझा है कि किसान और मजदूरों की भांति मछुआरे भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। मछली पालन न केवल पोषण का साधन है, बल्कि रोज़गार और आय के अवसर भी देता है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मछुआरों की समृद्धि को नीतिगत प्राथमिकताओं में विशेष स्थान दिया गया है। प्रदेश सरकार ने बीते वर्षों में मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं लागू की हैं। तालाबों, जलाशयों और नदियों का संरक्षण कर मछुआरों को अधिक जल क्षेत्र उपलब्ध कराना, मत्स्य बीज वितरण, आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण और मत्स्य विपणन में सहूलियत, ये सभी कदम मछुआरे समुदाय की आय को बढ़ाने में मददगार साबित हो रहे हैं। मत्स्य सहकारी समितियों को मजबूत कर उनके अधिकारों का विकेंद्रीकरण किया गया है, ताकि लाभ वास्तविक मछुआरों तक पहुंचे। मछुआरों की सुरक्षा और समृद्धि सरकार की प्राथमिकता है। उनकी सुरक्षा की दिशा में जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कंट्रोल कमांड सेंटर और ट्रांजिट हाउस जैसी पहल की जा रही हैं। राज्य के बड़े जलाशयों में मछुआरों की सुरक्षा और मत्स्य बीज संचयन की निगरानी के लिये आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। मध्यप्रदेश मत्स्य महासंघ द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के तहत देश के सबसे बड़े जलाशयों में शामिल इंदिरा सागर में ड्रोन, जीपीएस और सीसीटीवी युक्त आधुनिक कमांड कंट्रोल रूम की स्थापना की जा रही है। आपात स्थिति में इस प्रणाली से मछुआरों को शीघ्र सहायता पहुंचाई जा सकेगी। ये पहल ब्रीडिंग ग्राउंड के चिह्नांकन के साथ मत्स्य आखेट पर निगरानी को और ज्यादा आसान, सुलभ और प्रभावशाली बनाएगी। कमांड कंट्रोल रूम की मदद से मुख्यालय स्तर से ही चौबीस घंटे निगरानी संभव हो सकेगी। ड्रोन के माध्यम से जल क्षेत्र की लाइव मॉनिटरिंग और जीपीएस सिस्टम से नावों की ट्रैकिंग की जा सकेगी और आपात स्थिति में मछुआरों को तुरंत सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी।

मत्स्य महासंघ के जलाशयों में कार्यरत मछुआरों को कई बार 15 दिन से लेकर एक महीने तक खुले टापुओं या जलाशय के किनारों पर अपनी नावों में रात्रि विश्राम करना पड़ता है। वर्षा ऋतु में टापुओं का जलस्तर बढ़ जाता है, ऐसे में मछुआरों को जलीय जीव-जंतुओं से जान-माल की हानि की आशंका बनी रहती है। मछुआरों को इससे बचाने के लिए महासंघ ने गांधी सागर और इंदिरा सागर के टापुओं पर 5 ट्रांजिट हाउस और जल के मध्य 2 फ्लोटिंग प्लेटफॉर्म बनाने का प्रस्ताव तैयार किया है। मछुआरों के लिए इसमें आपातकालीन स्थिति में भोजन निर्माण, सोलर मोबाइल चार्जिंग और बायो टॉयलेट जैसी सुविधाएं मिलेंगी। राज्य सरकार की यह पहल मछुआरों की सुरक्षा और सुविधा को बेहतर बनाएगी, साथ ही जल आधारित संसाधनों के टिकाऊ प्रबंधन और मत्स्य उत्पादन की वृद्धि में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आधुनिक तकनीक के समावेश से अब राज्य में मत्स्याखेट और मछली पालन नए आयाम स्थापित करने की दिशा में अग्रसर हैं। राज्य में मॉडर्न एक्वाकल्चर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक अहम पहल की जा रही है। केन्द्र सरकार की फिशरीज इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड योजना के तहत भोपाल में 5 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक केवट प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना की जा रही है। इस संस्थान में केज कल्चर, बायोफ्लॉक, रिसर्कुलेटरी एक्वा कल्चर सिस्टम, मछलियों की हाइजेनिक हैंडलिंग, फिश प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और वैल्यूएडिशन जैसे विषयों पर मछुआ समुदाय को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। मछुआरों को इससे वैश्विक मानकों के अनुरूप मछली पालन तकनीक की जानकारी और व्यावसायिक दक्षता प्राप्त होगी। मछुआरों का जीवन केवल जलाशयों तक सीमित नहीं है। उनका सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण भी उतना ही जरूरी है। इसके लिए आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को मछुआरा समुदाय तक पहुंचाया गया है। रोज़गार के पारंपरिक साधनों को आधुनिक संसाधनों से जोड़कर युवाओं को मत्स्य व्यवसाय से जोड़ना भी एक उल्लेखनीय प्रयास है। यही संवेदनशील और समर्पित शासन की असली पहचान है। मछुआरों के उज्ज्वल भविष्य से ही प्रदेश के सर्वांगीण विकास का रास्ता निकलेगा, यह विश्वास मजबूत होता जा रहा है।

निधि टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सशक्त पहल

भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अम्ब्रेला कार्यक्रम निधि के अंतर्गत निधि टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर कार्यक्रम शुरू किया गया है। यह कार्यक्रम युवाओं को स्वरोज़गार स्थापित करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। जिसका उद्देश्य नवाचारों को प्रोत्साहन देना, तकनीकी स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान करना और उद्यमशीलता को एक नई दिशा देना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को स्वरोज़गार स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम उन युवाओं के लिए विशेष रूप से लाभकारी है जो तकनीकी के क्षेत्र में कार्य करते हुए अपने नवाचारों को धरातल पर उतारना चाहते हैं। निधि टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर उन एमएसएमई व स्टार्टअप्स को एक सुरक्षित और प्रेरणादायक वातावरण देता है। यह कार्यक्रम एमएसएमई को न केवल संरचनात्मक सहायता जैसे कार्यक्षेत्र, प्रयोगशालाएं 3डी डिजाइन रूम्स, हाई-स्पीड इंटरनेट, मेंटरशिप आदि प्रदान करता है। यह पहल देश में रोज़गार सृजन, आय अर्जन और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप तकनीकी व्यापार को प्रोत्साहित करने का कार्य कर रही है। निधि टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर कार्यक्रम देश में एक स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित कर रहा है जहां विचारों को वास्तविकता में बदला जा रहा है और विज्ञान आधारित नवाचारों के जरिए आत्मनिर्भर भारत की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना तभी साकार हो सकती है जब देश के युवा स्वावलंबी बनें और नवाचार को अपनाएं। यह कार्यक्रम इस संकल्पना को मूर्त रूप देने में सहायक सिद्ध हो रहा है। यह न केवल आर्थिक विकास को बल दे रहा है, बल्कि भारत को वैश्विक नवाचार मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण स्थान भी दिला रहा है। अतः यह कहा जा सकता है कि निधि टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर कार्यक्रम युवा सशक्तिकरण, नवाचार, और आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत सरकार की एक प्रभावी और दूरदर्शी पहल है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

जल गंगा संवर्धन अभियान

प्रकृति के संरक्षण के साथ आने वाली पीढ़ी को जल की महत्ता का संदेश

मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव सरकार ने जल संरक्षण के लिये 'जल गंगा संवर्धन अभियान' आरंभ किया, जो तीन महीने चला। यह अभियान एक ओर मनुष्य सहित प्राणी मात्र के जीवन और प्रकृति संरक्षण का माध्यम बना, वहीं इससे आने वाली पीढ़ियों को जल की महत्ता का संदेश भी मिला। इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि सरकार के आह्वान और समन्वय से यह एक प्रकार से जल संरक्षण आन्दोलन बन गया।

जल के बिना जीवन संभव ही नहीं। लोकभाषा की कहावतों से लेकर वैदिक ऋचाओं तक भारतीय वांङ्मय में जल की महत्ता का वर्णन है और जल संरक्षण का आह्वान किया गया है। नदियों को माता कहकर सुरक्षित करने का प्रयास हुआ है। ताकि प्रकृति और जीवन की धारा निरंतर रहे। मनुष्य सहित नन्हीं चींटी से लेकर विशालकाय हाथी तक सभी प्राणियों के जीवन का आधार जल सहित धरती, आकाश, वायु और अग्नि है। इन पंचतत्वों में सबसे अधिक प्रदूषित जल ही हुआ है। आधुनिक विकास की स्पर्धा, दिखावट, सजावट और सुख सुविधा की जीवन शैली से इन आधारभूत पांचों तत्वों का शोषण हुआ और इनमें प्रदूषण बढ़ा। लेकिन सबसे अधिक नुकसान जल को हुआ। जल को नुकसान दोनों प्रकार से हो रहा है। एक तो प्राकृतिक जल स्रोत निरंतर घट रहे हैं। अधिकांश तो नष्ट होने की कगार पर आ गये और जो हैं उनमें निरंतर प्रदूषण बढ़ रहा है। यदि जल और जल स्रोत इसी प्रकार कम होते रहे एवं प्रदूषण बढ़ता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब सभी प्राणियों का जीवन और प्रकृति का अस्तित्व ही संकट में पड़ जायेगा।

जल का यह संकट भारत में अपेक्षाकृत अधिक है। इसका कारण जनसंख्या के अनुपात में जल की उपलब्धता कम होना है। भारत में पूरे संसार में उपलब्ध जल का केवल चार प्रतिशत हिस्सा है जबकि जनसंख्या सोलह प्रतिशत से अधिक। जीवन शैली के बदलाव से पानी की मांग भी निरंतर बढ़ रही है। जल को बचाने और संरक्षित करने के लिये समय-समय पर अनेक प्रयास हुये। ऐसे प्रयास विभिन्न सरकारों ने किये और सामाजिक संगठनों ने भी किन्तु परिणाम सार्थक न हो सके। इस दिशा में किये जा रहे प्रयासों में सबसे अच्छा काम गुजरात में हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी उन दिनों गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने जल स्रोतों के संरक्षण और वर्षा की हर बूँद को सहेजने का एक विशिष्ट अभियान चलाया था। उन्होंने इस अभियान के तहत जनता से आह्वान किया था कि वह वर्षा जल की एक-एक बूँद को सहेजकर संरक्षित करें। इसके साथ तब श्री मोदी जी ने गुजरात के सभी नदी, तालाबों को संरक्षित करने के साथ प्रत्येक कुआं, बावड़ी की साफ-सफाई कराई और सुरक्षित किया। इससे धरती का गिरता जल स्तर सुधरा। मध्यप्रदेश का यह "जल गंगा संवर्धन अभियान" भी गुजरात मॉडल पर आधारित है।

मध्यप्रदेश में जल की उपलब्धता और संरक्षण का कार्य

जल स्रोतों और प्राकृतिक जल संरचनाओं की दृष्टि से मध्यप्रदेश की गणना धरती के विशिष्ट भू-भागों में होती है। प्राकृतिक विविधता, आध्यात्मिक साधना और विभिन्न जल स्रोतों की दृष्टि से मध्यप्रदेश बहुत समृद्ध है। विन्ध्याचल और सतपुड़ा की पर्वत श्रेणियों से आच्छादित यह धरती तब भी थी जब यूरोशियन प्लेट का विघटन भी नहीं हुआ था। मध्यप्रदेश नर्मदा, ताप्ती, बेतवा, चंबल, शिप्रा, केन सोन और पार्वती जैसी लगभग 247 नदियों का उद्गम है और इतनी जल समृद्धि के बाद भी मध्यप्रदेश में जल संकट बढ़ने लगा। इसका एकमात्र कारण सामाजिक जागरूकता का अभाव है। नगरों का अनियोजित विस्तार और गांवों के नगरीकरण की मानों दौड़ आरंभ हो गई है। इसके चलते नदियों और तालाबों का कैचमेंट एरिया निरंतर घटने लगा। नदियों के उद्गम और जल स्रोतों पर भी अतिक्रमण होने लगे। उनमें कचरे का भराव हो गया। प्राचीन भारत में नदी, झरनों और प्राकृतिक सरोवरों के उद्गम के संरक्षण के लिये मंदिर अथवा कोई विशिष्ट स्वरूप विकसित किया जाता था। ताकि समाज के विकास एवं विस्तार के कारण वहां किसी भी प्रकार की गंदगी अथवा अतिक्रमण न हो। लेकिन अधिकांश नदियों के उद्गम स्थलों में ऐसे प्रतीक भी नष्ट होने लगे और उनमें भी अतिक्रमण होने लगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सबसे पहले मध्यप्रदेश के इस प्राकृतिक धरोहर की उपलब्धता एवं उसकी महत्ता का विवरण तैयार कराया। फिर क्रमबद्ध उनके विकास, विस्तार एवं संरक्षण का अभियान चलाया। नदी जोड़ो अभियान और धरती का जल स्तर सुधारने की योजना के बाद मध्यप्रदेश सरकार ने यह जल गंगा संवर्धन अभियान आरंभ किया। इस अभियान के स्वरूप की प्रेरणा गुजरात मॉडल बना। श्री मोदी ने जिस प्रकार अपने मुख्यमंत्रित्व काल में गुजरात में जल संरक्षण अभियान चलाकर नदी तालाब और अन्य जल स्रोतों को पुनर्जीवित किया था, उसी तर्ज पर मध्यप्रदेश सरकार ने अपना यह जल संवर्धन और संरक्षण अभियान चलाया। 30 मार्च को इस अभियान के शुभारंभ और तीस जून को इसके समापन के समय उन्होंने स्पष्ट कहा था कि 'इसकी प्रेरणा मोदी जी से ली है'। इस 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत प्राकृतिक जल संरचनाओं, नदियों के उद्गम, तालाबों के जल संग्रहण क्षेत्रों की सफाई और उन्हें सहेजने के साथ मानव निर्मित तालाब, कुएं, बावड़ी आदि को भी साफ सफाई करके सुरक्षित करने का काम किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस अभियान की शुरुआत ऐतिहासिक और आध्यात्म की नगरी उज्जैन के शिप्रा तट से की थी। इस अभियान से स्थानीय निवासियों में उत्साह आया और यह जल संरक्षण एवं जल स्रोत पुनर्जीवन अभियान एक प्रकार से जन आंदोलन बन गया। यह अभियान अपने आप में एक कीर्तिमान बना। प्रदेश का ऐसा कोई जिला, कोई गांव कोई कस्बा या मजरा टोला नहीं, जहां लोग स्वयं अपने क्षेत्र के जल स्रोत की सफाई और संरक्षण के लिये आगे न आये हों। स्थानीय निवासियों और किसानों ने आगे आकर 'पानी चौपाल' का आयोजन किया। इसमें डेढ़ लाख से अधिक किसानों ने भाग लिया प्रदेश के सभी विकासखंडों में ऐसे 812 पानी चौपाल आयोजित किये गये। इसमें किसानों ने अपने गांव के खेतों, जल स्रोतों के संरक्षण, संवर्धन और पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार का कार्य स्वयं आगे बढ़कर आरंभ किया। इस अभियान में ऐसे कुएं और बावड़ियां भी पुनर्जीवित की गई जो सैकड़ों साल पुरानी थीं और वर्षों से सूखी पड़ी थीं। इस अभियान में खण्डवा जिला अग्रणी रहा। इस जिले में कुल 1.29 लाख संरचनाओं को संरक्षित किया गया। इनमें तीनों प्रकार की जल संचरनाएं हैं। मानव निर्मित भी, प्राकृतिक और भू-गर्भ जल संरचनाएं भी हैं। इस अभियान में युवा शक्ति को जोड़ा गया और लगभग 2.30 लाख जल दूत बनाये गये। युवा उत्साहियों की इन टोलियों ने अपने-अपने क्षेत्र के विलुप्त हो रहे जल स्रोत और जल संरचनाओं को खोजा एवं उनके संरक्षण का अभियान चलाया। इस अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश की 145 से अधिक नदियों के उद्गम स्थल खोजे गये जो विलुप्त होने की कगार पर आ गये थे। खोजकर उनका सीमांकन किया गया। कुछ स्थानों पर तो तार फेंसिंग भी की गई ताकि दोबारा अतिक्रमण न हो जबकि कुछ स्थानों पर आसपास घेरा बनाकर वृक्षारोपण किया गया। लगातार तीन महीने चले इस "जल गंगा संवर्धन अभियान" के अंतर्गत जल स्रोतों के संरक्षण के साथ प्रदेश की नदी, तालाबों, कुआं बावड़ियों की साफ सफाई अभियान भी चला। इसके अंतर्गत ऐसी बावड़ियां और कुएं भी सामने आये जो सैकड़ों साल पुराने हैं। और जो विनाश की कगार पर थे। इनमें मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के बड़े बाग में एक बावड़ी ऐसी मिली जो लगभग 200 वर्ष पुरानी थी। लेकिन अब वह कचरे से भर रही थी। दीवारों पर भी झाड़ आदि ऊग आये थे। इस बावड़ी की सफाई की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह भी सुनिश्चित किया कि औपचारिक स्तर पर भले इस अभियान का समापन तीन माह में हो जाए लेकिन जल संरक्षण और संवर्धन का कार्य अनवरत रहे इसके लिये जल संरक्षण और संवर्धन के लिए री-यूज वाटर पोर्टल तैयार किया। यह पोर्टल जल के "री-यूज, रीड्यूज और री-साइकल" तीन सिद्धांतों पर आधारित है। मध्यप्रदेश सरकार का संकल्प है कि उपलब्ध जल की सुरक्षा और प्रभावी जल प्रबंधन हो। बरसात की एक-एक बूंद को दोनों प्रकार से सहेजा जाए। अपने उपयोग के लिये भी और धरती का जल स्तर सुधारने के लिये भी। इसके लिये आवश्यक है कि खेत में आया वर्षा जल खेत में और गांव में आया वर्षा जल गांव में अथवा नगरों की धरती पर आया वर्षा जल नगर में ही धरती की प्यास बुझाये। धरती जल से संतृप्त रहेगी तो वह उत्पाद से प्राणी मात्र का संरक्षण करेगी। वनस्पति और वृक्षों की विविधता ही नहीं वन्य प्राणियों की हलचल और पेड़ों पर पक्षियों का वह कलरव पुनः गुंजायमान हो। जिसके लिये मध्यप्रदेश जाना जाता है। जिन्हें देखने के लिये पर्यटक मध्यप्रदेश आते हैं।

- रमेश शर्मा

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

भारतीय वायु सेना / Indian Air Force

Invites Online Applications From Unmarried Indian Male And Female Candidates For Selection Test For Agniveervayu Intake 02/2026 Under Agnipath Scheme

Online Registration Dates: From 11 July 2025 To 31 July 2025
Online Exam Dates: From 25 September 2025 Onwards

AGNIVEERVAYU INTAKE 02/2026

CAUTION

SELECTION IN THE INDIAN AIR FORCE IS 'FAIR & TRANSPARENT' AND ON MERIT ONLY. AT NO STAGE ANY BRIBE IS REQUIRED TO BE PAID TO ANYONE FOR SELECTION OR RECRUITMENT IN THE INDIAN AIR FORCE. CANDIDATES SHOULD NOT FALL PREY TO UNSCRUPULOUS PERSONS POSING AS RECRUITING/ SELECTING AGENTS.

1. Pursuant to the New HR methodology for induction of Agniveervayu under 'Agnipath Scheme', aimed to provide an opportunity to Nation's youth to experience military way of life for a period of four years, **Indian Air Force invites ONLINE applications from unmarried Indian male and female candidates for selection test from 25 September 2025 onwards to join the IAF as an AGNIVEERVAYU**. The number and employability of female candidates will be decided as per service requirement.

(THE SELECTION TEST IS NOT FOR SELECTION AS COMMISSIONED OFFICERS/ PILOTS/ NAVIGATORS/AIRMEN)

2. Application is required to be filled only ONLINE by the candidates and detailed instructions to fill up the same are available at **https://agnipathvayu.cdac.in.**

3. This examination is valid for **AGNIVEERVAYU INTAKE 02/2026**.

4. **ONLINE REGISTRATION shall commence at 1100 Hron 11 July 2025 and will close at 2300 Hr on 31 July 2025.Only ONLINE REGISTERED** applications shall be accepted. For registration log on to **https://agnipathvayu.cdac.in.**

Note. Candidates are advised to register at the earliest opportunity as no extension of registration dates will be accommodated.

ELIGIBILITY CRITERIA

5. **Age.**

5.1. Date of Birth Block. Candidates born between **02 July 2005 and 02 Jan2009** (both dates inclusive) are eligible to apply.

5.2. In case, a candidate clears all the stages of the Selection Procedure, then the **upper age limit as on date of enrolment should be 21 years.**

6. **Marital Status and Pregnancy.** Only unmarried candidates (male and female) will be eligible for enrolment as Agniveervayu and they shall undertake not to marry during the defined engagement period of four years. Keeping in view limited period of engagement of Agniveervayu inclusive of training, skill development activities, practical as well as formative assessment and organisational requirement of continued service of Agniveervayu during the engagement period, longer absence of Agniveervayu during the engagement period will adversely affect the operational efficiency of the Indian Air Force. Agniveervayu who marry during the said period shall be discharged from the service. Further, only unmarried Agniveervayu will be eligible for selection in regular cadre as Airman. Female candidates additionally shall be required to undertake not to get pregnant during the engagement period of four years. Such female Agniveervayu on becoming Low Medical Category (LMC) due to pregnancy shall be liable to be discharged from service. Pregnancy will debar the female Agniveervayu for selection into Regular Cadre. At the time of enrolment, candidates shall require to sign a voluntary undertaking accepting above conditions.

7. **Educational Qualification.**

7.1. Science Subjects. Candidates should have passed **Intermediate/10+2/ Equivalent examination with Mathematics, Physics and English** from Education Boards recognised by Central, State and UT with minimum **50% marks** in aggregate and **50% marks in English.**

OR

Passed **Three years Diploma Course in Engineering** (Mechanical / Electrical /Electronics / Automobile / Computer Science / Instrumentation Technology/ InformationTechnology) from Central, State and UT recognised Polytechnic institute with **50% marks in aggregate** and **50% marks in English** in Diploma Course (or in Intermediate/ Matriculation, **if English is not a subject in Diploma Course).**

OR

Passed **Two years Vocational Course with non-vocational subject viz. Physics and Mathematics** from Education Boards recognised by Central, State and UT with **50% marks in aggregate** and **50% marks in English** in Vocational Course (or in Intermediate/ Matriculation, **if English is not a subject in Vocational Course).**

7.2. Other than Science Subjects. Passed Intermediate/ 10+2/ Equivalent Examination in any stream/subjects from Education Boards recognised byCentral, State and UTwith minimum **50% marks in aggregate** and **50% marks in English.**

OR

Passed two years Vocational Course from Education Boards recognised by Central, State and UT with minimum **50% marks in aggregate** and **50% marks in English** in Vocational Course (or in Intermediate/ Matriculation, if **English is not a subject in Vocational Course).**

Note-1. Candidates eligible for Science Subjects examination (Including Intermediate/ 10+2/three years diploma course in engineering or two years vocational course with non-vocational subjects of Physics and Maths) are also eligible for Other than Science Subjects and would be given an option of appearing in both Science Subjects and Other than Science Subjects examination in one sitting while filling up the online registration form.

Note-2. Education Boards recognised by Central, State and UT as on date of registration shall only be considered.

Note-3. Exact aggregate percentage of marks before decimal as written in the marks sheet of 10+2/Intermediate/Equivalent Examination/Three years Diploma Course/Two years Vocational Course OR calculated as per the rules of concerned Education Board/ Polytechnic Institute shall only be considered (For example 49.99% should be taken as 49% and not to be rounded off to 50%).

8. **Domicile Category.** Candidates have to choose one of the domicile categories mentioned below and declare the same as their domicile State/ UT in the domicile column in the online application form at the time of online registration. They are also required to upload the relevant Domicile Certificate/ COAFP Certificate as per the category chosen. The following are the categories of domicile:-

8.1. Permanent Domicile. Permanent Domicile of the districts of State(s)/ UTs. The candidate shall produce 'Domicile Certificate' issued by any Gazetted Officer in Revenue Department or any other official authorised by the State Government of the particular State/ UT.

8.2. COAFP-I. Children of serving Air Force personnel [Officers/ Airmen/ NCs(E) and Unit Cadre Civilians paid from Defence Estimates] whose father/ mother is presently serving in any Air Force Unit/ any other Organisation located in the districts of State(s)/ UTs. Such candidates will produce latest COAFP (Children of Air Force Personnel) Certificate.

8.3. COAFP-II. Children of Air Force personnel [Officers/ Airmen/ NCs(E) and Unit Cadre Civilians paid from Defence Estimates] whose father/ mother is Retired/ Discharged/ Deceased and they are residing in the districts of State(s)/ UTs. Such candidates will produce a proof of minimum stay of one year along with original and photocopy of Service Book/ Discharge Book/ Casualty Service Certificate/ Service Particular Certificate (issued from DPO-3/ DAV as applicable) in case of Officers/ Airmen/ NCs(E) and a Certificate duly signed by OIC Civil Admin and counter signed by CO/ C Adm O of the last served unit, in case of Civilians.

Note. Domicile Category once chosen will not be changed later as the same will be applicable to the candidate at the time of shortlisting for Phase-II exam and preparation of Provisional Select List (PSL) which will be done state-wise as pe the vacancies allocated for each State/ UT. As per the category chosen during registration, candidate will be required to produce relevant original Domicile Certificate/ COAFP Certificate (if shortlisted for Phase-II Exam) for every stage of selection till enrolment.

9. **Mandatory Medical Standards.** General Medical Standards for AGNIVEERVAYU male & female candidates are as follows: -

9.1. Height.

9.1.1. For MaleCandidates. Minimum acceptable height is 152 cms.

9.1.2. ForFemale Candidates.Minimum acceptable height is 152 cms. For candidates belonging to North East or hilly regions of Uttarakhand, a lower minimum height of 147 cms will be accepted. In case of candidates from Lakshadweep, the minimum height will be 150 cms.

Note. Female candidates availing height relaxation for being domicile of North East/Hilly Regions of Uttarakhand/Lakshadweep are to submit domicile certificate with endorsement of domicile status at the time of Phase-II testing. **Further, female candidates from hilly regions of Uttarakhand must have specific endorsement of hilly region in their domicile certificate.**

9.2. Weight. Weight should beproportionate to height and age as applicable for IAF.

9.3. Chest.

9.3.1. ForMale Candidates. The chest wall should be well proportioned and well developed. Minimum chest circumference should be **77 cms** and the chest expansion should be atleast **05 cms.**

9.3.2. For Female Candidates. The chest wall should be well proportioned with the minimum range of expansion of **05 cms.**

9.4. Hearing. Candidate should have normal hearing i.e. able to hear forced whisper from a distance of 6 meters by each ear separately.

9.5. Dental. Should have healthy gums, good set of teeth and minimum 14 dental points.

9.6. General Health. Candidate should be fit for the Air Force, must conform to the medical standards and should be of normal anatomy without loss or deformity of any appendages. He/ She should be free from any active or latent, acute or chronic, medical or surgical disability or communicable disease, infection and skin ailments. Candidate shall be physically and mentally FIT to perform duty in any part of the world, in any climate and terrain.

9.7. Gynaecological Examination (for Female Candidates). The examination covers external genitalia, hernia orifices and the perineum, any evidence of stress

BEWARE : IMPERSONATORS WILL BE PROSECUTED

urinary incontinence or genital prolapse outside introitus.

9.8. **Gender.** Any candidate if found to have predominant characteristics of the opposite gender as evident on external physical examination, will be rejected as **Unfit**. Any candidate having undergone gender reassignment surgery will be declared **Unfit**.

9.9. **Pregnancy (For Female Candidates).** Any candidate, if found pregnant shall be disqualified and her candidature will be rejected.

9.10. **Visual Standards.**

Visual Acuity	Maximum limits of Refractive error	Colour Vision
6/12 each eye, correctable to 6/6 each eye	Hypermetropia: +2.0D Myopia: -1D Including ± 0.50 D Astigmatism	CP-II

Note:

9.10.1. Candidates should bring latest prescription (not older than one month) and spectacles for corrected vision, if used. The prescription must bear the dioptre measurement, name, signature, stamp and registration number of Ophthalmologist. Date of prescription should be within a month prior to appearing for medical examination.

9.10.2. Candidates with history of LASIK/PRK will not be accepted.

9.11. Details of medical standards are available on CASB web portal https://agnipathvayu.cdac.in.

10. **Consumption of Narcotic Drugs and Psychotropic Substance (NDPS).** Consumption of Narcotic Drugs and Psychotropic substances banned under the NDPS Act 1985 **shall be a reject criterion for selection into the IAF.** AGNIVEERVAYU found either in possession or storing or distributing or consuming such drugs and substances after enrolment shall be liable for disciplinary action including dismissal from the IAF. **ZERO TOLERANCE POLICY TO ALCOHOLISM AND SUBSTANCE ABUSE IS FOLLOWED IN IAF.**

11. **Body Tattoo.** Permanent body tattoos are not permitted. However, tattoos only on inner face of the fore arms (inside of elbow to the wrist), back (dorsal) part of the hand/ reverse side of palm and Tribals with tattoos which are as per custom and traditions of their tribes may be considered. Offensive, obscene, indecent, sexist or racist tattoos are prohibited regardless of location on the body. However, right to consider a tattoo acceptable or unacceptable will rest with the Selection Centre. Candidates with permanent body tattoos are to submit two postcard size photographs (close up and distant view) with details of size and type of the Tattoo.

12. **Only Sikh candidates,** whose religion prohibits cutting of hair or shaving of face, shall be permitted to grow hair and/or retain beard and moustache. Accordingly, those Sikh candidates willing to retain the same as per laid down specification are to get their photographs with beard and moustache.

TERMS AND CONDITIONS

13. Agniveervayu will be enrolled in the Indian Air Force under Air Force Act 1950, for a period of **FOUR years**. Agniveervayu would form a distinct rank in the Indian Air Force, different from any other existing ranks. The Indian Air Force is not obliged to retain Agniveervayu beyond the engagement period of four years.

14. On completion of four years of service, based on organisation's requirements and policies promulgated by the Indian Air Force, Agniveervayu will be offered an opportunity to apply for enrolment in the regular cadre of the Indian Air Force as Airmen. These applications will be considered in a centralised manner based on objective criteria, including performance during their four-year engagement period and up to 25% of each specific batch of Agniveervayu will be enrolled in regular cadre of Indian Air Force. **Agniveervayu will not have any right to be selected for further enrolment into the Indian Air Force. Selection of the Agniveervayu for further enrolment, if any, shall be at the discretion of the Government of India.**

15. **Employability.** Agniveervayu enrolled under this entry are liable to be assigned any duty in organisational interest at the discretion of the Indian Air Force.

16. **Training.** On being enrolled, Agniveervayu will be imparted military training based on Indian Air Force requirements.

17. **Leave.** Grant of leave will be subject to exigencies of the Indian Air Force. The following leave is applicable for Agniveervayu during their engagement period:-

17.1. **Annual Leave.** 30 days per year.

17.2. **Sick Leave.** Based on medical advice by competent Medical Authority.

18. **Medical and CSD Facilities.** For the duration of their engagement period in the Indian Air Force, Agniveervayu will be entitled for medical facility at service hospitals as well as CSD provisions.

19. **Pay, Allowances and Allied Benefits.** Agniveervayu enrolled under this Scheme will be paid an Agniveer package of Rs. 30,000/- per month with a fixed yearly increment. In addition, Risk and Hardship allowances (as applicable in Indian Air Force), Dress and Travel allowances will be paid. Perks such as ration, clothing, accommodation and Leave Travel Concession (LTC) shall also be provided as per the existing rules.

20. **Terminal Benefits - Seva Nidhi Package.** AGNIVEERVAYU will be given one time 'Seva Nidhi' package comprising their monthly contribution along with matching contribution by the Government on completion of their engagement period, as indicated below: -

Year	Customised Package (Monthly)	In Hand (70%)	Contribution to Agniveers Corpus Fund (30%)	Contribution to Corpus fund by GoI
All Figures in Rs. (Monthly Contribution) (Approximately)				
1st Year	30,000/-	21,000/-	9,000/-	9,000/-
2nd Year	33,000/-	23,100/-	9,900/-	9,900/-
3rd Year	36,500/-	25,550/-	10,950/-	10,950/-
4th Year	40,000/-	28,000/-	12,000/-	12,000/-
All Figures in Rs. (Monthly Contribution) (Approximately)				
Total Contribution in Agniveers Corpus Fund after four years			Rs. 5.02 lakh	Rs. 5.02 lakh
Exit after 4 years	**Approximately Rs. 10.04 Lakhs as SevaNidhi Package** (Absolute amount excluding interest)			

Note 1. Agniveervayu will not be required to contribute to any Provident Fund in Indian Air Force.

Note 2. There shall be no entitlement to gratuity and any kind of pensionary benefits.

21. **Insurance, Death and Disability Compensation.** Agniveervayu will be provided non-contributory Life Insurance cover of Rs. 48 Lakhs for the duration of their engagement period as Agniveervayuin the Indian Air Force. Agniveervayu will not be governed by provisions contained in the Pension Regulations/Rules for Indian Air Force. For details of Death/Disability compensation log on to **https://agnipathvayu.cdac.in.**

22. **Agniveer Skill Certificate.** At the end of engagement period, a detailed Skill-Set certificate will be provided to the Agniveervayu, highlighting the skills and level of competency acquired by the personnel during their engagement period.

23. **Not Entitled to the ESM Status.** Agniveervayu enrolled under this scheme will not be eligible for Ex-Servicemen status after their discharge from the service on completion of four years engagement period.

24. Agniveervayu will be permitted to appear for NDA/ AFCAT examinations (maximum three attempts) during their engagement period of four years provided they satisfy certain conditions for obtaining permission to do so.Agniveervayu, who have applied for any such examination prior to their enrolment in IAF may be permitted to appear in the same.

25. Release at own request prior to completion of engagement period will not be permissible for Agniveervayu. However, in exceptional cases,personnel enrolled as Agniveervayu may be released, with approval of the Competent Authority.

SEQUENCE OF EXAMINATION

MOBILE PHONES / SMART WATCHES / ELECTRONIC DEVICES ARE PROHIBITED IN TESTING AREAS DURING PHASE-I AND PHASE-II. CANDIDATES FOUND IN POSSESSION OF MOBILE PHONES/ELECTRONIC DEVICES SHALL BE DEBARRED PERMANENTLY

Phase-I

26. **Online Test.** Eligible candidates will be sent admit cards for Phase - I of testing on their registered **e-mail IDs** between 48-72 hrs prior to the examination. Candidates are required to download the admit card, take a colour printout and carry the same to the examination **centre. Name of city & exam date will be intimated to the candidates** at an earlier date to enable them to plan their movement. This provisional admit card can also be downloaded by the candidate under candidates login on CASB web portal **https://agnipathvayu.cdac.in.** All candidates in possession of provisional admit card will undertake Online Test at centres designated / allotted as per their admit card. Online test will be objective type and questions will be bilingual (English & Hindi) except for English paper. Candidates are to bring one blue / black pen and original **AADHAAR** cardalong with them for Phase - I testing. Details of the test are as follows: -

26.1. **Science Subjects.** Total duration of the online test shall be **60 minutes** and shall comprise of **Physics, Mathematicsand English** as per 10+2 CBSE syllabus.

26.2. **Other than Science Subjects.** Total duration of the online test shall be **45 minutes** and shall comprise of **English** as per 10+2 CBSE syllabus and **Reasoning & General Awareness (RAGA).**

26.3. **Science Subjects & Other than Science Subjects.** Total duration of the online test shall be **85 minutes** and shall comprise of **Physics, Mathematicsand English** as per 10+2 CBSE syllabus and **Reasoning & General Awareness (RAGA).**

26.4. Marking pattern for online test: -

26.4.1. One mark for every correct answer.

26.4.2. Nil (0) marks for unattempted question.

26.4.3. 0.25 marks shall be deducted for each wrong answer.

Note. Above examination methodology has been designed to facilitate selection process based on qualifications of candidates. Irrespective of the examination methodology Agniveervayu enrolled under this entry are liable to be assigned any duty in organisational interest, at the discretion of the Indian Air Force.

27. Marks scored by the candidates in STAR Phase-I testing will be "Normalised" by using the formula as published on the website https://agnipathvayu.cdac.in, to take into account variation in difficulty levels of the question papers across different sessions. Candidates are to note that the application of Cut-Off for shortlisting of candidates for STAR Phase-II testing and preparation of Final Merit List for selection will be based on "Normalised Marks" and not on the "Actual Marks" scored by the candidate in STAR Phase-I testing. Further, on normalisation, marks scored by a candidate in a subject may become less/more than actual marks, and more than total marks of that subject in exceptional cases. Shortlisting for Phase-II testing will be carried out in state-wise manner. The Cut-Off marks for shortlisting for Phase-II testing may vary from state to state as vacancies have been allocated in a state-wise manner.

28. **CANDIDATES ARE TO QUALIFY IN EACH PAPER INDIVIDUALLY IN SCIENCE SUBJECTS AND OTHER THAN SCIENCE SUBJECTS, with normalised marks.** The result of Phase-I and state-wise shortlisting for Phase-II, based on their performance in Phase-I online test, will be uploaded in candidate's individual login ID on **https:// agnipathvayu.cdac.in.**

29. In the event of extraneous circumstances resulting in non-conduct of STAR online test for Intake 01/2027, Indian Air Force reserves the right to shortlist candidates for Phase-II for Intake 01/2027 based on the marks obtained for STAR 02/2026, subject to the candidate meeting upper age limit as on date of enrolment.

Phase - II

30. Soon after the declaration of the result of Phase-I (Online) Test, a cut off will be applied on the normalised marks scored by the candidates in the Phase-I Test and

state-wise SHORTLISTED candidates will be sent a new Admit Card on their registered e-mail IDs for Phase-II test at a designated ASC as per their domicile category chosen at the time of registration (refer para 8). This Admit Card for Phase-II exam can also be downloaded online under candidate's login on CASB web portal https://agnipathvayu.cdac.in. Candidates have to report on the stipulated date and time for Phase-II at the designated ASC along with following:-

30.1. Colour print out of Phase-II Admit Card.

30.2. Colour print out of duly filled application form downloaded on completion of online registration.

30.3. HB pencil, eraser, sharpener, glue stick, stapler and black/blue ball point pen for writing.

30.4. Eight copies of un-attested passport size colour photograph **(which was used for the online application registration)**.

30.5. Original and four self-attested photocopies of matriculation passing certificate **(required for verification of candidate's name, father's name and his/her date of birth).**

30.6. Original and four self-attested photocopies of matriculation marks sheet **(only applicable for three yearsDiploma/two years Vocational Course holders when English is not a subject in Diploma/Vocational Course).**

30.7. Original and four self-attested photocopies of Intermediate/10+2/equivalent examination passing certificate and marks sheet.

OR

Original and four self-attested photocopies of three years diploma course passing certificate and marks sheets of all semesters.

OR

Original and four self-attested photocopies of two years Vocational Course passing certificate and all marks sheets including non-vocational course with subjects English, Physics and Mathematics.

30.8. Original and four self-attested photocopies of Domicile Certificate/COAFP Certificate. The candidate shall produce the chosen 'Domicile Certificate' (issued by any Gazetted Officer in Revenue Department or any other official authorized by the State Government of the particular state/UT)or COAFP Certificate while reporting for Phase-II examination.

30.9. Original and four self-attested photocopies of duly filled Children of Air Force Personnel (COAFP) Certificate (format available on AFNET CASB webpage) for Children of Serving Air Force Personnel (or) Original and four self-attested photocopies of Service Book/Discharge Book/Casualty Service Certificate/Service Particular certificate (issued from DPO-3/DAV, as applicable) in case of Officer/ Airmen/NCs(E) and a certificate duly signed by OIC Civil Admin and countersigned by CO/C Adm O of the last served unit, in case of civilians for Children of retired/ deceased/discharged Air Force personnel and proof of minimum stay of one year.

30.10. Original Phase-I Admit Card used during Phase-I test bearing Air Force seal and invigilator's signature.

30.11. Body tattoo photographs as per Para 11 above.

30.12. Original and four self-attested photocopies of NCC 'A', 'B' or 'C' certificate (if applicable).

30.13. Copy of permission letter obtained from unit/ station (applicable only for serving Agv NC).

Note-1. Original NCC certificate must have serial No., round seal of issuing authority and stamp of signing authority. Photo affixed on the certificate must have been attested by issuing authority with stamp.

Note-2. Candidates discharged from Indian Army/ Indian Navy/ any other Government Organisation shall also be eligible subject to their discharge with **NO ADVERSE ENTRIES**. Such candidate has to declare at the time of testing for Phase-II that he/ she is an Ex-employee of above said organisations and produce original Discharge Certificate. In case of serving individuals, they must be in possession of NOC from their employer at the time of Phase-II. If any candidate does not disclose the fact of being employed or that of being an Ex-employee, his/ her candidature shall be cancelled at any stage during the selection process and if selected, shall be liable for discharge/ dismissal from the service for hiding the fact of his/ her employment. **Candidates discharged from the Indian Air Force for any reason are not eligible to appear in the selection test.** Candidates debarred permanently form any previous Air Force exam due to malpractices or any unfair activity are not eligible to appear in the selection test. If found at a later stage, the candidature will be cancelled automatically.

Note-3. Candidates declaring wrong Domicile Certificate/COAFP Certificate shall not be permitted to appear in the Phase-II testing. Wrong information about Domicile Certificate/COAFP Certificate will result in cancellation of candidature at any stage of recruitment, training and thereafter.

31. Additional Skills/Qualifications/Achievements. Candidates with any additional skills/qualifications/ achievements in fields, including but not limited to, Information Technology, Motor Vehicle driving/ maintenance, Hospitality, Logistics, Accounting, Catering, Welding, Typing Skill,Sports etc. are required to upload supporting certificates / documents through a link provided along with Phase-II admit card and also furnish them at the time of Phase-II testing.

32. Verification of Eligibility.Candidates should be in possession of the documents mentioned at para 30&31 above, when appearing for the selection test which would be scrutinised/verified prior to commencement of Phase-II to ascertain the eligibility prima-facie. Detailed verification of all the documents listed at para 30 & 31 above shall be carried out in respect of candidates who pass Physical Fitness Test. Candidature of those who do not meet the laid down educationalcriteria shall be cancelled during **initial verification of original certificates & mark sheets** and also during **detailed verification at ASC.**

Note-1. In the case of **COAFP**, the name of the candidate, parent's name and the date of birth of the candidate as mentioned in the discharge book/ service book/ service particular certificate/ casualty certificate (as applicable) must be the same as mentioned in the matriculation passing certificate of the candidate.

Note-2. Under no circumstances, the candidates shall be permitted to appear in Phase-II of the selection test without original educational marks sheets/passing certificates & documents mentioned above in paragraph 30. However, candidates with photocopies of educational marks sheets/passing certificates may be permitted to appear in the selection test only on production of a certificate from college/school Principal certifying that educational certificates/marks sheets are deposited with college/school.In exceptional circumstances, DigiLocker verified certificates will be accepted and candidates will be issued with CSV (Certificate Subject to Verification) status. Candidates are thereafter required to submit original certificates to nearest ASC within one month from date of issue of CSV, to clear the CSV status.

Note-3. The original passing certificates/marks sheets shall not be retained by the selection centre. The same shall be returned to the candidates on completion of detailed verification.

Note-4. Internet copy of marks sheet are not acceptable.

Note-5. The printout of educational certificates obtained from mobile snapshot/ photo image will not be accepted. Candidates are to bring legible photo copies of educational certificates for verification.

Note-6. Candidates are strictly prohibited from doing any rough work or write anything anywhere on the Admit Cards issued for Phase-I and Phase-II. Such candidates will be DEBARRED PERMANENTLY.

33. Physical Fitness Test (PFT). Names of the shortlisted candidates, who qualify the online test, shall be displayed on the CASB Web Portal **https://agnipathvayu.cdac.in** and on a stipulated date shall be called at designated ASC for Physical Fitness Test (PFT) and Adaptability Test-I&II. PFT consists of two parts ie,PFT-I and PFT-II.

PFT- I Candidates have to complete 1.6 Kms run as per the following timings to qualify PFT-I:-

Test	Maximum permissible time	
1.6 Km run	**Male Candidates**	**Female Candidates**
	Within Seven minutes	Within Eight minutes

PFT- II Candidates who qualify PFT-I to undergo PFT-II after 10 minutes of recuperation time. The sequence of exercises and maximum time period for male and female candidates are as follows:-

Male Candidates.

Test	Max Time Period	Remarks
10 Push-ups	One minute	Test will be conducted after 10 minutes break oncompletion of run
10 Sit-ups	One minute	Test will be conducted after two minutes break on completion of 10 Push-ups
20 Squats	One minute	Test will be conducted after two minutes break on completion of 10 Sit-ups

Female Candidates.

Test	Max Time Period	Remarks
10 Sit-ups	One minute and 30 seconds	Test will be conducted after 10 minutes break on completion of run
15 Squats	One minute	Test will be conducted after Two minutes break on completion of 10 Sit-ups

Note. Candidates are advised to bring their **sports shoes and shorts/ track pants.** Detailed procedure on expected technique for Push-ups, Sit-ups and Squats is available on CASB Web Portal **https://agnipathvayu.cdac.in.**

34. Candidates shall sign a consent form prior to appearing in physical fitness test/ medical test for selection in Indian Air Force. He/ She shall appear in these tests at his/ her own risk and shall not be paid any compensation by Indian Air Force for injury/ casualty if any, sustained by him/ her during such tests. The consent form shall be signed by parents/ guardian of candidates below 18 years of age. The consent form would be appended with Phase-II Admit Card.

35. Adaptability Test- I. All candidates who pass the Physical Fitness Test (PFT) shall have to undertake Adaptability Test-I (objective type written test) which is to assess suitability of a candidate for employment in the Indian Air Force, which involves deployment in varied geographic terrain, weather and operational conditions.

36. Adaptability Test-II. All candidates who pass Adaptability Test-I will have to undertake Adaptability Test-II as per policy in vogue. Adaptability Test-II is for selection of candidates who can adapt to the environment of the Indian Air Force and are able to adjust to the military way of life.

Phase – III

37. Medical Examination.Candidates who qualify Adaptability Test-II shall be issued with medical appointment letter by respective ASCs. Medical examination shall be conducted by Air Force Medical Team as per Indian Air Force medical standards in IAF Publications and policy in vogue on subject issue. Medical examination would also include Baseline Investigations of: -

37.1. Blood Haemogram - Hb, TLC, DLC, Platelets.

37.2. Urine RE/ME.

37.3. Biochemistry:-

37.3.1. Blood Sugar Fasting/ Post Prandial.

37.3.2. Serum Cholesterol.

37.3.3. RFT- Serum Urea, Uric Acid, Creatinine.

37.3.4. LFT- Serum Bilurubin, SGOT, SGPT.

37.4. Radiograph Chest (PA view).

37.5. Ultrasonography of lower abdomen & Pelvis **(for female candidates only).**

37.6. ECG (R).

37.7. Any other investigation deemed necessary by the Recruiting Medical Officer.

38. Candidates declared medically unfit can avail the option for 'Appeal Medical Board' (AMB) against their unfitness by depositing Rs. 40/- in a Government Treasury/RBI/ SBI through Electronic Military Receivable Order (e-MRO)/ Military Receivable Order (MRO). The application for AMB along with original copy of e-MRO/ MRO, photocopy of Unfitness Certificate to be submitted to the representative of ASC within three working days of medical examination.

39. The Recruitment Medical Officer and the specialist doctors of Armed Forces are the final authorities for declaring a candidate Fit or Unfit during Initial Medical Examination, Appeal Medical Boardand Medical Examination prior to Enrolment.

40. The candidates shall be governed by Armed Forces Medical standards which may be at variance from civil standards. There is no provision for representation or review after the Appeal Medical Board.

Note-1. Candidates are advised to get tartar and stains removed from their teeth before appearing for the medical examination. Ears should be free of wax. Candidates should be prepared to stay for the medical examination for four to five days under their own arrangement. No TA/DA shall be admissible.

Note-2. Passing in the medical examination is not a guarantee for employment in Indian Air Force.

Note-3. Request for change of Medical Examination Centre or Date of Medical Examination shall not be entertained.

HOW TO APPLY

41. Candidates are to fill **ONLINE** Applications by logging on to **https://agnipathvayu.cdac.in.**

42. During online registration, the following documents are to be uploaded as applicable by respective candidates: -

42.1. Class 10th/matriculation passing certificate.

42.2. Chosen Domicile Certificate/COAFP Certificateas mentioned in para 8.

42.3. Intermediate/10+2 or equivalent marks sheet.

OR

3 Yrs Engineering Diploma Final Year Marksheet (if applying on the basis of 3 Yrs Engineering Diploma from a Govt. recognised polytechnic in prescribed stream) and Intermediate/Matriculation marksheet (if English is not a subject in Diploma Course).

OR

2 Yrs Vocational Course marks sheets of non-vocational course with subjects English, Physics and Mathematics.

42.4. Passport size recent colour photograph (taken not before **June 2025**) of size 10 KB to 100 KB(front portrait in light background without facemask and head gear except for Sikhs). The photograph is to be taken with candidate holding a black slate in front of his/her chest with his/her name and date of photograph taken, clearly written on it with white chalk in capital letters. Change in appearance like growing beard, head gear etc., in comparison to the photograph may result in cancellation of candidature for STAR online examination and Phase-II.

42.5. Candidate's left hand thumb impression image (Size 10 KB to 100 KB).

42.6. Candidate's signature image (Size 10 KB to 100KB).

42.7. Candidate's parent's (Father/Mother)/ Guardian's signature image (if candidate is below 18 years on the date of filling the online application).

43. Examination Fee. Examination fee of Rs. 550/- plus GST is to be paid online by the candidate while registering for the online examination. The payment can be made by Debit Cards/ Credit Cards/Internet Banking through payment gateway. Candidates are advised to follow the instructions/steps given on the payment gateway, and also print/ keep transaction details for their records.

44. Refund of Multiple Payments. If multiple payments are received from a candidate against single application, then that will be refunded back to the originating account after closing of registration and re-conciliation of all payment records. However, if candidate is found to have filled multiple applications,only one application will be accepted and the amount with respect to other applications not considered for recruitment process will not be refunded. Fee once paid shall not be refunded under any circumstances and shall not be kept in reserve for any other examination or selection.

45. Candidate must have his/her valid E-mail ID and Mobile No. for successful online registration.

46. Candidate should enter AADHAAR number in online application. Candidates from J&K, Ladakh, Assam and Meghalaya are exempted for the same, if not having AADHAAR card.

47. Candidates are to reach at the Examination Centre with colour print out of provisional Admit Card. Candidates shall be debarred from appearing in the online test in case anomalies/ irregularities/ incorrect information are observed during initial verification at the examination venue or at any subsequent stage of selection process.

48. The candidates should carry his/her AADHAAR Card (as displayed on their Admit Card) as proof of identity whenever they report for the Selection Test (Phase-I & II) and Medical Test. Candidates from J&K, Ladakh, Assam and Meghalaya are to carry any other valid ID Proof, if not having AADHAAR Card.

49. Details about required educational qualification and physical/medical standards are available on CASB web portal **https://agnipathvayu.cdac.in** under the candidate's login and this information can be accessed by the candidate without signing in.

GENERAL

50. General instructions for candidates are as follows: -

50.1. Candidates must indicate five choices of examination centre for STAR ONLINE EXAM in order of preference while filling up the online application form. However, CASB reserves the right to allot any centre other than those mentioned in the application. No choice preference will be given to candidates for Phase-II examination. Candidates have to report at their designated ASCs as per the allotment done by CASB.

50.2. REQUESTS FOR CHANGE OF EXAMINATION CENTRE OR DATE OF SELECTION TEST SHALL NOT BE ENTERTAINED. Candidates are to report at the designated place on scheduled date/time without fail. They have to cater for any contingencies including late running of trains while planning their move.

50.3. Candidates not reporting for the test on due date and time shall not be accommodated on other dates/shifts.

50.4. Duplicate/ Incomplete/ erroneously filled applications shall be **rejected**.

50.5. Candidates should be prepared to stay for the entire duration of the tests under their own arrangement. **No TA/DA shall be admissible.**

50.6. Candidates are required to provide an active e-mail ID, which will be used by CASB for all communications till culmination of the entire selection process and enrolment for that particular intake. It is also advised to preserve e-mail ID and password for all future communications.

50.7. Chosen Domicile Certificate/COAFP Certificate (as mentioned in para 8) is to be brought by the candidate for Phase-II exam and Enrolment. Original documents will be verified during Phase-II exam and Enrolment.

50.8. Candidate should apply only once in response to this advertisement.

50.9. Candidature of candidates who apply **MORE THAN ONCE IN RESPONSE TO THIS ADVERTISEMENT AND OBTAIN different registration** numbers **SHALL BE REJECTED.**

NOTE. PRESIDENT, CASB RESERVES THE RIGHT TO ALLOT EXAMINATION CENTRE FOR PHASE-I WHICH MAY OR MAY NOT BE AS PER CHOICE OF THE CANDIDATE.

51. If there is any variation between English & Hindi/any other regional language versions of the advertisement, English version shall be taken as authentic.

52. Any **CORRIGENDUM/CHANGES/ UPDATES** shall be available **ONLY on CASB** web portal**https://agnipathvayu.cdac.in and NO INTIMATION SHALL BE GIVEN IN ANY NEWS PAPER/ ANY OTHER MEDIA.** All candidates are required to see the web portal of CASB from time to time.

53. PROVISIONAL SELECT LIST (PSL). The state-wise PSL will be prepared after the completion of selection test and the same will be displayed at all the ASCs and also on web portal **https://agnipathvayu.cdac.in** on **15 May 2026.** Inclusion of names of male and female candidates in the PSL depends upon the performance of the candidates in the selection test and the same is determined by application of state-wise cut off marks vis-à-vis number of state-wise qualified candidates in phase-II testing and anticipated state-wise vacancies. **Inclusion of name in PSL does not guarantee automatic enrolment.** IAF reserves the right to cancel the Selection Process even after publication of the PSL, if necessary. Enrolment is strictly in order of state-wise merit subject to medical fitness, availability of state-wise vacancies, not exceeding the age of 21 years on date of enrolment and meeting all the laid down eligibility criteria as and when called for enrolment. **The validity of the PSL shall be six months from the date of display and shall be applicable only for AGNIVEERVAYU INTAKE 02/2026.**

54. ENROLMENT LIST. List of candidates finally called for enrolment in **AGNIVEERVAYU INTAKE 02/2026** will be published on **01 June 2026.** E-Call letter **ONLY** shall be sent to candidates called for enrolment on their Registered e-mail IDs. The cut off marks for issue of call up letter for recruitment may vary from state to state.

55. FOR ANY QUERY VISIT ONLINE QUERY PORTAL OF CDAC AND CONTACT CASB, BRAR SQUARE, DELHI CANTT, NEW DELHI - 110010, TELEPHONE NO. 011-25694209/ 25699606 AND E-MAIL: casbiaf@cdac.in/ royal-hunter@gov.in ORLOG ON TO CASB WEB PORTAL https://agnipathvayu.cdac.in UNDER CANDIDATE'SLOGIN. For queries pertaining to filling up of online application form, candidates may also contact on Telephone No.020-25503105/25503106.

DISCLAIMER

THE TERMS AND CONDITIONS GIVEN IN THE ADVERTISEMENT ARE GUIDELINES ONLY AND ORDERS ISSUED BY THE GOVERNMENT, AS AMENDED FROM TIME TO TIME, WILL APPLY FOR THE SELECTED CANDIDATES.

THE DATA ENTERED DURING REGISTRATION WILL BE FINAL AND NO CHANGES WILL BE PERMITTED LATER. ENTRY OF WRONG DATA WILL DISQUALIFY CANDIDATURE.

FOR DETAILED SYLLABUS, MODEL QUESTION PAPERS, PROVISIONAL SELECT LIST AND ENROLMENT LIST, LOG ON TO CASB WEBPORTAL : https://agnipathvayu.cdac.in

IAF RESERVES THE RIGHT TO CANCEL ENTIRE SELECTION PROCESS AT ANY STAGE WITHOUT ASSIGNING ANY REASONS

CANDIDATES FOUND INDULGING IN ANY TYPE OF MALPRACTICES/ UNFAIR MEANS DURING THE EXAMINATION SHALL BE DEBARRED PERMANENTLY.

BEWARE : IMPERSONATORS WILL BE PROSECUTED

कार्यालय अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी स्वशासी गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

E-mail : grmc1946@yahoo.co.in, Ph. : 0751-2403400, Fax No. : 0751-2403403

क्र. 25543/स्था. अराज/2025 ग्वालियर, दिनांक : 04.07.2025

विज्ञप्ति

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय स्वशासी संस्था ग्वालियर में मध्यप्रदेश स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय चिकित्सकीय सेवा आदर्श सेवा भर्ती नियम 2018 द्वारा प्राप्त अनुसूचियों के आधार पर गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय स्वशासी संस्था ग्वालियर में स्वशासी नर्सिंग ऑफिसर/टेकीशियन/लैब असिस्टेंट/रेडियोग्राफर/ओ.टी. टेकनीशियन/रिकार्ड क्लर्क/भृत्य के रिक्त दिव्यांगजन के पदों हेतु सीधी भर्ती के रिक्त पदों पर वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से भर्ती हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाने हेतु विज्ञापन सूचना जारी की जाती है एवं आवेदन हेतु गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय ग्वालियर की वेबसाइट **www.grmcgwalior.org** पर आवेदन से संबंधित विस्तृत जानकारी उपलब्ध है। आवेदन जमा करने की **अंतिम तिथि 22.07.2025 को सायं 6:00 बजे तक** कार्यालय में उपस्थित होकर एवं पंजीकृत डाक द्वारा प्राप्त किये जायेंगे। आवेदन पत्र भरने के पूर्व आवेदन शुल्क अनारक्षित श्रेणी हेतु रुपये 500/- एवं आरक्षित श्रेणी हेतु रुपये 250/- गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय ग्वालियर में ऑनलाइन स्टेट बैंक ऑफ इंडिया State Bank Collect पर जमा करना अनिवार्य होगा है, तदोपरांत आवेदन के साथ ऑनलाइन पेमेन्ट की रसीद जमा करना अनिवार्य होगा।

अधिष्ठाता
गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय ग्वालियर

जी-15194/51209/2025

कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग जबलपुर परिक्षेत्र जबलपुर

AN ISO 9001: 2015 CERTIFIED OFFICE

इंदिरा गांधी मार्ग, साउथ सिविल लाइन, जबलपुर (म.प्र.) पिन - 482001

Phone No. : 0761-2621541, E-mail : cepwdcentral@mp.nic.in

निविदा सूचना क्रमांक - 05/सा/2025-26 जबलपुर, दिनांक : 01.07.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। यह निविदा वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 01. उपसंभाग क्र.- 2 सिवनी के अंतर्गत आष्टा सोनावानी मार्ग लं. 5.56 कि.मी. का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित।

टेण्डर आई.डी.	जिला/लो.नि. वि. संभाग	आमंत्रण	ठेके की अनु. राशि रु. (लाख में)	अमानत राशि रु.	निविदा प्रपत्र राशि रु.	समयावधि
2025_PWDRB_434314_1	सिवनी	प्रथम	534.87 लाख	5,35,000/-	20,000/-	10 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 02. उपसंभाग लखनादौन के अंतर्गत बालपुर धनौरा मार्ग लं. 17.50 कि.मी. का उन्नयन कार्य विद्युतीकरण सहित।

टेण्डर आई.डी.	जिला/लो.नि. वि. संभाग	आमंत्रण	ठेके की अनु. राशि रु. (लाख में)	अमानत राशि रु.	निविदा प्रपत्र राशि रु.	समयावधि
2025_PWDRB_434315_1	सिवनी	प्रथम	4121.73 लाख	20,60,900/-	50,000/-	20 माह वर्षाऋतु सहित

टीप :– निविदा का विस्तृत विवरण म.प्र. शासन की निविदा पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने पर प्राप्त हो सकेंगे। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 16.07.2025 समय 5:30 PM** तक है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता, लो.नि.वि.
जबलपुर परिक्षेत्र जबलपुर

जी-15181/51208/2025

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग कोठी रोड, सिविल लाईंस, सतना (म.प्र.)

PHONE No. : 07676-299470, E-mail : dpepiusatna2@gmail.com

एन.आई.टी. नं. - 18/2025/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सीई/पी.डब्ल्यू.डी./भवन/1707 रीवा, दिनांक : 25.06.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है:-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सतना से संबद्ध नवीन चिकित्सालय का निर्माण कार्य सह जल प्रदाय, सेनेटरी फिटिंग एवं विद्युतीकरण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

पोर्टल टेण्डर क्र.	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पी.ए.सी.) (रु. लाख में)	अमानत राशि निविदा (ई.एम.डी.) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित
2025 PWPIU_432621_1	सतना	30637.81	5000000.00	50000	24 माह	हां

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 30.06.2025 समय 10:00 से **दिनांक 22.07.2025** समय 18:00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग, सतना

जी-15349/51216/2025

कार्यालय कलेक्टर, जिला दमोह (म.प्र.)

लोक सेवा प्रबंधन विभाग, कक्ष क्र. 17, भू-तल, कलेक्ट्रेट, जिला-दमोह (म.प्र.) 470661

E-Mail ID : loksevadam@mp.gov.in

"कार्यालय सहायक सह डाटा एंट्री ऑपरेटर के रिक्त पद (संविदा) पर भर्ती हेतु विज्ञप्ति"

पद का विवरण	आरक्षण की स्थिति		शैक्षणिक, व्यवहारिक एवं तकनीकी योग्यता	आयु सीमा	आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
	वर्ग	पद संख्या			
कार्यालय सहायक सह डाटा एंट्री ऑपरेटर (संविदा) मानदेय:- रु. 19500/- (उन्नीस हजार पाँच सौ रु. मात्र) प्रतिमाह। (पे-मेट्रिक्स लेवल 4 अनुसार)	अनुसूचित जाति	01	1. कार्यालय पत्र एवं कार्यालयीन कार्य को हिंदी एवं अंग्रेजी में टंकण करने की दक्षता। 2. डाटा फीडिंग के कार्य की जानकारी। 3. दस्तावेजों की स्केनिंग। 4. एम.एस.-ऑफिस तथा डाटाबेस सॉफ्टवेयर में कार्य करने का 3 साल का अनुभव। 5. शैक्षणिक योग्यता 12वीं कक्षा उत्तीर्ण। 6. न्यूनतम तकनीकी योग्यता CPCT परीक्षा उत्तीर्ण वैध स्कोर कार्ड सहित। 7. मध्यप्रदेश का स्थानीय निवासी।	01.01.2025 को 18 वर्ष से 35 वर्ष तक। (महिलाओं एवं शासकीय विभाग/उपक्रम/मण्डल में संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों को 05 वर्ष की छूट प्रदान की जायेगी साथ ही सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आयु में छूट के प्रावधान भी लागू होंगे।)	31.07.2025
	कुल	**01**			

- आवेदन पत्र **https://mponline.gov.in** पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन ही प्राप्त किये जायेंगे।
- आवेदन की **अंतिम तिथि 31.07.2025** है।
- आवश्यकतानुसार रिक्त पदों में कमी या वृद्धि की जा सकती है।
- कार्यालय सहायक सह डाटा एंट्री ऑपरेटर की मेरिट सूची 01 वर्ष के लिए वैध रहेगी।
- विस्तृत जानकारी, नियुक्ति की शर्तें, चयन प्रक्रिया **https://damoh.nic.in** एवं **https://mponline.gov.in** पर उपलब्ध है।

जी-15346/51215/2025 कलेक्टर, जिला-दमोह

कार्यालय अधिष्ठाता बुन्देलखण्ड चिकित्सा महाविद्यालय, सागर शिवाजी वार्ड, तिली रोड़, सागर (म.प्र.) - 470001

Website : bmcsagar.edu.in, E-mail : deansmc08@yahoo.co.in

फोन नं. : 07582 - 236270, फैक्स नं. : 07582 - 236457

क्रमांक 4533/क्रय/25 सागर, दिनांक : 03.07.2025

बुन्देलखण्ड चिकित्सा महाविद्यालय सागर परिसर में स्थापित समस्त सी.सी.टी.वी. कैमरों के संपूर्ण वार्षिक रख-रखाव एवं सुधार कार्य (CMC) हेतु निविदा आमंत्रण-सूचना

निविदा का नाम	प्री बिड बैठक दिनांक	निविदा प्राप्त करने की प्रारंभ तिथि	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	निविदा खोलने की तिथि एवं समय
बुन्देलखण्ड चिकित्सा महाविद्यालय सागर परिसर में स्थापित समस्त सी.सी.टी.वी. कैमरों के संपूर्ण वार्षिक रख-रखाव एवं सुधार कार्य (CMC) हेतु ऑनलाइन निविदा	17.07.2025	**09.07.2025** दोपहर 12:00 बजे से	**29.07.2025** शाम 06:00 बजे तक	31.07.2025 सुबह 11:00 बजे पश्चात

इच्छुक फर्म/संस्था ऑनलाइन वेबसाइट **http/mptender.gov.in** से एवं हमारी वेबसाइट **www.bmcsagar.edu.in** से भी निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। निविदा में किये गए किसी भी संशोधन की जानकारी केवल महाविद्यालय की वेबसाइट पर ही उपलब्ध कराई जावेगी।

अधिष्ठाता
बुंदेलखंड चिकित्सा महाविद्यालय, सागर

जी-15272/51211/2025

कार्यालय मुख्य अभियंता, निचली नर्मदा परियोजनाएं - नर्मदा भवन सेक्टर - बी जी स्कीम नंबर - 74 सी, विजय नगर, इंदौर-452010

दूरभाष : 0731-2552555,2552111, ई-मेल : celnpindore@gmail.com

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना (तृतीय आमंत्रण)

निविदा सूचना क्रमांक 08/सा./मु.अ./NMGL (O&M)/2025-26 इंदौर, दिनांक : 04.07.2025

निविदा क्रमांक 08

निम्न कार्य की ऑनलाइन निविदा ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम पोर्टल से वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर जारी की गई है। निविदा की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है :-

कार्य का नाम	नर्मदा मालवा गंभीर लिंक परियोजना का संचालन एवं रखरखाव 03 वर्ष के लिए, जिसमें 50000 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के लिए दाबयुक्त पाइप वितरण नेटवर्क भी शामिल है, "टर्न की अनुबंध" पर, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार (परंतु उस तक सीमित नहीं।)
अनुबंध की अनुमानित राशि	1200.096 लाख (जीएसटी छोड़कर)
धरोहर राशि रु. में	10.00 लाख
निविदा प्रपत्र का मूल्य	30,000/- तीस हजार (वापसी योग्य नहीं)
ऑनलाइन निविदा क्रय करने का दिनांक	**04.07.2025, 17:30 Hrs. से 18.07.2025, 17:30 Hrs. तक**
ऑनलाइन निविदा दस्तावेज जमा करने का दिनांक	04.07.2025, 17:30 Hrs. से 18.07.2025, 17:30 Hrs. तक
धरोहर राशि एवं पूर्व अर्हता प्रपत्र खोलने का दिनांक	21.07.2025, 10:30 Hrs. के पश्चात्
वित्तीय ऑफर खोलने का दिनांक	23.07.2025, 10:30 Hrs. के पश्चात्

निविदा प्रपत्र उपरोक्त वेबसाइट पर क्रेडिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग खाते से भुगतान करने के उपरांत केवल ऑनलाइन क्रय किया जा सकता है। निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन करें।

मुख्य अभियंता
निचली नर्मदा परियोजनाएं इंदौर, जिला-इंदौर

जी-15195/51210/2025

कार्यालय अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी स्वशासी गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

Mail : grmc1946@yahoo.co.in, Ph. : 0751-2403400, Fax No. : 0751-2403403

क्र. 26155/स्था. अराज/2025 ग्वालियर, दिनांक : 07.07.2025

विज्ञप्ति सूचना

इस कार्यालय द्वारा जारी विज्ञप्ति सूचना क्रमांक 25543/स्था. अराज/2025 ग्वालियर दिनांक 04.07.2025 द्वारा गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय स्वशासी संस्था ग्वालियर में मध्यप्रदेश स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय चिकित्सकीय सेवा आदर्श सेवा भर्ती नियम 2018 द्वारा प्राप्त अनुसूचियों के आधार पर गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय स्वशासी संस्था ग्वालियर में स्वशासी **नर्सिंग ऑफिसर/टेक्नीशियन/लैब असिस्टेंट/रेडियोग्राफर/ओ.टी. टेक्नीशियन/रिकार्ड क्लर्क/भृत्य** के रिक्त दिव्यांगजन के पदों हेतु सीधी भर्ती के रिक्त पदों पर वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से भर्ती हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाने हेतु विज्ञापन सूचना प्रकाशित की गई थी। म.प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय के ज्ञाप क्रमांक एफ 8-2/2013/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 29.04.2025 जारी निर्देशों के पालन में उपरोक्त जारी विज्ञप्ति को आगामी आदेश होने तक निरस्त किया जाता है।

अधिष्ठाता

जी-15372/51219/2025 गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय, ग्वालियर

कार्यालय मुख्य अभियंता (भोपाल परिक्षेत्र) लोक निर्माण विभाग, भोपाल (म.प्र.)

ई-मेल : cepwdcapital@mp.nic.in, दूरभाष/फैक्स क्रमांक : 0755-2551403

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. 12/सा/01/विविध/ 2019 (वर्ष 2025) भोपाल, दिनांक : 04.07.2025

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	रिमार्क
क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. ग्रामीण मार्ग जीरापुर से सोयत एन.एच. से भगोरा बकानी मार्ग लं. 4.50 कि.मी. का निर्माण।					
2025_PWDRB_418477_1	राजगढ़	मार्ग	प्रथम	515.78	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाना है।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. ग्रामीण मार्ग गुगाहेड़ा बमनगांव लसूड़ी मार्ग लं. 8.00 कि.मी. का निर्माण।					
2025_PWDRB_429126_1	राजगढ़	मार्ग	प्रथम	784.04	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाना है।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. ग्रामीण मार्ग पीपल्याकुल्मी से झरनी मार्ग लं. 3.50 कि.मी. का निर्माण।					
2025_PWDRB_429127_1	राजगढ़	मार्ग	प्रथम	523.63	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाना है।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. ग्रामीण मार्ग रामगढ़ बायपास मार्ग लं. 3.50 कि.मी.।					
2025_PWDRB_429128_1	राजगढ़	मार्ग	प्रथम	652.15	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाना है।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. बरबटपुर से कामतोन कसिया मार्ग लं. 11.00 कि.मी. का मजबूतीकरण।					
2025_PWDRB_429129_1	रायसेन	मार्ग	प्रथम	606.55	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाना है।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. सौटिया परवरिया मार्ग लं. 7.50 कि.मी. का मजबूतीकरण।					
2025_PWDRB_429130_1	रायसेन	मार्ग	प्रथम	565.57	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाना है।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. बेसर जोड़ भोई कॉलोनी बहेड़िया से खामखेड़ा मार्ग लं. 5.80 कि.मी. का निर्माण।					
2025_PWDRB_429131_1	रायसेन	मार्ग	प्रथम	621.61	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाना है।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 8. मण्डीदीप से पढ़ोनिया मार्ग लं. 6.10 कि.मी. का मजबूतीकरण।					
2025_PWDRB_429132_1	रायसेन	मार्ग	प्रथम	537.79	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाना है।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 9. हाथीघाट से पचोर मार्ग का निर्माण लं. 4.50 कि.मी.।					
2025_PWDRB_431504_1	सीहोर (संभाग बुधनी)	मार्ग	प्रथम	504.08	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाना है।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 10. इटावा खुर्द से दोगलापानी मार्ग लं. 4.50 पर सी.सी. मार्ग का निर्माण।					
2025_PWDRB_431505_1	सीहोर (संभाग बुधनी)	मार्ग	प्रथम	768.19	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाना है।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 11. बनियागांव घाट से ग्राम चतरकोटा लं. 4.60 कि.मी. पर सी.सी. मार्ग एवं कल्वर्ट का निर्माण।					
2025_PWDRB_431506_1	सीहोर (संभाग बुधनी)	मार्ग	प्रथम	649.23	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाना है।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 12. दीमावर से अम्बजादीद मार्ग लं. 4.00 कि.मी. पर सी.सी. मार्ग का निर्माण।					
2025_PWDRB_431507_1	सीहोर (संभाग बुधनी)	मार्ग	प्रथम	523.81	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाना है।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 13. ग्राम दीमावर से ग्राम खड़गांव मार्ग लं. 5.00 कि.मी. पर सी.सी. मार्ग का निर्माण।					
2025_PWDRB_431508_1	सीहोर (संभाग बुधनी)	मार्ग	प्रथम	614.72	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाना है।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 14. ग्रुप-टी (1) पालखेड़ी से अमलाहा मार्ग व्हाया जमोनिया हटेसिंह लं. 6.20 कि.मी. का निर्माण। (2) सिद्दीकीगंज से धरमपुरी मार्ग लं. 2.00 कि.मी. का मार्ग निर्माण।					
2025_PWDRB_431509_1	सीहोर	मार्ग	प्रथम	817.26	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाना है।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 15. जावर से कजलास बीसूखेड़ी मार्ग लं. 9.00 कि.मी. का निर्माण।					
2025_PWDRB_431510_1	सीहोर	मार्ग	प्रथम	1636.46	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाना है।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 16. मैना से तिलावड़ मार्ग लं. 6.50 कि.मी. का निर्माण।					
2025_PWDRB_431512_1	सीहोर	मार्ग	प्रथम	1345.63	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाना है।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 17. मुल्ताई पिसाटा बिरूलबाजार मार्ग लं. 7.20 कि.मी., मंडई जोड़ से बोरदेही मुल्ताई मेन रोड लं. 3.50 कि.मी., अम्बाडा से एन.एच. 47 मार्ग लं. 1.60 कि.मी., दुल्हारा से माथनी मार्ग लं. 3.00 कि.मी.।					
2025_PWDRB_434418_1	बैतूल	मार्ग	प्रथम	2133.94	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाना है।
			योग	13800.44	

उपरोक्त वेबसाइट आर्नलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेंडर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 21.07.2025 (17.30)** बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता

जी-15366/51218/2025 लोक निर्माण विभाग, भोपाल परिक्षेत्र भोपाल

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग परिक्षेत्र ग्वालियर (म.प्र.)

दूरभाष : 0751-4008851, Email : apdplugwalior@gmail.com

निविदा सूचना क्रमांक : 06/2025/सा./एपीडी/ ग्वालियर, दिनांक : 04.07.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाइन निविदा क्रमांक	जिला	ठेके की अनु. लागत लाख में	अमानत राशि रु.	निविदा फार्म का मूल्य रु.	कार्य पूर्ण करने के लिये समय
क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. शिवपुरी जिला शिवपुरी में कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग संभाग शिवपुरी में शासकीय कार्य हेतु वाहन किराये पर अनुबंधित कराने हेतु। (प्रथम आमंत्रण)					
2025_PWPIU_435207_1	शिवपुरी	13.80 लाख	40,000/-	5,000/-	12 माह
क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. नरवर जिला शिवपुरी में शासकीय महाविद्यालय में बाउण्ड्रीवॉल, मेनगेट एवं गार्ड रूम का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)					
2025_PWPIU_435098_1	शिवपुरी	77.27 लाख	77,270/-	10,000/-	06 माह
क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. शिवपुरी जिला शिवपुरी में पी.एम. जनमन योजना अंतर्गत शासकीय मॉडल स्कूल में 50 सीटर बालक छात्रावास एवं 50 सीटर बालिका छात्रावास भवन निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)					
2025_PWPIU_435130_1	शिवपुरी	367.76 लाख	3,67,760/-	15,000/-	12 माह
क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग शिवपुरी के अंतर्गत प्रगतिरत कार्यों के बाह्य विद्युतीकरण कार्य (प्रथम आमंत्रण)					
2025_PWPIU 435116_1	शिवपुरी	50.00 लाख	50,000/-	10,000/-	12 माह
क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. बूढ़ाडोंगर ब्लॉक बदरवास जिला शिवपुरी में के.जी.व्ही. 100 सीटर टाइप 3 छात्रावास भवन निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)					
2025_PWPIU_435031_1	शिवपुरी	205.08 लाख	2,05,080/-	15,000/-	12 माह
क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. मंढी बुजुर्ग जिला अशोकनगर में शासकीय हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)					
2025_PWPIU_435201_1	अशोकनगर	118.76 लाख	1,18,760/-	12,500/-	12 माह
क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. तमाशा जिला अशोकनगर में शासकीय हाईस्कूल भवन का निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)					
2025_PWPIU_435210_1	अशोकनगर	118.76 लाख	1,18,760/-	12,500/-	12 माह
क्र. एवं कार्य का नाम :– 8. ईशागढ़ जिला अशोकनगर में नव निर्मित संयुक्त तहसील कार्यालय भवन में गोदरेज इंटीरियर फर्नीचर प्रदाय करने का कार्य (प्रथम आमंत्रण)					
2025_PWPIU_435192_1	अशोकनगर	68.64 लाख	68,645/-	10,000/-	45 दिन
क्र. एवं कार्य का नाम :– 9. अशोकनगर जिला अशोकनगर में नव निर्मित संयुक्त तहसील कार्यालय भवन में गोदरेज इंटीरियर फर्नीचर प्रदाय करने का कार्य (प्रथम आमंत्रण)					
2025_PWPIU_435184_1	अशोकनगर	68.64 लाख	68,645/-	10,000/-	45 दिन
क्र. एवं कार्य का नाम :– 10. श्योपुर जिला श्योपुर में शासकीय महाविद्यालय में बाउण्ड्रीवॉल, मेनगेट एवं गार्डरूम का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)					
2025_PWPIU_435168_1	श्योपुर	122.84 लाख	1,22,840/-	12,500/-	12 माह
क्र. एवं कार्य का नाम :– 11. श्योपुर जिला श्योपुर में रूसा योजना के अंतर्गत मॉडल गर्ल्स डिग्री कॉलेज का बाउण्ड्रीवॉल निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)					
2025_PWPIU_435134_1	श्योपुर	90.00 लाख	90,000/-	10,000/-	12 माह
क्र. एवं कार्य का नाम :– 12. कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग श्योपुर के अंतर्गत 50 लाख से कम की लागत की प्रशासकीय स्वीकृति के कार्य/ठेकेदार द्वारा छोड़े गये कार्य/परफॉरमेंस गांरटी के कार्य (जोनल टेण्डर)। (प्रथम आमंत्रण)					
2025_PWPIU_435079_1	श्योपुर	20.00 लाख	50,000/-	5,000/-	12 माह
क्र. एवं कार्य का नाम :– 13. गौरीहार जिला छतरपुर में 02 सूटेड रेस्ट हाउस भवन का निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)					
2025_PWPIU_435121_1	छतरपुर	108.84 लाख	1,08,849/-	12,500/-	09 माह
क्र. एवं कार्य का नाम :– 14. सतगुवां जिला टीकमगढ़ में शासकीय हाईस्कूल भवन में 03 लैब एवं 04 अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य। (चतुर्थ आमंत्रण)					
2025_PWPIU_435434_1	टीकमगढ़	100.41 लाख	1,00,410/-	12,500/-	09 माह
क्र. एवं कार्य का नाम :– 15. ग्वालियर जिला ग्वालियर में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर पॉलीटेक्निक में आडिटोरियम का अतिरिक्त निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)					
2025_PWPIU_435698_1	ग्वालियर	163.32 लाख	1,63,320/-	12,500/-	12 माह
क्र. एवं कार्य का नाम :– 16. ग्वालियर जिला ग्वालियर में डी.आर.पी. लाइन हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन निर्माण कार्य का शेष बैलेंस वर्क का कार्य। (प्रथम आमंत्रण)					
2025_PWPIU_435750_1	ग्वालियर	110.87 लाख	1,10,870/-	12,500/-	12 माह
क्र. एवं कार्य का नाम :– 17. डबरा जिला ग्वालियर में शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में वर्कशॉप का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)					
2025_PWPIU 435752_1	ग्वालियर	151.10 लाख	1,51,100/-	12,500/-	12 माह

(1) निविदा से संबंधित डॉक्यूमेंट website **https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
(2) निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन पोर्टल पर ऑनलाइन किये जावेंगे, समाचार पत्रों में पृथक से प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
(3) ऑनलाइन निविदा सबमिट करने की **अंतिम दिनांक 19.07.2025**
(4) तकनीकी बिड खोलने का दिनांक 21.07.2025

मुख्य अभियंता (भवन)

जी-15405/51220/2025 लोक निर्माण विभाग परिक्षेत्र ग्वालियर

क्रमांक 2715001/2014/ ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1558

कार्यालय प्रमुख अभियंता

जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ई-मेल : mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in

फोन : 0755-2553402, फैक्स : 0755-2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक - 610/2715001/ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक : 09.07.2025**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर **दिनांक 28.07.2025 को 17:30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1.	2025_WRD_ 415322	सागर नदी जलाशय के मुख्य नहर के आर.डी. 2280 मी. सी.डी. एवं बांयी तट पर अर्थवर्क, आर.डी. 7740 मी. की व्ही.आर.बी. के पेरापेट वार्ल, आर.डी. 75 मी. पर एस्केप मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	सिवनी	2.23
2.	2025_WRD_ 417091	महान परियोजना गुलाब सागर बांध सीधी के 70 एमटी इलेक्ट्रिकल हॉइस्ट क्षमता वाले 06 नग रेडियल गेटों के वर्षाकाल पूर्व वार्षिक मरम्मत एवं रखरखाव (ऑयलिंग एवं ग्रीसिंग) का कार्य।	शहडोल	3.88
3.	2025_WRD_ 417092	बाणसागर परियोजना के मुख्य बाँध में स्थापित 18 नग रेडियल गेटों के कंट्रोल पैनल, 55 टन गेंट्री क्रेन, पावर सप्लाई सिस्टम एवं 160 टन के हॉइस्ट असेंबली का वर्षापूर्व वार्षिक मरम्मत कार्य।	शहडोल	7.91
4.	2025_WRD_ 417095	बाणसागर चिरहुला कालोनी रीवा के शासकीय कार्यालय एवं आवासीय भवन के विद्युतीकरण एवं प्रकाश व्यवस्था का वार्षिक मरम्मत तथा रखरखाव का कार्य।	शहडोल	0.46
5.	2025_WRD_ 418778	हालोन जलाशय की बांयी तट नहर एवं दांयी तट नहरों की बैंक रेसिंग, बांयी तट एवं दांयी तट नहर के माइनर नहरों का सुधार, फिक्सिंग क्षतिग्रस्त पोर्शन में लाइनिंग कार्य।	सिवनी	8.39
6.	2025_WRD_ 422209	खापा जलाशय की दांयी तट नहर बांयी तट नहर के लाइनिंग एवं दांयी तट नहर की आर.डी. क्र. 2970 पर व्ही.आर.बी. का मरम्मत का कार्य।	सिवनी	8.06
7.	2025_WRD_ 422457	बाणसागर मुख्य बांध के बाढ़ नियंत्रण हेतु विभिन्न गेट प्वाइंटों में वायरलेस सेटों के लगाने, मरम्मत एवं रखरखाव तथा वर्षाकाल उपरांत वायरलेस सेटों के निकालने का कार्य।	शहडोल	4.35
8.	2025_WRD_ 433339	चंबल दाहिनी मुख्य नहर के दांयी तट पर आर.डी. 77800 मी. पर सी.डी. लेफ्ट साइड बैंक मिट्टी कार्य, लाइनिंग नहर के तले में मरम्मत कार्य।	श्योपुर	10.65
9.	2025_WRD_ 433340	चंबल दाहिनी मुख्य नहर के दांयी तट पर आर.डी. 45670 से 45700 मी. का प्रोटेक्शन कार्य।	श्योपुर	5.08
10.	2025_WRD_ 433428	चंदौरा बांध के 8 नग रेडियल गेट, स्लूस गेट एवं 2 नग स्कैप गेटों का आइलिंग, ग्रीसिंग एवं रखरखाव कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	नर्मदापुरम्	2.12
11.	2025_WRD_ 433641	मोहनपुरा बांध पर गार्ड रूम का निर्माण कार्य, पावर पैक रूम्स पर प्रोफाइल शीट लगाना एवं अन्य विविध कार्य।	राजगढ़	16.49
12.	2025_WRD_ 433646	मोहनपुरा बांध के बांए पार्श्व पर नालियों का निर्माण कार्य।	राजगढ़	15.25
13.	2025_WRD_ 433650	मोहनपुरा बांध के दांए पार्श्व पर नालियों का निर्माण कार्य।	राजगढ़	16.64
14.	2025_WRD_ 433653	हंडिया शाखा नहर की आर.डी 24240 मी. पर क्षतिग्रस्त नहर का मरम्मत कार्य।	हरदा	8.30
15.	2025_WRD_ 433735	तवा बांयी तट नहर के भिलाड़िया, कहारिया, रजौरा एवं गाजनपुर की माइनर व सबमाइनर में मिट्टी का कार्य।	नर्मदापुरम्	3.30
16.	2025_WRD_ 433736	तवा बांयी तट नहर के दवाड़िया उपनहर पर 07 नं. एच.आर. चैन क्र. 02, 12, 65, 98, 161, 223 एवं 280 के मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम्	14.76
17.	2025_WRD_ 433737	तवा बांयी तट नहर के दवाड़िया उपनहर पर 05 नं. फॉल चैन क्र. 68, 173, 258, 283, एवं 317 के मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम्	6.97
18.	2025_WRD_ 433739	निरखी, मलकाखेडी एवं 25 आर. माइनर के मरम्मत कार्य एवं सर्विस रोड़ का मिट्टी का कार्य।	नर्मदापुरम्	8.12
19.	2025_WRD_ 433740	रायगढ़ उपनहर की मरम्मत एवं जंगल सफाई का कार्य तथा सर्विस रोड़ की मिट्टी का कार्य।	नर्मदापुरम्	10.54
20.	2025_WRD_ 433741	रायगढ़ उपनहर की मलकाखेडी, निरखी एवं 25 आर. माइनर के गाइड वॉल का निर्माण एवं बैंक का मिट्टी का कार्य व जंगल सफाई का कार्य।	नर्मदापुरम्	13.37
21.	2025_WRD_ 433742	नहर संचालन हेतु नहरों की देखरेख के लिये मजदूरों की आवश्यकता।	नर्मदापुरम्	1.73
22.	2025_WRD_ 434283	शाजापुर में 21 नंबर वियर, स्टापडेम एवं बैराज के गेट शटर्स का मरम्मत कार्य। द्वितीय आमंत्रण)	शाजापुर	11.35
23.	2025_WRD_ 434284	सुवागांव एवं रनायरा केलवा तालाब के स्लूस वेल का मरम्मत कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	शाजापुर	3.81
24.	2025_WRD_ 434285	उपसंभाग आगर के 03 नंबर वियर, स्टापडेम एवं बैराज के गेट बंद करना एवं खोलने का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	शाजापुर	1.29
25.	2025_WRD_ 434644	तवा परियोजना की आंखिया उपनहर एवं उपनहर की कलमेशरा माइनर नं. 2 में स्ट्रक्चर्स सुधार कार्य एवं मिट्टी का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	नर्मदापुरम्	3.13
26.	2025_WRD_ 434967	केवलारी जलाशय का सुधार कार्य।	दमोह	5.84
27.	2025_WRD_ 434968	कुसमी जलाशय का सुधार कार्य।	दमोह	8.40
28.	2025_WRD_ 434970	झलोन जलाशय का सुधार कार्य।	दमोह	5.55
29.	2025_WRD_ 435365	नरसिंहगढ़ उपसंभाग के 13 नग बैराजों के गेट लगाने एवं निकालने का कार्य।	राजगढ़	15.22
			कुल योग	**223.19**

जी-15428/51221/2025 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

संचालनालय

विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध-घुमन्तु समुदाय विकास, म.प्र.

विंध्याचल भवन, बी. विंग द्वितीय तल, भोपाल, म.प्र.- 462004

E-Mail:dddirdnt@mp.gov.in, Phone No. : 0755-2990268

विज्ञप्ति

संचालनालय, विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध-घुमन्तु समुदाय विकास, भोपाल में प्रतिनियुक्ति से भरे जाने वाले निम्न पदों पर प्रतिनियुक्ति के इच्छुक राज्य शासन के अंतर्गत विभाग, के अधिकारी/कर्मचारियों से आवेदन पत्र दिनांक 22 जुलाई 2025 तक कार्यालयीन समय में आमंत्रित किये जाते हैं -

क्र.	पदनाम	पद संख्या	वेतनमान
1	उप संचालक	02	15600-39100+6600 ग्रेड पे
2	सहायक सांख्यिकी अधिकारी	01	9300-34800+3600 ग्रेड पे
3	लेखापाल	02	5200-20200+2400 ग्रेड पे
4	निज सचिव	01	5200-20200+2800 ग्रेड पे
5	निज सहायक	02	5200-20200+1900 ग्रेड पे

1. प्रतिनियुक्ति का इच्छुक अधिकारी/कर्मचारी राज्य शासन के किसी भी विभाग में उल्लेखित पद अथवा समकक्ष पद पर कार्यरत हो।
2. संबंधित विभाग में उसके विरुद्ध किसी प्रकार की अनुशासनात्मक/दाण्डिक कार्यवाही प्रचलन में न हो।
3. पिछले पांच वर्ष की गोपनीय चरित्रावली में प्रतिकूल टीप अंकित न हो।
4. प्रतिनियुक्ति पर आये अधिकारी/कर्मचारी को उसके मूल पद पर देय वेतन भत्ते आदि पात्रतानुसार दिये जाएंगे।
5. प्रतिनियुक्ति हेतु संबंधित अधिकारी/कर्मचारी के मूल विभाग द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र दिया जाना आवश्यक होगा।

उपरोक्त पदों पर प्रतिनियुक्ति हेतु इच्छुक अधिकारी/कर्मचारी अपना अग्रिम आवेदन पत्र जिसमें अधिकारी/कर्मचारी का नाम, मूल पद, वेतनमान, जन्मतिथि, पदस्थ कार्यालय का नाम, पता एवं विभाग, विंध्याचल भवन बी. विंग द्वितीय तल, भोपाल को दिनांक 22 जुलाई 2025 तक कार्यालयीन समय में भेज सकते है। आवेदन पत्र की दूसरी प्रति अपने विभागाध्यक्ष को अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने हेतु पृथक से भेजी जाए। उचित होगा कि यथासंभव विभाग के अनापत्ति प्रमाण पत्र के साथ आवेदन पत्र पूर्ण बायोडाटा के साथ निर्धारित पते पर भेजा जाए।

संचालक

जी-15322/51214/2025 **विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध-घुमन्तु,कल्याण विभाग**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन), लोक निर्माण विभाग

तहसील केम्पस संभाग सागर (म.प्र.)

एनआईटी नं.- 17/2025/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सा/एपीडी/ **सागर, दिनांक : 30.06.2025**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षा काल सहित)	कार्यालय का नाम जहां तकनीकी बिड भौतिक रूप से सत्यापित की जावेगी
1	2025_ PWPIU_ 434735_1	शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय सागर में अतिरिक्त भवन निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	सागर	661.39	661387	20000.00	16 माह	मुख्य अभियंता भवन लोक निर्माण विभाग परिक्षेत्र जबलपुर
2	2025_ PWPIU_ 434736_1	संयुक्त अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय भवन बीना जिला सागर में फर्नीचर सप्लाई कार्य (प्रथम आमंत्रण)	सागर	135.70	135700	12500.00	03 माह	मुख्य अभियंता भवन लोक निर्माण विभाग परिक्षेत्र जबलपुर
3	2025_ PWPIU_ 434737_1	संयुक्त तहसील कार्यालय भवन सागर में फर्नीचर सप्लाई कार्य (प्रथम आमंत्रण)	सागर	68.64	68645	10000.00	03 माह	मुख्य अभियंता भवन लोक निर्माण विभाग परिक्षेत्र जबलपुर

- निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
- निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
- निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 02.07.2025 समय 10.30 से दिनांक 16.07.2025 समय 17.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
- निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (भवन)

जी-15316/51212/2025 **लोक निर्माण विभाग, संभाग सागर**

प्रकृति के लिए 'कृतज्ञता' का भाव, भारतीय समाज के संस्कारों में है विद्यमान - मंत्री श्री परमार

भोपाल, प्रकृति के संरक्षण के लिए कृतज्ञता का भाव, भारतीय समाज के संस्कारों में विद्यमान है। हमारे पूर्वजों ने प्राणवायु, जल एवं ऊर्जा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए, समाज में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता रूपी श्रद्धा भाव से परंपराएं स्थापित कीं। हमारे पूर्वज वृक्षों, जल स्रोतों एवं ऊर्जा स्रोतों का महत्व जानते थे। वृक्षारोपण, भारत की महानतम परम्परा 'वसुधैव कुटुंबकम्' को आगे बढ़ाने की पहल है। यह न केवल विश्व बल्कि सम्पूर्ण पृथ्वी को बचाने का प्रण है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने भोपाल स्थित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में, 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से अभिप्रेरित विश्वविद्यालय की संकल्पना '6 हजार पौधों के वृहद वृक्षारोपण अभियान' कार्यक्रम का शुभारंभ कर कही।

श्री परमार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर देशभर में चल रहा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान, भारतीय दृष्टिकोण 'वसुधैव कुटुंबकम्' के प्रकटीकरण का महा-अभियान है।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि कोविड के संकटकाल में, लोगों ने प्राणवायु (ऑक्सीजन) की महत्ता अनुभव की। हमारे पूर्वज प्राणवायु की महत्ता सदियों से जानते थे, उनके द्वारा स्थापित भारतीय ज्ञान परम्परा में विश्व की समस्त पर्यावरण से संबंधित चुनौतियों का समाधान निहित है। श्री परमार ने कहा कि पर्यावरण को लेकर वैश्विक चुनौती के निराकरण के लिए, भारतीय समाज अपने पारंपरिक ज्ञान के आधार पर विश्व भर के लोगों का मार्ग प्रशस्त करेगा और अपने दृष्टिकोण 'वसुधैव कुटुंबकम्' को विश्वमंच पर परिलक्षित भी करेगा।

भारतीय संस्कृति में समरसता एवं ज्ञान की गौरवशाली परंपरा - मुख्यमंत्री

ग्वालियर, भारतीय संस्कृति में समरसता और ज्ञान की हजारों वर्ष पुरानी गौरवशाली परंपरा है। हमारे पूज्य संत रविदास, कबीर तथा भगवान गौतम बुद्ध से लेकर अन्य पुराने ऋषि-मुनियों एवं महापुरुषों ने समरसता की ज्योति जलाई। इसी से हमारे देश में अच्छाई-सच्चाई तथा मानवता के मूल सिद्धांतों की स्थापना हुई। बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने भी सामाजिक समरसता और समता का सिद्धांत दिया। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर में आयोजित 'समरसता सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लम्बे समय तक संगठित एवं आजाद रहने के लिये हमें भेदभाव को दूर रखना जरूरी है। इसीलिए हमारी संस्कृति अमीरी-गरीबी एवं ज्ञान में कोई भेदभाव नहीं करती। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता का उल्लेख करते हुए कहा कि मित्रता का यह उदाहरण पूरे विश्व में अद्वितीय है। डॉ. यादव ने यह भी कहा हम सब देशवासियों के लिये स्वाभिमान की बात है कि भगवान गौतम बुद्ध द्वारा चलाया गया बौद्ध धर्म अब विश्व का एक बड़ा धर्म है। मुख्यमंत्री ने इकबाल रचित गीत की पंक्तियां 'कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी, सदियों रहा है दुश्मन दौर-ए-जमां हमारा' का उल्लेख करते हुए कहा कि सामाजिक समरसता और सद्भाव की बदौलत ही हजारों वर्षों से तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हमारा देश मजबूती के साथ खड़ा है।

डॉ. यादव ने कहा कि हमारी संस्कृति में सदैव से ज्ञान का जाति से कोई संबंध नहीं रहा है। उन्होंने संत कबीर के दोहे 'जाति न पूछो साधु की पूछ लीजिए ज्ञान, मोल करो तलवार का पड़ी रहन दो म्यान' का उदाहरण देते हुए महान संत रविदास, त्रेतायुग के महान ज्ञानी अष्टावक्र जी एवं आदिगुरु शंकराचार्य जी द्वारा काशी में एक साधारण मगर ज्ञानवान व्यक्ति को अपना गुरु बनाने का उल्लेख किया।

आईटीआई भोपाल में एसेम्बली एवं बैसिक ट्रेनिंग लैब का लोकार्पण

भोपाल, कौशल विकास एवं रोज़गार राज्यमंत्री श्री गौतम टेटवाल ने भोपाल स्थित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था आईटीआई में नवीन एसेम्बली लैब एवं बैसिक ट्रेनिंग लैब का लोकार्पण किया। इस अवसर पर श्री टेटवाल ने कहा कि प्रशिक्षण संस्थानों में आधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना 'कौशल भारत, कुशल भारत' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि जब प्रशिक्षार्थियों को तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ कार्यस्थल की संस्कृति, सुरक्षा मानकों और अनुशासन का व्यवहारिक प्रशिक्षण मिलता है, तब वे न केवल रोज़गार योग्य होते हैं, बल्कि स्वावलंबन की ओर भी अग्रसर होते हैं।

श्री टेटवाल ने कहा कि प्रशिक्षण और रोज़गार को जोड़ने की इस पहल के तहत दो अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं तैयार की गई हैं। इनमें एक एसेम्बली लैब जिसमें उद्योग की कार्यप्रणाली का सजीव प्रदर्शन होता है, दूसरी बैसिक ट्रेनिंग लैब जो प्राथमिक तकनीकों, सुरक्षा, दक्षता और कार्य शिष्टाचार पर आधारित प्रशिक्षण देती है।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता को मिल रहे नए आयाम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर आयोजित सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के सहकारिता क्षेत्र को नए आयाम मिल रहे हैं। दुग्ध-उत्पादन, औद्योगिक विकास सहित अन्य क्षेत्रों में हो रहे नए कार्यों में सहकारी समितियों को प्राथमिकता मिलेगी। सहकारिता समाज को एक करने के साथ ही युवाओं को बेरोज़गारी से बचाने का माध्यम है। युवाओं को स्वरोज़गार और स्वावलंबन से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है और वर्ष 2025 को रोज़गार एवं उद्योग वर्ष के रूप में मना रही है। नागरिकों के मूल अधिकार संविधान में उल्लेखित हैं और इसी भावना से व्यक्तियों के आपसी स्वावलंबन और सहभागिता का समावेश सहकारिता में है। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारी दिवस के अवसर पर भोपाल में मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ एवं अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज की ओर से आयोजित सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं।

- **नए कार्यों में सहकारी समितियों को दी जा रही है प्राथमिकता।**
- **युवाओं को स्वावलंबी बनाने का माध्यम हैं सहकारी समितियां।**
- **सहकारिता को लेकर लागू है पारदर्शी व्यवस्था, अब 30 दिन में हो रहा नई समिति का पंजीयन।**
- **महिलाएं समिति बनाकर सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व में चला रही हैं सफारी।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश में सहकारिता का आंदोलन खड़ा करने के लिए गुजरात में अमूल की स्थापना की। हजारों लोगों को दुग्ध-उत्पादन से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने और बेरोज़गारी खत्म करने का कार्य किया। राज्य सरकार भी दुग्ध-उत्पादन बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध है। अभी दुग्ध-उत्पादन में प्रदेश तीसरे स्थान पर है, जो भविष्य में शीर्ष पर पहुंचेगा। इसी उद्देश्य से दुग्ध-उत्पादन में प्रदेश का योगदान 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें सहकारिता क्षेत्र की बड़ी भूमिका होगी।

डॉ. यादव ने युवाओं से संवाद करते हुए उन्हें सहकारिता क्षेत्र से जुड़े मूल मंत्र दिए। उन्होंने कहा कि सहकारिता में आने का एक सूत्र है- जब भी कोई नया काम करें तो आत्मविश्वास मजबूत रखें। युवा जिस भी क्षेत्र में काम करना चाहते हैं, पहले उसका अनुभव लें और यह भी देखें कि सहकारी समिति के माध्यम से इस क्षेत्र में क्या-क्या किया जा सकता है। सहकारी समिति के नेतृत्वकर्ता का दायित्व है कि पहले वह स्वयं पूरी जानकारी रखें और दूसरे साथियों को भी बताएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के जीवन की असली परीक्षा कॉलेज की शिक्षा पूर्ण होने के बाद शुरू होती है। राज्य सरकार सभी क्षेत्रों में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है।

स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए तिथि में की गई वृद्धि

भोपाल, उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2025-26 में, महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए तिथि में वृद्धि की है। माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्नातकोत्तर स्तर सत्र 2025-26 में ऑनलाइन प्रवेश अंतर्गत सीएलसी चरण के लिए अद्यतन समय सारणी जारी की गई है। जारी समय सारणी के अनुसार, सत्र 2025-26 में स्नातकोत्तर कक्षाओं में मेजर माइनर विषयों में एवं मेजर एवं माइनर विषय के अतिरिक्त अन्य विषय में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी ऑनलाइन पंजीयन/आवेदन कर सकेंगे।

सांदीपनि विद्यालयों में कॅरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम होंगे

भोपाल, प्रदेश के सांदीपनि विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को कॅरियर मार्गदर्शन यूनिसेफ के सहयोग से दिया जायेगा। कॅरियर रिफ्रेशर प्रशिक्षण के द्वारा प्रत्येक विद्यालय के एक नोडल शिक्षक को संसाधनों को उपयोग करने के लिये सक्षम बनाया जा रहा है। नोडल शिक्षक के माध्यम से ही विद्यालय में कॅरियर मार्गदर्शन प्रदान करने वाली गतिविधियां संचालित की जायेंगी। कॅरियर मार्गदर्शन के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के आयुक्त लोक शिक्षण कार्यालय ने प्रदेश के समस्त सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्यों को पत्र लिखकर दिशा-निर्देश जारी किये हैं।

नोडल शिक्षक एवं कक्षा शिक्षक की सहायता से सभी विद्यार्थियों से कॅरियर इनफॉर्मेशन डायरी और कॅरियर फोल्डर तैयार कराया जायेगा, जिसमें हर माह की कॅरियर संबंधी जानकारी संधारित कराई जायेगी। कॅरियर गतिविधियों का संचालन राज्य स्तर से जारी कॅरियर कैलेंडर के अनुसार विद्यालयों में नियमित रूप से संचालित कराया जायेगा। विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार कॅरियर नोडल शिक्षक एवं सहयोगी शिक्षकों के माध्यम से कॅरियर मार्गदर्शन सत्रों की योजना बनाकर सुव्यवस्थित संचालन करवाया जाये। कॅरियर गाइडेंस में प्रशिक्षित नोडल शिक्षक के माध्यम से विद्यालय के कक्षा 9 से 12वीं तक अध्यापन कराने वाले अन्य 2 शिक्षकों को भी शाला स्तर पर प्रशिक्षित करके उनका सहयोग लिया जाये।

प्रार्थना सभा में कॅरियर गाइडेंस

विद्यालय में प्रार्थना सभा में कॅरियर गाइडेंस के तहत किसी एक डोमेन से संबंधित एक या दो कॅरियर कार्ड की संक्षिप्त जानकारी सप्ताह में किन्हीं 3 दिनों में साझा की जा सकती है। इस प्रक्रिया से विद्यार्थी कॅरियर के प्रति रुचि लेकर स्वयं कार्ड पढ़कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेगा। निर्देश में कहा गया है कि प्रत्येक सांदीपनि विद्यालय में एक कॅरियर कार्नर बनाया जाये जिसमें कॅरियर संबंधी सामग्री, कॅरियर कार्ड, पोस्टर, ब्रोशर और विद्यार्थी द्वारा बनाई गई सामग्री प्रदर्शित की जाये।

उज्जैन में शीघ्र प्रारंभ होगा आकाशवाणी केंद्र

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन में आकाशवाणी केंद्र प्रारंभ किए जाने की सैद्धांतिक सहमति हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन से भेंट में सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत उज्जैन में शीघ्र आकाशवाणी केंद्र प्रारंभ करवाने का अनुरोध किया। केन्द्रीय राज्य मंत्री डॉ. मुरुगन ने इसकी सहमति एवं आवश्यक प्रक्रिया प्रारंभ करवाने के लिए आश्वस्त किया। आकाशवाणी स्टूडियो का निर्माण होने तक उज्जैन केंद्र के प्रसारण की व्यवस्था आकाशवाणी केन्द्र इंदौर के माध्यम से किए जाने के प्रयास भी किए जाएंगे।

ग्राम सभाओं को मिलेंगे

पेसा मोबिलाइजर की नियुक्ति के अधिकार

भोपाल, राज्य सरकार हर पल वनवासियों के साथ खड़ी है, यह बात पूरी शिद्दत से उन तक पहुंचनी चाहिए। सभी वनवासियों को सरकार की योजनाओं से जोड़ें और उनके जीवन में विकास का प्रकाश लाने की दिशा में काम करें। वनवासियों के कल्याण के लिए हरसंभव प्रबंध किए जाएं। जनजातीय वर्ग के अध्ययनरत एवं रोज़गार कर रहे बच्चों का सामाजिक सम्मेलन बुलाएं। इस सम्मेलन के जरिए सरकार इन बच्चों को उन तक पहुंचने वाले लाभ का फीडबैक भी लेगी और जिन्हें जरूरत है, उन तक सरकार की योजनाएं तथा सुविधाएं भी पहुंचाई जाएंगी। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन में प्रदेश में वन अधिकार अधिनियम और

पेसा एक्ट के क्रियान्वयन के लिए गठित की गई राज्यस्तरीय टास्क फोर्स की शीर्ष समिति तथा इसी विषय के लिए गठित कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने जनजातीय कार्य एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को वनाधिकार के व्यक्तिगत और सामुदायिक दावों का तेजी से निराकरण कर 31 दिसंबर 2025 तक पेंडेंसी जीरो करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पेसा एक्ट यानी पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम, 1996 लागू है। इसमें पेसा मोबिलाइजर्स के जरिए जनजातियों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देकर योजनाओं से लाभान्वित भी कराया जाता है। इन सभी पेसा मोबिलाइजर्स की अपने काम पर उपस्थिति और उच्च कोटि का कार्य प्रदर्शन फील्ड में दिखाई भी देना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पेसा मोबिलाइजर्स को नियुक्त करने और संतोषजनक प्रदर्शन न करने पर इन्हें हटाने के अधिकार सरकार अब ग्राम सभाओं को देने जा रही है। इस निर्णय से एकरूपता आएगी और ग्राम सभाएं पेसा मोबिलाइजर्स से अपने मुताबिक काम भी ले सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार वनवासियों की बेहतरी के लिए संकल्पित है। उनके सभी हितों की रक्षा की जाएगी।

रायसेन जिले में बनेगा रेल कोच विनिर्माण संयंत्र

मुख्यमंत्री ने बताया कि भारत सरकार के उपक्रम बेंगलुरु के बीईएमएल लिमिटेड के अत्याधुनिक रेल कोच विनिर्माण संयंत्र का शिलान्यास प्रदेश के रायसेन जिले में शीघ्र किया जाएगा। इसके लिए लगभग 1800 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। संयंत्र में मध्यप्रदेश सरकार, रेल मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय की भागीदारी रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह से इस संयंत्र के शिलान्यास का अनुरोध किया गया है। केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह को जानकारी दी गई कि मध्यप्रदेश शासन ने रायसेन जिले में इस संयंत्र की स्थापना के लिए लगभग 60 हेक्टयर भूमि का आवंटन कर दिया है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मध्यप्रदेश का ग्वालियर-चंबल क्षेत्र बनेगा विकास का नया केंद्र - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ग्वालियर के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए

- **ग्वालियर में 265.56 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण।**
- **केंद्र सरकार द्वारा आगरा से ग्वालियर तक बनाया जा रहा है सिक्स लेन हाइवे।**

ग्वालियर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के समग्र विकास के लिए संकल्पित है। हम सबके जीवन में उजाला लाने के लिए कटिबद्ध हैं। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र शीघ्र ही राज्य का सबसे विकसित क्षेत्र बनेगा। क्षेत्रीय किसानों से अपील है कि वे अपनी जमीन बेचने की कतई न सोंचे, क्योंकि इस क्षेत्र में शीघ्र ही रोज़गार के नए अवसर और विकास की नई धाराएं बहने वाली हैं। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर के आईएसबीटी परिसर में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन समारोह को संबोधित करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में नदियों को जोड़ने का अभियान चल रहा है। केंद्र सरकार की मदद से यहां पार्वती, कालीसिंध और चंबल नदियों को आपस में जोड़ने की राष्ट्रीय नदी लिंक परियोजना पर करीब 70 हजार करोड़ रुपये की लागत से काम किया जा रहा है।

डॉ. यादव ने कहा कि इस क्षेत्र के बीहड़ों को अब बेहतर तरीके से विकसित किया जा रहा है। यहां के बीहड़ों में जल्द ही केंद्र सरकार के सहयोग से 2 हजार मेगावॉट क्षमता का एक बड़ा सोलर पॉवर प्लांट स्थापित किया जा रहा है। यह मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की संयुक्त परियोजना होगी। इस परियोजना से दोनों ही प्रदेशों को ऊर्जा आपूर्ति होगी। मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश 6-6 माह बराबरी से इस परियोजना से उत्पादित बिजली का उपयोग करेंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि आगरा से ग्वालियर के बीच बन रहे नये सिक्स-लेन नेशनल हाइवे के चलते बड़े-बड़े उद्योगपतियों ने इस क्षेत्र में बड़ा निवेश करने में अपनी रुचि दिखाई है। इससे यहां तेजी से औद्योगिक विकास होगा और इस क्षेत्र का कायाकल्प भी सुनिश्चित होगा।

मुख्यमंत्री ने ग्वालियर के गौरवशाली अतीत का स्मरण करते हुए कहा कि यह भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मभूमि और राजमाता विजयाराजे सिंधिया की कर्मभूमि रही है। प्रदेश की धरती से भारत के विकास का दीपक अटलजी के रूप में प्रज्वलित हुआ था। भारत मानवता के लिए जीता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के स्वर्णिम भविष्य के निर्माण के लिए सरकार ने 94 हजार से अधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए राशि दी है।

प्रदेश के 50 प्रतिशत गांवों को दुग्ध नेटवर्क से जोड़ा जायेगा - मुख्यमंत्री

भोपाल, राज्य सरकार प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाकर किसानों और पशुपालकों की आर्थिक उन्नति के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश के 50 प्रतिशत गांवों को दुग्ध नेटवर्क में लाने की रणनीति पर कार्य किया जा रहा है। नई 381 दुग्ध सहकारी समितियों का गठन कर 9500 दुग्ध उत्पादकों को सहकारी डेयरी प्रणाली से जोड़ा गया है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास में पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा करते हुए कही। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने मध्यप्रदेश के लिए डेयरी विकास योजना को क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक संशोधन कर अधिक लाभकारी बनाने के निर्देश दिए थे। अब राज्य में दुग्ध उत्पादन की 72 प्रतिशत संभावित क्षमता को कवर करने और बाजार पहुंच को 15 प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने दुग्ध संग्रहण बढ़ाने, दुधारू पशुओं की नस्ल सुधार, राष्ट्रीय डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के सहयोग से देशी नस्ल के पशुओं के लिए मॉडल फार्म विकसित करने, सांची ब्रांड की लोकप्रियता बढ़ाने, भोपाल दुग्ध संघ के अंतर्गत हीफर रियरिंग सेंटर की स्थापना, दुग्ध उत्पादक किसानों को खरीदे गए दूध की कीमत का समय पर भुगतान की जानकारी प्राप्त कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश के दुग्ध संघों में न सिर्फ दुग्ध संग्रहण बढ़ रहा है, बल्कि किसानों और दुग्ध उत्पादकों का हित भी सुनिश्चित हो रहा है। दुग्ध संघों में दुग्ध मूल्यों में ढाई रुपये से लेकर छह रुपये तक प्रति लीटर वृद्धि का कार्य किया है। प्रदेश में दो दुग्ध संघों जबलपुर और ग्वालियर में दुग्ध संग्रहण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिये ऑनलाइन आवेदन एवं नामांकन की प्रक्रिया शुरू

भोपाल, मध्यप्रदेश में केन्द्र सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग मंत्रालय नई दिल्ली के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिये आवेदन और नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने समस्त जिला कलेक्टर्स एवं जिला शिक्षा अधिकारी को दिशा-निर्देश जारी किये हैं।

जिलास्तरीय चयन समिति

शिक्षक द्वारा किये गये नामांकन की प्रथम स्तर पर स्क्रूटनी के लिये जिला शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में समिति गठित होगी। समिति में राज्य शासन का प्रतिनिधित्व जिले के डायट प्राचार्य और कलेक्टर द्वारा नामांकित प्रतिष्ठित शिक्षाविद् सदस्य के रूप में करेंगे।

राज्यस्तरीय चयन समिति

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार एवं सम्मान के लिये राज्य स्तर पर भी समिति होगी। सचिव स्कूल शिक्षा विभाग अध्यक्ष होंगे। समिति के अन्य सदस्यों में केन्द्र सरकार के नामांकित प्रतिनिधि, संचालक राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के साथ आयुक्त लोक शिक्षण सदस्य सचिव के रूप में शामिल होंगे। राज्य चयन समिति द्वारा विशेष श्रेणी सहित अधिकतम 6 अनुशंसाएं केन्द्र सरकार के ऑनलाइन पोर्टल पर अग्रेषित की जा सकेंगी।

मध्यप्रदेश देश के सबसे तेज गति से विकास करने वाले राज्यों में शामिल

भोपाल, उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल भोपाल के एक निजी होटल में एमपी तक के विशेष कार्यक्रम 'बैठक' में शामिल हुए। श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2003 में प्रदेश में केवल 5 शासकीय मेडिकल कॉलेज थे। अब इनकी संख्या बढ़कर 17 हो गई है। इस वर्ष दो और मेडिकल कॉलेज शुरू हो रहे हैं और आगामी वर्ष में छह नए कॉलेजों की शुरुआत प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निजी स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में निवेश को भी प्रोत्साहित कर रही है, जिससे चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं दोनों स्तरों पर सशक्त हो सकें। सरकार का लक्ष्य है कि हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण उपचार सुलभ हो और इसके लिए हर संभव संसाधन पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने प्रदेश के विकास, स्वास्थ्य व्यवस्था के सशक्तिकरण, विंध्य क्षेत्र के विकास और अन्य सम-सामयिक विषयों पर विस्तार से संवाद किया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश देश के सबसे तेज गति से विकास करने वाले राज्यों में शुमार है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर समिट, रीजनल कॉन्क्लेव से प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों की संभावनाओं और निवेश के अवसरों को रेखांकित किया जा रहा है। इससे स्वास्थ्य, उद्योग, पर्यटन, शिक्षा, और अधोसंरचना जैसे क्षेत्रों में पूरे प्रदेश में व्यापक और समग्र विकास हो रहा है।

पौधरोपण के लिए नई तकनीक का किया जाएगा उपयोग

- **ऐप के माध्यम से महिला हितग्राहियों का होगा चयन।**
- **15 अगस्त से 'एक बगिया माँ के नाम' अंतर्गत शुरू होगा पौधरोपण।**
- **स्व-सहायता समूह की महिलाओं की निजी भूमि पर विकसित की जाएगी फलोद्यान बगिया।**

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिये प्रदेश सरकार द्वारा महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत 'एक बगिया माँ के नाम' परियोजना शुरू की गई है। इसके अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं की निजी भूमि पर फलों की बगिया विकसित की जाएगी। प्रदेश में ऐसा पहली बार होगा जब अत्याधुनिक तरीके से पौधरोपण का कार्य किया जाएगा। ऐप के माध्यम से हितग्राहियों का चयन किया जाएगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा इस संबंध में निर्देश भी जारी किए गए हैं।

'एक बगिया माँ के नाम' परियोजना का लाभ लेने वाली आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह की महिला का चयन 'एक बगिया माँ के नाम' ऐप से किया जाएगा। मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड के माध्यम से ऐप का निर्माण किया गया है। अन्य किसी माध्यम से हितग्राही का चयन नहीं किया जाएगा। चयनित महिला हितग्राही के नाम पर भूमि नहीं होने की दशा में उस महिला के पति, पिता, ससुर और पुत्र की भूमि पर सहमति के आधार पर पौधरोपण किया जाएगा।

'एक बगिया माँ के नाम' परियोजना अंतर्गत प्रदेश की 30 हजार से अधिक स्व-सहायता समूह की महिलाओं को लाभ मिलेगा। इनकी निजी जमीन पर 30 लाख से अधिक फलदार पौधे लगाएं जाएंगे, जो समूह की महिलाओं की आर्थिक तरक्की का आधार बनेंगे। हितग्राहियों को पौधे, खाद और गड्ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए कटीले तार की फेंसिंग और सिंचाई के लिए 50 हजार लीटर का जल कुंड बनाने के लिए राशि प्रदान की जाएगी।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अधिकारियों का प्रशिक्षण

भोपाल, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारियों को 2-2 दिन का प्रशिक्षण सितंबर माह तक विभिन्न चरणों में दिया जायेगा। प्रथम चरण के बाद दूसरे चरण का प्रशिक्षण 7 और 8 जुलाई को आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासनिक एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में संपन्न हुआ। खाद्य विभाग, मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाइज कॉरपोरेशन एवं मध्यप्रदेश वेयर हाउसिंग एंड लॉजिस्टिक कॉरपोरेशन के जिले एवं मुख्यालय के अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय साइबर और एआई पाठ्यक्रम आरंभ किए जाएं

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय की महापरिषद की बैठक में कहा कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर केंद्रित पाठ्यक्रम आरंभ किए जाएं साथ ही विश्वविद्यालय, मीडिया के क्षेत्र में एडवांस्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट के रूप में अपनी पहचान बनाए। मुख्यमंत्री ने जन-कल्याणकारी योजनाओं के संप्रेषण और उनकी प्रभावशीलता के सर्वेक्षण संबंधी गतिविधियां भी विश्वविद्यालय में आरंभ करने की आवश्यकता बताई।

मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के रीवा और खंडवा परिसरों में रोज़गारपरक पाठ्यक्रम संचालित करने संबंधी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आरंभ करने को स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृति के बाद एम.ए. (जर्नलिज्म एंड क्रिएटिव एंड राइटिंग), एम.ए. (मास कम्युनिकेशन), एम.ए. (एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशंस), एम.एससी. (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) और एम.एसी.ए. के एक वर्षीय पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किए जाएंगे। बैठक में विश्वविद्यालय के पीएच.डी. अधिनियम को यू.जी.सी. पीएच.डी. अधिनियम 2022 के अनुसार अद्यतन कर इस आधार पर पीएच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया आरंभ करने की स्वीकृति भी प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रीवा परिसर के सभागार का नाम लाल बलदेव सिंह सभागार रखने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। महापरिषद ने वित्त विभाग के 14 अगस्त, 2023 के आदेश अनुसार चतुर्थ समयमान उच्चतर वेतनमान को विश्वविद्यालय में लागू करने के प्रस्ताव को स्वीकृत किया।

महापरिषद की बठक में विश्वविद्यालय के नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग विषय का व्यावसायिक प्रशिक्षण देने के लिए प्रिंटिंग प्रेस एवं लैब तथा पैकेजिंग लैब की स्थापना का प्रस्ताव भी स्वीकृत हुआ।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मंत्रिपरिषद के निर्णय

विद्युत वितरण कंपनियों में 49 हजार 263 नवीन नियमित पदों की स्वीकृति

- कैम्पा निधि के अंतर्गत 1038 करोड़ रुपये के उपयोग की स्वीकृति।
- 66 नवीन आंगनवाड़ी केन्द्रों की स्थापना और 134 पदों के सृजन की स्वीकृति।
- कृषकों के सिंचाई जलकर में से ब्याज राशि माफ किए जाने का निर्णय।
- ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द उपार्जन की स्वीकृति।

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रिपरिषद द्वारा तीनों विद्युत वितरण कंपनियों की संगठनात्मक संरचना में सृजित किये जाने वाले 49 हजार 263 नवीन पद सहित कुल 77 हजार 298 पदों की संगठनात्मक संरचना के सृजन की स्वीकृति दी गई। नियमित पदों के सृजन के फलस्वरूप पूर्व स्वीकृत पदों में से 17 हजार 620 अनुपयोगी पद समाप्त किए गए हैं तथा डाइंग कैडर में 5650 पदों पर कार्यरत कार्मिकों के सेवानिवृत्ति और त्यागपत्र आदि के बाद ये पद भी समाप्त किए जायेंगे। कंपनियों द्वारा सीधी भर्ती के लिए पदों की गणना करते समय इन पदों को संज्ञान में रखा जाएगा। विद्युत वितरण कंपनियों में संविदा आधार पर कार्यरत कार्मिक, निर्धारित आयु सीमा के पूर्ण होने अथवा नियमित सीधी भर्ती के पद पर चयनित होने तक कार्य कर सकेंगे।

मंत्रिपरिषद द्वारा प्रतीकात्मक वन रोपण निधि (कैम्पा निधि) के लिए वर्ष 2025-26 की वार्षिक कार्य आयोजना में अनुमोदित कार्यों के क्रियान्वयन के लिए 1478 करोड़ 38 लाख में से 1038 करोड़ रुपये के उपयोग की स्वीकृति दी गयी। इस राशि का 80 प्रतिशत वन एवं वन्यप्राणी प्रबंधन एवं 20 प्रतिशत वन और वन्यजीव संबंधी अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण पर व्यय होगा।

स्वीकृति अनुसार मध्यप्रदेश में विगत वर्षों के कार्यों के रख-रखाव, क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण, लैण्डस्केप के आधार पर बिगड़े वनों का सुधार, नदियों के पुनर्जीवन के लिए उनके जलग्रहण क्षेत्र के वनीकरण, मृदा एवं जल संरक्षण के कार्य, ग्रामीणों की आजीविका के लिए ग्रामों की सीमा से लगे वनक्षेत्रों में बांस प्रजाति सहित वृक्षारोपण, वन्यप्राणी संरक्षित क्षेत्रों के गांवों से स्वैच्छिक विस्थापन, बफर क्षेत्र सहित संरक्षित क्षेत्रों में रहवास का विकास, नगर वनों की स्थापना, वन एवं वन्यप्राणी संबंधी अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण और ग्रामीणों की क्षमता विकास से संबंधित कार्य किये जायेंगे।

आंगनवाड़ी केन्द्रों की स्थापना और 134 पदों के सृजन की स्वीकृति

मंत्रिपरिषद द्वारा सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 योजना में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत 66 नवीन आंगनवाड़ी केन्द्रों की स्थापना, संचालन तथा भवन निर्माण की स्वीकृति दी गयी। स्वीकृति अनुसार 66 आंगनवाड़ी केन्द्रों के संचालन के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के 66 पद (मानसेवी), आंगनवाड़ी सहायिका के 66 पद (मानसेवी) तथा आंगनवाड़ी केन्द्रों के पर्यवेक्षण के लिए पर्यवेक्षक के 02 पद नियमित शासकीय सेवक पद वेतनमान 25,300-80,500 के सृजन की स्वीकृति दी गयी।

मंत्रिपरिषद द्वारा भोपाल स्थित लेक व्यू रेसीडेंसी होटल को डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन, हस्तांतरण के आधार पर जन-निजी भागीदारी के अंतर्गत होटल का विकास, संचालन एवं रखरखाव और प्रबंधन के लिए निजी निवेशक के पक्ष में मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (MPSTDC)/मध्यप्रदेश होटल कार्पोरेशन लिमिटेड (MPHCL) द्वारा निष्पादित की जाने वाली लीज पर भारित पंजीयन व मुद्रांक शुल्क की प्रतिपूर्ति पर्यटन विभाग के विभागीय बजट से निजी निवेशक को किए जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

मंत्रिपरिषद द्वारा भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत रबी विपणन वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द उपार्जन के लिए निःशुल्क शासकीय प्रत्याभूति एवं रबी विपणन वर्ष 2024-25 में लक्ष्य से अधिक उपार्जित ग्रीष्म मूंग की स्वीकृति प्रदाय की गई है। साथ ही ग्रीष्मकालीन वर्ष 2024-25 (विपणन वर्ष 2025-26) में मूंग एवं उड़द का पंजीकृत कृषकों से उपार्जन, राज्य उपार्जन एजेंसी मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित द्वारा किए जाने का निर्णय लिया गया है।

मंत्रिपरिषद द्वारा संचालनालय, स्थानीय निधि संपरीक्षा के अन्तर्गत 3 नवीन राजस्व संभागों नर्मदापुरम, चम्बल एवं शहडोल में क्षेत्रीय कार्यालय स्थानीय निधि संपरीक्षा खोलने एवं चार नवगठित जिलों निवाड़ी, मैहर, मऊगंज एवं पांढुर्णा के लिये सम्मिलित रूप से कुल 7 सहायक संचालक के पद के निर्माण की स्वीकृति दी है।

मंत्रिपरिषद द्वारा एमपीपीएमसीएल द्वारा प्रदेश में दीर्घकालीन ताप विद्युत क्रय हेतु जारी निविदा में इंगित विद्युत विकासकों अथवा उनकी पश्चातवर्ती कंपनी के साथ पूर्व में मात्र वेरियेबल दर पर (5 या 10 प्रतिशत) विद्युत के क्रय के लिए निष्पादित विद्युत क्रय अनुबंध को समाप्त किये जाने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक सम्पन्न हुई

कृषकों की ब्याज राशि माफ किए जाने का निर्णय

मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदेश के समस्त कृषकों की सिंचाई जलकर की राशि में से ब्याज राशि (शास्ति दण्ड) माफ किए जाने का निर्णय लिया है। निर्णय अनुसार यदि कृषक 31 मार्च, 2025 तक की कुल बकाया राशि (सिंचाई जलकर) की मूल राशि 31 मार्च, 2026 तक एक साथ जमा करते हैं तो ब्याज की राशि माफ कर दी जायेगी। इस तरह लगभग 84 करोड़ 17 लाख रुपये की ब्याज राशि शासन द्वारा माफ कर दी जायेगी। 31 मार्च 2025 तक की स्थिति में कृषकों पर सिंचाई जलकर की अवशेष राशि 647 करोड़ 67 लाख रुपये बकाया है, जिसमें मूल राशि 563 करोड़ 29 लाख रुपये एवं ब्याज राशि 84 करोड़ 17 लाख रुपये है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

फैक्ट फाइल

जैव विविधता के संरक्षण के साथ ही बढ़ रहा है प्रदेश का पर्यटन उद्योग

मध्यप्रदेश में सह-अस्तित्व के साथ वन्य जीवों का संरक्षण - संवर्धन

भारतीय जीवन शैली सह-अस्तित्व के साथ रहने की जीवन शैली है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश में 'जियो और जीने दो' के भाव के साथ सह-अस्तित्व आधारित ईको-सिस्टम विकसित किया जा रहा है। जिससे जैव विविधता का संरक्षण हो रहा है तथा पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है।

इस तरह मध्यप्रदेश वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में देश में अग्रणी मॉडल के रूप में उभर रहा है। प्रदेश में जैव विविधता, पर्यटन, वन्यजीव संरक्षण और जनजातीय आजीविका का संतुलित तथा वन्य-जीवों के साथ सह-अस्तित्व का ईको सिस्टम विकसित हो रहा है।

वन्य जीवन संरक्षण में नवाचार

प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण की दिशा में कई नवाचार किए जा रहे हैं। इनमें वन्यजीव अभयारण्यों के संरक्षण और प्रबंधन में उच्च तकनीक का प्रयोग, गुजरात के 'वनतारा' से प्रेरित रेस्क्यू सेंटर, दुर्लभ जीवों जैसे चीते, घड़ियाल एवं कछुओं के एक अभयारण्य से दूसरे में पुनर्स्थापन और संरक्षित क्षेत्रों की फेंसिंग शामिल है।

वन्यजीव संरक्षण के लिए की गई पहल

मध्यप्रदेश में बाघों की संख्या निरंतर बढ़ रही है, जिससे प्रदेश की छवि 'टाइगर स्टेट' के रूप में और मजबूत हो रही है। प्रदेश में अब 9 टाइगर रिज़र्व हो गये हैं। बाघ संरक्षण के साथ-साथ ये रिज़र्व पर्यटन उद्योग को बढ़ावा दे रहे हैं, साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बना रहे हैं। टाइगर रिज़र्व के बफर क्षेत्रों में पर्यटकों के लिए 'बफर-सफर' योजना के अंतर्गत अनेक नई गतिविधियां प्रारंभ की गई हैं। पर्यटक प्राकृतिक स्थलों, वन और वन्य-प्राणी दर्शन के साथ ईको-पर्यटन गतिविधियों का आनंद ले रहे हैं। इससे प्रदेश में पर्यटन को नया आयाम मिलेगा। प्रदेश में आधुनिक चिड़ियाघर और रेस्क्यू सेंटर्स विकसित किये जा रहे हैं। उज्जैन और जबलपुर में उन्नत सुविधाओं से युक्त नये चिड़ियाघर और रेस्क्यू सेंटर शीघ्र ही स्थापित किए जा रहे हैं। ओंकारेश्वर, ताप्ती और बालाघाट के सोनेवानी क्षेत्र में नए कंजर्वेशन रिजर्व बनाए जा रहे हैं, जो वन्यजीव आवासों की रक्षा करेंगे।

मुख्य बिन्दु

- मध्यप्रदेश में वन्यजीवन संरक्षण के लिए वनतारा की तरह नवाचार।
- वन्यजीव अभयारण्यों के संरक्षण और प्रबंधन में उच्च तकनीक का प्रयोग।
- प्रदेश में वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने की प्रक्रिया जारी।
- प्रदेश के घने वन और वन्यजीव पर्यटन बढ़ाने में होंगे सहयोगी।
- जैव विविधता को बढ़ाने के लिए कई स्थान जैव-विविधता विरासत घोषित।
- प्रदेश में 15 हजार से अधिक वन समितियां गठित।
- वन्य जीव रेस्क्यू सेंटर का विकास।

वनवासियों के अधिकारों का सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कहना है कि टाइगर रिज़र्व की घोषणा से जनजातीय समुदायों और वनवासियों के अधिकारों को प्रभावित नहीं होने दिया जायेगा और उनका पूर्ण सम्मान किया जाएगा। सह-अस्तित्व के लिए सह-प्रबंधन की नीति अपनाई जाएगी और जहां आवश्यक होगा वहां पुनर्वास की समुचित व्यवस्था की जाएगी।

चीतों का प्रदेश के अभयारण्यों में विस्तार

अफ्रीका से लाए चीतों की कूनो में सफल पुनर्स्थापना के बाद इन को प्रदेश एवं देश के दूसरे अभयारण्यों में बसाने की प्रक्रिया भी प्रारंभ हो चुकी है। प्रदेश के बुंदेलखंड वन क्षेत्रों में फैले हुए वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिज़र्व में चीता पुनर्स्थापन की तैयारियां चल रही हैं, जिससे जैव विविधता में वृद्धि होगी।

जलीय वन्यजीवों का संरक्षण-संवर्धन

जलीय जीव संरक्षण के रूप में नर्मदा में महाशीर मछली जैसे जलजीवों के लिए प्रजनन केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। चंबल नदी में कछुए, मगरमच्छ एवं घड़ियाल तथा गंगा डॉल्फिन के संरक्षण के लिए केंद्र पहले से ही स्थापित हैं। इनमें जलीय जीवों की संख्या बढ़ रही है और इन्हें देश भर में भेजा जा रहा है।

हाथियों की सुरक्षा

प्रदेश सरकार द्वारा हाथियों की सुरक्षा और अनुश्रवण के लिए वर्ष 2023-24 और 2024-25 में 1 करोड़ 52 लाख 54 हजार रुपये खर्च किए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 20 करोड़ रुपये और 2026-27 के लिए 25 करोड़ 59 लाख 15 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है। इस तरह वर्ष 2023-24 से 2026-27 तक योजना का कुल आकार 47 करोड़ 11 लाख 69 हजार रुपये रहेगा। हाथियों के आवागमन की मॉनिटरिंग के लिए कॉलर आईडी लगाये जा रहे हैं।

- शशांक मणि पांडे

(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

त्रिनिदाद और टोबैगो के सर्वोच्च सम्मान से हुए सम्मानित

त्रिनिदाद और टोबैगो के दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कंगालू ने देश के सर्वोच्च पुरस्कार 'द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद और टोबैगो' से सम्मानित किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी त्रिनिदाद और टोबैगो के 'ऑर्डर ऑफ द ऑर्डर' से सम्मानित होने वाले पहले विदेशी नेता बन गए हैं। यह किसी देश द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को दिया जाने वाला 25वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मान है। इससे पहले श्री मोदी को घाना ने भी सर्वोच्च अवॉर्ड से सम्मानित किया था। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि हमारे रिश्तों में क्रिकेट का रोमांच और मसाले की तीखी खुशबू है। दोनों देशों की संस्कृतियों में गहरी समानता हमारी ताकत है। हम त्रिनिदाद और टोबैगो के लोगों के स्किल डेवलपमेंट पर जोर दे रहे हैं।

जीनेट जारा

चिली में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनीं

चिली में नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। देश में वामपंथी पार्टियों की ओर से हुए प्राथमिक चुनाव में कम्युनिस्ट नेता जीनेट जारा ने चौंकाने वाली जीत दर्ज की है। जारा ने अपनी मुख्य प्रतिद्वंद्वी कैरोलिना टोहा को आसानी से हरा दिया। इस जीत के साथ ही जारा अब मौजूदा सरकार की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार होंगी। 51 वर्षीय जीनेट जारा चिली के कम्युनिस्ट पार्टी की सदस्य हैं और राष्ट्रपति गैब्रिएल बोरिक की सरकार में श्रम मंत्री रह चुकी हैं। उन्होंने 60.5 प्रतिशत वोट हासिल कर अपने प्रतिद्वंद्वी टोहा को पीछे छोड़ दिया, जिन्हें महज 27.7 प्रतिशत वोट मिले। इस जीत के बाद जारा ने कहा कि आज से हम एक नए रास्ते पर चलेंगे, जिसका मकसद चिली को ज्यादा न्यायसंगत और लोकतांत्रिक बनाना है।

राजीव शर्मा

राजस्थान के पुलिस महानिदेशक नियुक्त

राजस्थान पुलिस को अपना नया मुखिया मिल गया है। वर्ष 1990 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी राजीव शर्मा को राज्य का पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया गया है। उन्होंने कार्यवाहक डीजीपी संजय अग्रवाल की जगह ली। राजस्थान में डीजीपी के चयन के लिए केंद्रीय लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सात वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के नामों का पैनल तैयार किया था। इस पैनल में से तीन नामों की अंतिम सूची राजस्थान सरकार को भेजी गई, जिसमें राजीव शर्मा का नाम सबसे ऊपर था। राजीव शर्मा इससे पहले नई दिल्ली में ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट के डायरेक्टर जनरल पद पर कार्यरत थे। नए डीजीपी राजीव शर्मा को पुलिस सेवा में 30 वर्षों से भी अधिक का अनुभव है।

राजेश कुमार मीणा

महाराष्ट्र के मुख्य सचिव नियुक्त

महाराष्ट्र सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) राजेश कुमार मीणा को राज्य का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया। उन्होंने मुख्य सचिव सुजाता सौनिक का स्थान लिया है, वे अपने पद से सेवानिवृत्त हो गईं। सामान्य प्रशासन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव (सेवाएं) वी राधा द्वारा जारी आदेश के अनुसार, वह अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) के पद पर बने रहेंगे। राजेश कुमार मीणा वर्ष 1988 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। वह बीड जिला परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और धाराशिव एवं जलगांव जिलों के जिलाधिकारी के रूप में कार्य कर चुके हैं।

दीपिका पादुकोण

हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम में शामिल होने वाली पहली भारतीय

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने एक बार फिर भारत का नाम रोशन किया है। दीपिका को हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम 2026 की लिस्ट में शामिल किया गया है। यह सम्मान पाने वाली दीपिका पहली भारतीय अभिनेत्री बन गई हैं। हॉलीवुड चैंबर ऑफ कॉमर्स ने उन्हें मोशन पिक्चर्स की श्रेणी में यह विशेष स्थान देने का फैसला किया है। इस लिस्ट में टिमोथी चालमेट, डेमी मूर, रामी मालेक और रेचल मैकएडम्स जैसे कई अंतर्राष्ट्रीय सितारे भी शामिल हैं।

आमिर खान

मेलबर्न फिल्म महोत्सव में मुख्य अतिथि होंगे

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) ने फिल्म महोत्सव के 16वें संस्करण के लिए अभिनेता आमिर खान के मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने की घोषणा की है। इस वर्ष 14 से 24 अगस्त तक आयोजित होने वाले इस महोत्सव में भारतीय सिनेमा में आमिर के असाधारण योगदान के लिए एक विशेष कार्यक्रम शामिल होगा। फिल्म महोत्सव में आमिर खान के कलात्मक प्रभाव को सम्मानित किया जाएगा। आमिर ने कहा कि मैं 'इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न' का हिस्सा बनकर बहुत खुश और रोमांचित हूं। यह एक ऐसा महोत्सव है जो वास्तव में भारतीय सिनेमा की विविधता और समृद्धि की भावना को सम्मानित करता है।

फुमथम वेचायाचाई

थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने

थाईलैंड की राजनीति में उथल-पुथल जारी है। देश में 48 घंटे के अंदर दूसरा कार्यवाहक प्रधानमंत्री मिला है। मौजूदा गृहमंत्री फुमथम वेचायाचाई को देश का नया कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है। उन्होंने सूर्या जुंगरुंगरेंगकिट की जगह ली, जिन्होंने महज 24 घंटे के भीतर अपना कार्यकाल समाप्त किया। थाई सरकार ने नए कैबिनेट सदस्यों के शपथ ग्रहण के बाद जारी किए गए बयान में कहा है कि फुमथाम के पास प्रधानमंत्री के समान ही अधिकार और जिम्मेदारियां होंगी। फुमथाम को पहले कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में सूचीबद्ध किया गया। उल्लेखनीय है कि थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने नैतिकता के उल्लंघन के एक मामले में प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावात्रा को उनके पद से निलंबित कर दिया था।

रेलवन

रेलवे ने यात्रियों के लिए लॉन्च किया सुपर ऐप

भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को और बेहतर बनाने के लिए 'रेलवन' सुपर ऐप लॉन्च किया है। यह ऐप रेलवे की सभी डिजिटल सेवाओं को एक ही मंच पर लाने के लिए डिजाइन किया गया है। इस ऐप को सेंटर फॉर रेलवे इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स और आईआरसीटीसी ने विकसित किया है। यह ऐप रेल यात्रियों के लिए टिकट बुकिंग, ट्रेन ट्रैकिंग, खाना ऑर्डर करने, शिकायत निवारण और अन्य सेवाओं को एकीकृत करता है। यह ऐप न केवल तकनीकी रूप से दक्ष लोगों, बल्कि आम आदमी के लिए भी उपयोग में आसान है। रेलवन एक ऑल इन वन मोबाइल ऐप्लिकेशन है, जो भारतीय रेलवे की विभिन्न सेवाओं को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रदान करता है।

ब्रिटेन की

रॉयल ट्रेन सर्विस जल्द होगी बंद

ब्रिटेन की 'रॉयल ट्रेन' की जल्द ही अंतिम बार स्टेशन से रवाना होने की घोषणा होगी। ब्रिटेन के शाही निवास बकिंघम पैलेस की ओर से कहा गया है कि महाराजा चार्ल्स तृतीय ने स्वीकार किया है कि महारानी विक्टोरिया के समय से चल रही इस ट्रेन को बंद करने का समय आ गया है। 'रॉयल ट्रेन' के परिचालन की लागत बहुत अधिक है। 'रॉयल ट्रेन' को किसी भी व्यावसायिक इंजन से जोड़ा जा सकता है। वर्ष 2027 में इसके रखरखाव संबंधी मौजूदा अनुबंध खत्म होने से पहले इसकी सेवा को बंद कर दिया जाएगा। 'रॉयल ट्रेन' को महारानी विक्टोरिया ने वर्ष 1869 में अपनी यात्राओं के लिए शुरू किया था।

दुबई में

हवाई टैक्सी की पहली परीक्षण उड़ान सफल

दुबई ने पहली बार इलेक्ट्रिक हवाई टैक्सी का टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा किया है, इस हवाई टैक्सी को जॉबी एविएशन ने बनाया है। यह हवाई टैक्सी पूरी तरह से इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग विमान है, जो अगली पीढ़ी के शहरी परिवहन को शुरू करने के अपने प्रयासों में बड़ा कदम है। दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने इस संबंध में जानकारी साझा की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि दुबई ने जॉबी एरियल टैक्सी की टेस्ट फ्लाइट सफलतापूर्वक पूरी कर ली है।

आईएनएस उदयगिरि

भारतीय नौसेना में शामिल हुआ स्टील्थ युद्धपोत

स्वदेशी तकनीक से निर्मित स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस उदयगिरि भारतीय नौसेना में शामिल हो गया है। यह युद्धपोत न केवल आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि यह भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन किया गया 100वां जहाज भी है, जिसे मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, मुंबई में बनाया गया है। आईएनएस उदयगिरि प्रोजेक्ट 17A के तहत बनने वाला दूसरा स्टील्थ फ्रिगेट है। यह उसी श्रृंखला का हिस्सा है, जो पहले से भारतीय नौसेना में सेवा दे रही शिवालिक क्लास का उन्नत संस्करण मानी जाती है। यह बहुउद्देशीय युद्धपोत सतह, वायु और पनडुब्बी से आने वाले खतरों से मुकाबला करने में सक्षम है।

अनिल मेनन

वर्ष 2026 में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाएंगे

भारतीय मूल के अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन अब अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाएंगे। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अनिल मेनन का नाम अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन जाने वाले क्रू में तय किया है। अनिल मेनन एक फ्लाइट इंजीनियर हैं और वे एक्सपीडिशन 75 क्रू के सदस्य होंगे। नासा ने आधिकारिक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है। नासा ने कहा कि मेनन रोस्कोमोस सोयूज एमएस-29 अंतरिक्षयान में सवार होकर जून 2026 में अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन के लिए रवाना होंगे। अनिल मेनन के साथ आईएसएस जाने वाले अन्य अंतरिक्ष यात्री योत्र डुबरोव और एना किकिना होंगे।

डॉ. जेनिफर गेलिंग्स सिमंस

सूरीनाम की पहली महिला राष्ट्रपति बनेंगी

दक्षिण अमेरिकी देश सूरीनाम में पहली बार महिला राष्ट्रपति बनी हैं। सूरीनाम की संसद ने डॉ. जेनिफर गेलिंग्स-सिमंस को देश की पहली महिला राष्ट्रपति के रूप में चुना है। नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी का नेतृत्व करने वाली जेनिफर 16 जुलाई को राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगी। सूरीनाम की नेशनल असेंबली दो तिहाई मतों से राष्ट्रपति का चुनाव करती है। जेनिफर की पार्टी ने मई में हुए चुनाव के बाद देश के मौजूदा नेता को हटाने के उद्देश्य से एक गठबंधन बनाया था, जिसमें कोई स्पष्ट विजेता नहीं था। उल्लेखनीय है कि सूरीनाम छह लाख से अधिक जनसंख्या वाला एक डच भाषी देश है।

स्मृति शेष

पूर्व रक्षा सचिव डॉ. शेखर दत्त का निधन

देश के पूर्व रक्षा सचिव और छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्यपाल डॉ. शेखर दत्त का निधन हो गया है। रक्षा मंत्रालय ने उनके निधन के बारे में जानकारी दी और राष्ट्र के लिए उनके योगदान को याद किया। डॉ. शेखर दत्त ने अपने लंबे कॅरियर के दौरान उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में भी काम किया था। वह मध्यप्रदेश कैडर के वर्ष 1969 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी थे। रक्षा मंत्रालय ने एक शोक संदेश जारी करते हुए कहा कि एक सैनिक, राजनेता और प्रशासक के रूप में उनकी विशिष्ट यात्रा ने भारत के रक्षा और शासन परिदृश्य को गहराई से आकार दिया है।

पुर्तगाल के फुटबॉलर डिओगो जोटा की कार हादसे में मृत्यु

पुर्तगाल के अनुभवी फुटबॉलर डिओगो जोटा का कार दुर्घटना में निधन हो गया। वह 28 वर्ष के थे। जोटा इंग्लिश क्लब लिवरपूल के लिए भी खेलते थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक पुर्तगाली सीमा के पास जमोरा प्रांत में उनकी कार का एक्सीडेंट हो गया। डिओगो जोटा खुद अपनी कार चला रहे थे। खबरों के अनुसार उनकी कार का टायर फट गया और उनकी कार पलट गई, फिर आग लग गई। कार हादसे के दौरान जोटा के साथ उनके छोटे भाई आंद्रे सिल्वा (26 वर्ष) भी गाड़ी में थे और उनकी भी मृत्यु हो गई है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राजधानी संभाग क्रमांक-2
लोक निर्माण विभाग, ई-5, अरेरा कॉलोनी, भोपाल
दूरभाष - 0755-2465467

क्रमांक 06/व.ले.लि./सी. 2/2025-26 भोपाल, दिनांक : 07.07.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पंजीयन के तहत पंजीकृत निविदाकारों से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है :-

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. विन्ध्याचल भवन, भोपाल में एबी विंग के बाहरी सतह का भूतल से सातवीं मंजिल तक फंक्शनल ड्यूरबिलिटी एवं एस्थेटिक अपील को देखते हुए विभिन्न अनुरक्षण, ए/आर, एस/आर, पुताई डाम्प प्रूफ, रस्टिक एक्स्टीरियर पेन्ट आदि कार्य।

एन.आई.टी. क्र.	सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य की अनु. लागत (रु. लाखों में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	भौतिक रूप से एनवलप प्रस्तुत करने का कार्यालय
11/SAC dt. 07.07.2025	2025_CPA_ 435374_1	रु. 50.00 लाख (रु. पचास लाख)	रु. 50,000/-	रु. 5,000/-	केवल ऑनलाइन प्रस्तुत करना है

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. विन्ध्याचल भवन, भोपाल में सीडी विंग के बाहरी सतह का भूतल से सातवीं मंजिल तक फंक्शनल ड्यूरबिलिटी एवं एस्थेटिक अपील को देखते हुए विभिन्न अनुरक्षण, ए/आर, एस/आर, पुताई डाम्प प्रूफ, रस्टिक एक्स्टीरियर पेन्ट आदि कार्य।

12/SAC dt. 07.07.2025	2025_CPA_ 435376_1	रु. 50.00 लाख (रु. पचास लाख)	रु. 50,000/-	रु. 5,000/-	केवल ऑनलाइन प्रस्तुत करना है

क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. सतपुड़ा भवन, भोपाल में एबी विंग के बाहरी सतह का भूतल सातवीं मंजिल तक फंक्शनल ड्यूरबिलिटी एवं एस्थेटिक अपील को देखते हुए विभिन्न अनुरक्षण, ए/आर, एस/आर, पुताई डाम्प प्रूफ, रस्टिक एक्स्टीरियर पेन्ट आदि कार्य।

13/SAC dt. 07.07.2025	2025_CPA_ 435377_1	रु. 50.00 लाख (रु. पचास लाख)	रु. 50,000/-	रु. 5,000/-	केवल ऑनलाइन प्रस्तुत करना है

क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. सतपुड़ा भवन, भोपाल में सीडी विंग के बाहरी सतह का भूतल से सातवीं मंजिल तक फंक्शनल ड्यूरबिलिटी एवं एस्थेटिक अपील को देखते हुए विभिन्न अनुरक्षण, ए/आर, एस/आर, पुताई डाम्प प्रूफ, रस्टिक एक्स्टीरियर पेन्ट आदि कार्य।

14/SAC dt. 07.07.2025	2025_CPA_ 435378_1	रु. 50.00 लाख (रु. पचास लाख)	रु. 50,000/-	रु. 5,000/-	केवल ऑनलाइन प्रस्तुत करना है

क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. विन्ध्याचल भवन, भोपाल में एबी विंग में वार्षिक मरम्मत, विशेष मरम्मत, डक्ट के सीपेज सुधार कार्य, पी.व्ही.सी. एवं जी.आई. पाइप का मरम्मत, मेनहोल का मरम्मत, वाटर प्रूफिंग एवं टीएमटी बार का एन्टी कोरोसीव ट्रीटमेन्ट, तथा सभी तलों में डक्ट हेतु सर्विस ओपनिंग का कार्य।

15/SAC dt. 07.07.2025	2025_CPA_ 435379_1	रु. 50.00 लाख (रु. पचास लाख)	रु. 50,000/-	रु. 5,000/-	केवल ऑनलाइन प्रस्तुत करना है

क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. विन्ध्याचल भवन, भोपाल में सीडी विंग में वार्षिक मरम्मत, विशेष मरम्मत, डक्ट के सीपेज सुधार कार्य, पी.व्ही.सी. एवं जी.आई. पाइप का मरम्मत, मेनहोल का मरम्मत, वाटर प्रूफिंग एवं टीएमटी बार का एन्टी कोरोसीव ट्रीटमेन्ट, तथा सभी तलों में डक्ट हेतु सर्विस ओपनिंग का कार्य।

16/SAC dt. 07.07.2025	2025_CPA_ 435380_1	रु. 50.00 लाख (रु. पचास लाख)	रु. 50,000/-	रु. 5,000/-	केवल ऑनलाइन प्रस्तुत करना है

क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. सतपुड़ा भवन, भोपाल में एबी विंग में वार्षिक मरम्मत, विशेष मरम्मत, डक्ट के सीपेज सुधार कार्य, पी.व्ही.सी. एवं जी.आई. पाइप का मरम्मत, मेनहोल का मरम्मत, वाटर प्रूफिंग एवं टीएमटी. बार का एन्टी कोरोसीव ट्रीटमेन्ट, तथा सभी तलों में डक्ट हेतु सर्विस ओपनिंग का कार्य।

17/SAC dt. 07.07.2025	2025_CPA_ 435382_1	रु. 50.00 लाख (रु. पचास लाख)	रु. 50,000/-	रु. 5,000/-	केवल ऑनलाइन प्रस्तुत करना है

क्र. एवं कार्य का नाम :– 8. सतपुड़ा भवन, भोपाल में सीडी विंग में वार्षिक मरम्मत, विशेष मरम्मत, डक्ट के सीपेज सुधार कार्य, पी.व्ही.सी. एवं जी.आई. पाइप का मरम्मत, मेनहोल का मरम्मत, वाटर प्रूफिंग एवं टीएमटी. बार का एन्टी कोरोसीव ट्रीटमेन्ट तथा सभी तलों में डक्ट हेतु सर्विस ओपनिंग का कार्य।

18/SAC dt. 07.07.2025	2025_CPA_ 435383_1	रु. 50.00 लाख (रु. पचास लाख)	रु. 50,000/-	रु. 5,000/-	केवल ऑनलाइन प्रस्तुत करना है

क्र. एवं कार्य का नाम :– 9. दानिश ब्रिज से इन्डस स्क्वायर होते हुए अपोलो सेज हॉस्पिटल तक मार्ग में सेन्ट्रलवर्ज को ऊंचा करने, फुटपाथ का पेन्टिंग, क्रश बैरियर एवं अन्य कार्य।

19/SAC dt. 07.07.2025	2025_CPA_ 435384_1	रु. 24.80 लाख (रु. चौबीस लाख अस्सी हजार)	रु. 50,000/-	रु. 5,000/-	केवल ऑनलाइन प्रस्तुत करना है

क्र. एवं कार्य का नाम :– 10. गांधी नगर एयरपोर्ट एवं सेन्ट्रल जेल से द्वारकाधाम होते हुए बायपास को जोड़ने वाली मार्ग में चौराहे का विकास एवं पेव्ड शोल्डर एवं अन्य कार्य।

20/SAC dt. 07.07.2025	2025_CPA_ 435385_1	रु. 22.00 लाख (रु. बाईस लाख)	रु. 44,000/-	रु. 5,000/-	केवल ऑनलाइन प्रस्तुत करना है

क्र. एवं कार्य का नाम :– 11. डी.आर.एम. ऑफिस से एम.जी.एम. स्कूल तक मार्ग में चौराहे का विकास, वाटर डक्ट एवं सेन्ट्रल वर्ज को ऊंचा करने का कार्य।

21/SAC dt. 07.07.2025	2025_CPA_ 435581_1	रु. 22.40 लाख (रु. बाईस लाख चालीस हजार)	रु. 44,800/-	रु. 5,000/-	केवल ऑनलाइन प्रस्तुत करना है

क्र. एवं कार्य का नाम :– 12. अल्कापुरी वेस्ट से डी.आर.एम. होते हुए शक्ति नगर को जोड़ने वाली मार्ग में सेन्ट्रल वर्ज का मजबूतीकरण, कैच वाटर ड्रेन, हार्ड पेवर शोल्डर एवं चौराहे का विकास कार्य।

22/SAC dt. 07.07.2025	2025_CPA_ 435583_1	रु. 21.80 लाख (रु. इक्कीस लाख अस्सी हजार)	रु. 43,600/-	रु. 5,000/-	केवल ऑनलाइन प्रस्तुत करना है

क्र. एवं कार्य का नाम :– 13. राजधानी उपसंभाग क्रमांक-2, भोपाल के अन्तर्गत 1100 क्वाटर्स, 98 क्वाटर्स, तुलसी नगर, शिवाजी लाख नगर, 6 नं. स्टॉप, 228 क्वाटर्स, कोटरा सुल्तानाबाद क्षेत्र स्थित विभागीय आवास गृहों में ए/आर, एस/आर, अनुरक्षण कार्य।

23/SAC dt. 07.07.2025	2025_CPA_ 436041_1	रु. 45.50 लाख (रु. पैंतालीस लाख पचास हजार)	रु. 50,000/-	रु. 5,000/-	केवल ऑनलाइन प्रस्तुत करना है

क्र. एवं कार्य का नाम :– 14. विन्ध्याचल भवन, भोपाल में पेस्ट कन्ट्रोल/डिसिन्फेक्शन ट्रीटमेन्ट एवं एन्टी टर्माइट ट्रीटमेंट का कार्य।

24/SAC dt. 07.07.2025	2025_CPA_ 436042_1	रु. 31.60 लाख (रु. इकतीस लाख साठ हजार)	रु. 50,000/-	रु. 5,000/-	केवल ऑनलाइन प्रस्तुत करना है

उपरोक्त वेबसाइट से ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेन्डर डोक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे। निविदा प्रपत्र क्रय, डाउनलोड एवं ऑनलाइन प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि 23.07.2025 सायं 5.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एनआईटी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री, राजधानी संभाग क्रमांक-2
लोक निर्माण विभाग, ई-5, अरेरा कालोनी, भोपाल
दूरभाष - 0755-2465467

जी-15469/51233/2025

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

देवास मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)
E-mail : recruitment.mpsvv@gmail.com
Website : www.mpsvv.ac.in

A NAAC

क्र./मपासंवि/अका./विद्या/109 उज्जैन, दिनांक : 09.07.2025

अतिथि विद्वान हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित

विश्वविद्यालय के अध्यापन विभागों एवं श्री रामानुज संस्कृत परिसर, रीवा में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए विभिन्न विषयों में अध्यापन हेतु अतिथि विद्वान् (पूर्णकालिक एवं अंशकालिक) के लिए आवेदन आमन्त्रित किये जाते हैं। विस्तृत विवरण, नियम एवं निर्देश हेतु वेबसाइट देखें।

(आवेदन की अंतिम तिथि 19.07.2025, सायं 5:30 बजे तक)

म.प्र. माध्यम/121071/2025 R- 51242/2025 कुलसचिव

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र.-1, नर्मदापुरम (म.प्र.)
निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्र. 15/2025/e-Tender/N. Puram **दि. : 07.07.2025**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mpt-enders.gov.in पर देखा जा सकता है :-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग सिवनी मालवा के अंतर्गत नंदरवाड़ा कोयलाझिर मार्ग, डोलरिया रेलवे फीडर मार्ग, बाबरी मार्ग से राजीव नगर मार्ग, सिवनी मालवा शहरी मार्ग, जैतपुर पहुंच मार्ग, मंगवारी पहुंच मार्ग, उमरिया से नावघाट मार्ग, लुचगांव से उमरिया मार्ग, खारदा से बीजापुर मार्ग, डोलरिया पतलई मार्ग, मकड़ाई टप्पर से लुचगांव घोघरा आयपा पथाड़ा, बाबरी, डिमावर मार्ग, सिवनी मालवा बायपास मार्ग, कुल लंबाई 26.08 कि.मी. पर बी.टी. नवीनीकरण कार्य।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनु. राशि (लाख में)	अमानती राशि
2025_PWDRB_435428	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	394.42	394420/-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :–2. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग पिपरिया के अंतर्गत उमरधा से पासीघाट मार्ग, खापरखेड़ा से चांदौन मार्ग, सोहागपुर गुंदरई, करनपुर, आमादेही, नकटुआ, चारगांव, सांगई (करनपुर से नकटुआ) मार्ग एवं सोहागपुर सियारखेड़ा टेकापार मार्ग, कुल लं. 15.90 कि.मी. पर बी.टी. नवीनीकरण कार्य।

2025_PWDRB_435430	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	224.29	224290/-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग नर्मदापुरम के अंतर्गत तवा पुल (एस.एच. 22) से मनवाड़ा, चपलासिर, बालाभेंट, सांगाखेड़ा कला मार्ग, हासलपुर डोंगरवाड़ा मार्ग, जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम के आंतरिक पहुंच मार्ग एवं पवारखेड़ा रेलवे फीडर मार्ग, कुल लं. 12.08 कि.मी. पर बी.टी. नवीनीकरण कार्य।

2025_PWDRB_435433	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	181.82	181820/-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग नर्मदापुरम के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर बी.टी. पेच रिपेयर सामग्री संग्रहण कार्य।

2025_PWDRB_435435	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	द्वितीय	3.00	6000/-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग पिपरिया के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर बी.टी. पेच रिपेयर सामग्री संग्रहण कार्य।

2025_PWDRB_435445	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	द्वितीय	3.00	6000/-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग सिवनी मालवा के रहवासी एवं गैर रहवासी भवनों में एस.आर.एम.ओ.डब्ल्यू. एवं रिपेयरिंग कार्य।

2025_PWDRB_435446	नर्मदापुरम	भवन कार्य	द्वितीय	18.24	36480/-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. विधायक निधि के अंतर्गत सिवनी मालवा के ग्राम भेला में चतुर्मुख मंदिर का मरम्मत कार्य एवं वर्चुअल संवाद हेतु माननीय विधायक के लिए उनके कार्यालय निवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा की व्यवस्था के संबंध में।

2025_PWDRB_435447	नर्मदापुरम	भवन कार्य	पांचवां	6.03	12060/-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 8. विधायक निधि के अंतर्गत आंवलीघाट की ग्राम पंचायत ग्वाड़ी में विभिन्न विकास कार्य के अंतर्गत टीन शेड, भवन मंच, चबूतरा, सड़क एवं घाट निर्माण।

2025_PWDRB_435448	नर्मदापुरम	सड़क एवं भवन कार्य	प्रथम	19.97	39940/-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 9. विधायक निधि के अंतर्गत ग्राम पंचायत गोरा के ग्राम सकतपुर ब्लॉक माखन नगर, जिला नर्मदापुरम में पुलिया निर्माण

2025_PWDRB_436207	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	3.39	6780/-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 10. विधायक निधि के अंतर्गत सिवनी मालवा में ऑवलीघाट ग्राम पंचायत ग्वाड़ी में टीन शेड का निर्माण कार्य।

2025_PWDRB_436208	नर्मदापुरम	भवन कार्य	प्रथम	4.24	8480/-
		योग (रु. लाख में)		**858.40**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेन्ट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 28.07.2025 सायं 17:30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाइन ही प्राप्त किए जावेंगे।

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि., संभाग नर्मदापुरम

जी-15473/51235/2025

शासकीय महिला पालीटेक्निक महाविद्यालय
शिवाजी नगर, भोपाल (मध्य प्रदेश)
Government Women's Polytechnic College, Shivaji Nagar, Bhopal (Madhya Pradesh)

Approved by AICTE/COA — Affiliated to R.G.P.V. Bhopal

Admissions Open : Professional Diploma Courses For Girls

10वीं के आधार पर डिप्लोमा प्रथम वर्ष में लड़कियों हेतु कॉलेज लेवल (CLC) से ऑन-द-स्पॉट एडमिशन (ALL INDIA STUDENTS ELIGIBLE)

- ट्यूशन फीस रु. 7500/-
- AICTE की विभिन्न छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध
- On-Campus Hostel facility with all amenities
- Wi-fi campus with State-of-the-Art Amenities
- Situated at the heart of Bhopal City (Near RKMP Railway Station)

On-the-Spot ADMISSIONS (Every Monday, Wednesday, Friday)

आज ही सम्पर्क करें।

डिप्लोमा करने के बाद –
- B.Tech (द्वितीय वर्ष)/B.Arch मे प्रवेश
- Campus Placement से रोजगार
- स्वरोजगार के अवसर

उपलब्ध कोर्सेस एवं सम्पर्क सूत्र:
- आर्किटेक्चर एण्ड इंटीरियर डिजाइन (ArId) (NBA Accredited) 9826649225, 9752333909
- इलेक्ट्रानिक्स एण्ड टेलीकम्युनीकेशन इंजीनियरिंग (ETE) (IOT Based Project) 9826460982, 9617564231
- मॉडर्न आफिस मैनेजमेन्ट (MOM) 9826265705, 9827260600

अपने पसंद के कोर्स में एडमिशन के लिए ऊपर दिये नंबरों पर आज ही संपर्क करें या वेबसाइट https://gwpbpl.ac.in विजिट करें।

G-15323/51213/2025

पीपुल्स (निजि) औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान
भारत सरकार एवं म.प्र.शासन से मान्यता प्राप्त

0755-4175062, 9893180813, 9691546821
Email: pitc.bpl@gmail.com

प्रवेश प्रारम्भ

क्र.	विषय	अवधि	शैक्षणिक योग्यता	प्रमाणित
1.	कम्प्युटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट	एक वर्ष	10वीं पास	एन.सी.वी.टी
2.	लिथो ऑफसेट मशीन माइन्डर	एक वर्ष	10वीं पास	एस.सी.वी.टी
3.	प्लेट मेकर कम इम्पोजिटर	एक वर्ष	10वीं पास	एस.सी.वी.टी

संस्था का पता : पीपुल्स स्टेडियम, पीपुल्स पब्लिक स्कूल परिसर, भानपुर, अयोध्या बायपास रोड, भोपाल (म.प्र.)
सम्पर्क समय : प्रातः 9:00 बजे से 5:00 बजे तक

R-51222/2025

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल
क्र./1005/तशा/प.यं./2025 — दिनांक : 09.07.2025

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा पुरुष हॉकी अकादमी सी.आर.सी. भोपाल में सिंथेटिक टर्फ के चारों ओर ग्रेड स्लैब डालने एवं कर्टनवॉल में फिनिशिंग का कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2025_MPPHC_436484_1 **दिनांक 17.07.2025 समय अपराह्न 17:00 बजे तक** खरीदी जा सकती है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/121040/2025 — R-51230/2025 — **परियोजना यंत्री**

कर्मचारी राज्य बीमा निगम की 'स्प्री-2025' योजना को मिली मंजूरी

भोपाल, कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) ने नियोक्ताओं और कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने के लिए 'स्प्री 2025' यानी स्कीम टू प्रमोट रजिस्ट्रेशन ऑफ इम्प्लॉयर्स/इम्प्लॉयीज योजना को स्वीकृति दी है। इस निर्णय की घोषणा शिमला, हिमाचल प्रदेश में आयोजित 196वीं ईएसआई निगम की बैठक में की गई, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय श्रम और रोज़गार तथा युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने की। संयुक्त निदेशक श्री निश्चल कुमार नाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्प्री योजना का उद्देश्य ईएसआई अधिनियम, 1948 के अंतर्गत अब तक पंजीकृत नहीं हुए प्रतिष्ठानों एवं श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना है।

PT. BRIJKISHORE PATERIA COLLEGE OF EDUCATION
Deori, Distt. Sagar (M.P.)-470226
Affiliated to Rani Avanti Bai Lodhi University, Sagar Approved by NCTE
Mob. : 9399264899, 7999742661, 07586299124, Mail ID : bkpcd@yahoo.in

Faculty Requirement under College Code 28 [for EDUCATION/ITEP COURSE]

S. No.	Name of Post	No. of Post	Qualification
01	Principal/ HOD	01	PG with 55% Marks (i) Art/Science/Social Science/Commerce/Humanitism (ii) M.Ed. (iii) NET/Ph.D. in Education (iv) 08 year Teaching Experience in Teacher Education institute
02	Lecturer	06	(i) PG with 55% marks in Any Subject (ii) M.Ed. with 55% marks (iii) Ph.D. Degree/NET/SET in Education
03	Lecturer	One in each subject	(i) PG with 55% Marks in Mathematics, Physics, Botany, Chemistry, Zoology, History, Political Science, Sociology, Computer Application, Hindi Language, English Language (ii) B.Ed./M.Ed. with 55% marks (iii) Ph.D. Degree/NET/SET
04	Health and Physical Education	01	(i) PG with 55% in physical Education (MPEd) (ii) Desirable - Diploma in Yoga
05	Lecturer (Fine Arts)	01	PG with 55% marks in Fine Arts (MFA)
06	Lecturer Performing Arts	01	PG with 55% marks in Music, Dance

1. Appointment would be under college code-28
2. Pay scale As per state Govt/UGC/College norms.
3. Application invited with essential document and passport size photograph at above said address **with in 30 days** of advertisement.

R-51217/2025 — **CHAIRMAN**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, ए-2/2, एम.आय.जी. महानंदा नगर, उज्जैन (म.प्र.)
E-mail : mpphcl_ujjain@yahoo.in, मोबा. : 9406808103
क्र.1024 /पय/मप्रपुआअविनि/25/उज्जैन — दिनांक : 10.07.2025

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 10/2025-26

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा क्रमांक-10/2025-26 दिनांक 10.07.2025 के अंतर्गत जिला उज्जैन में विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2025_MPPHC_436252, 2025_MPPHC_436254 (कुल 2 निविदा) आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन दिनांक 24.07.2025 17.00 बजे तक प्रस्तुत किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal: **https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/121035/2025 — R-51229/2025 — **परियोजना यंत्री**

Maharaja Ranjit Singh Group of Institutions Indore
Affiliated to DAVV Indore, RGPV Bhopal & Approved by AICTE New Delhi

FACULTY REQUIRED

Director/Professors/Associate Professors/Assistant Professors and Lab Assistant are required as per AICTE Norms for teaching MBA/MCA courses. The selections shall be done as per University Norms. Apply within 3 days to the Director, Maharaja Ranjit Singh Group of Institutions Indore in person or online at info@mrscindore.org.

Hemkunt Campus Khandwa Road Indore (MP) 452001
Contact: 9826720505, 9826086887

R-51223/2025

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORN. LTD.
(A Government of M.P. Undertaking)
Regional Office, Narmadapuram (M.P.)
Tawa Complex, Bittan Market, E-5, Arera Colony, Bhopal
Phone : (0) +917552420301-2-3

Date : 09.07.2025

NOTICE INVITING TENDER FOR YEAR - 2025-26

Online Tender for the following works are invited on the E-procurement System portal **mptenders.gov.in** as detailed below:-

NIT No.	Subject	Probable amount of Contract
02	Dismantling, Construction of Utilities Reconnecting of Pipe lines at I/A Mohasa-Babai, Distt. Narmadapuram (M.P.)	13762964.00
03	Construction of Existing road, Drain, Water supply pipe line and office building boundary wall at Industrial Area Kiratpur, Distt. Narmadapuram (M.P.)	31126954.00

Detailed NIT along with other details can be downloaded/viewed on above mentioned portal from 10.07.2025 10:30 Hrs.

M.P. Madhyam/121023/2025 — **EXECUTIVE ENGINEER**

R-51228/2025

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड, संभाग क्र.-03, भोपाल-03
Mob. : 9425601545, ई-मेल : mpphidcbpl3@gmail.com
क्र.-मप्रपुआअविनि/731/पयं/भोपाल-03/तशा/2025
भोपाल, दिनांक : 09.07.2025

प्रेस विज्ञप्ति

भोपाल संभाग-3 के अंतर्गत निर्माण एवं उन्नयन कार्य सांची सिविल अस्पताल जिला रायसेन एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शाजापुर परिसर में पुस्तकालय का सुदृढ़ीकरण कार्य हेतु निविदा क्र.-08/2025-26 (ऑनलाइन निविदा क्र.- 435970, 435971 आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक-23.07.2025 सायं 5:00 बजे तक ऑनलाइन खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal: https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/121019/2025 — R-51227/2025 — **परियोजना यंत्री**

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.
(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
(Formerly M.P. Audyogik Kendra Vikas Nigam (I) Ltd.)
Regional Office : 101, First Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, Indore-01 (M.P.), Phone : (0) 0731-2970611, 2974363, 2971311, Fax No. : 0731-2972629, Web. : invest.mp.gov.in, E-mail : ed.roind@mpidc.co.in, CIN : U51102MP1977SGC001392
No. MPIDC/RO/IND/TECH/25/7690 — DATE : 07.07.2025

NOTICE INVITING TENDER (IICall)

Online offers are invited on behalf of the Executive Director, MPIDC RO Indore, from units having establishment in SEZ Pithampur Phase I & II for **"Leasing Out of 8 Chambers (individual units) of Cold Chain each of Approx 907 Sqm on monthly Rental basis in I/A SEZ Phase-II Pithampur Distt. Dhar (M.P.) (for a period of 5 Years)".** EMD – Rs. 106502/- per chamber, Cost of Document – Rs. 14750/-. The last date of bid submission – 23.07.2025.

The Tenders would be made available on the e-portal **https://www.mptenders.gov.in.** Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portal.

M.P. Madhyam/120982/2025 — **EXECUTIVE ENGINEER (ELECTRICAL)**

R-51226/2025

मध्यप्रदेश शासन, स्कूल शिक्षा विभाग तथा मध्यप्रदेश शासन, जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा -2025 हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं

आवेदन पत्र भरने की तिथि 18.07.2025 से 01.08.2025 तक	ऑनलाइन परीक्षा पद्धति समय सारणी	आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि 18.07.2025 से 06.08.2025 तक

संभावित परीक्षा दिनांक	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों के लिए रिपोर्टिंग समय	उत्तर अंकित का समय
31 अगस्त रविवार 2025 से प्रारंभ	प्रथम	प्रात: 08:30 से प्रात: 10:00 बजे तक	प्रात: 10:30 से 12:30 बजे तक (02 घंटे)
	द्वितीय	दोपहर 01:00 से दोपहर 02:30 बजे तक	दोपहर 03:00 से 05:00 बजे तक (02 घंटे)

आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश :-

1. परीक्षा के नियम, विभागवार रिक्त पदों की आरक्षण तालिकाएं एवं परीक्षा संचालन नियम से संबंधित विस्तृत नियम पुस्तिका मण्डल की वेबसाइट **www.esb.mp.gov.in** पर उपलब्ध रहेगी, जिसमें उल्लेखित समस्त नियमों/जानकारी का अध्ययन करके ही आवेदन पत्र भरा जावे।
2. वेबसाइट **www.esb.mponline.gov.in** के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है।
3. **संभावित परीक्षा शहर** - अनूपपुर, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, खण्डवा, नीमच, रतलाम, रीवा, सागर, सतना, सीधी एवं उज्जैन।
4. **प्रवेश परीक्षा शुल्क***

अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए	रु. 500/-
केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/ई.डब्ल्यू.एस. एवं दिव्यांगजन अभ्यर्थियों के लिए	रु. 250/-
ऑनलाइन आवेदन- कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुल्क	रु. 60/-
अतिरिक्त रजिस्टर्ड सिटिजन यूजर के माध्यम से लॉगिन कर फार्म भरने पर पोर्टल शुल्क	रु. 20/-

विशेष निर्देश

1. अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है।
2. मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के रूप में अभ्यर्थी मतदाता पहचान पत्र, पेन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, पासपोर्ट, में से कोई एक को चयनित कर सकता है। यू.आई.डी.ए.आई. (UIDAI) के द्वारा सत्यापित (Verify) होने पर ही ई-आधार मान्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के अभाव में परीक्षार्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित किया जाएगा।
3. अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में विनिश्चित मूल परिचय पत्र के अतिरिक्त अपना आधार कार्ड/ई-आधार कार्ड की छायाप्रति/आधार नंबर/आधार VID की जानकारी लाना अनिवार्य है।
4. परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है। अत: जिन अभ्यर्थियों का आधार नंबर लॉक हैं वह परीक्षा दिनांक को परीक्षा केंद्र पर उपस्थिति के पूर्व आधार अनलॉक करवाना सुनिश्चित करें।
5. परीक्षार्थियों को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके पश्चात विलम्ब से आने पर अभ्यर्थियों की प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
6. परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यथा मोबाइल फोन, कैलक्युलेटर, लॉग टेबल्स, डिजीटल घड़ी, नकल पर्चा एवं sun glasses (धूप का चश्मा) आदि का उपयोग पूर्णत: वर्जित है।
7. ऑनलाइन आवेदन-पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। अत: आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी।
8. परीक्षा केंद्र पर आवेदक को परीक्षा हॉल में प्रवेश हेतु मण्डल वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
9. किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात् परीक्षा समाप्ति तक परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।
10. आवेदन-पत्र भरते समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण मण्डल द्वारा नहीं किया जाकर नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान सम्बंधित विभाग द्वारा किया जाता है। अत: कम्प्यूटर आधारित (Online) परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (Eligibility) पूर्णत: प्रावधिक (Provisional) होगी।

विशेष नोट- मण्डल अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि/परीक्षा पाली/शहरों/केन्द्रों एवं अन्य बिन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है।

विज्ञापन क्र. 69/2025

संचालक

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल

'चयन भवन' मेन रोड नं. - 1, चिनार पार्क (ईस्ट) भोपाल - 462011

R-51240/2025 **Fax : +91-0755-2550498, Website : www.esb.mp.gov.in** म.प्र.मा./121068/2025

पौधरोपण एवं उनके संरक्षण के लिए कार्ययोजना बनाएं

भोपाल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने मंत्रालय में मध्यप्रदेश राज्य रोज़गार गारंटी परिषद कार्यकारणी की 7वीं बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में विभाग द्वारा उल्लेखनीय कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत खेत तालाब, अमृत सरोवर, रीचार्ज पिट लक्ष्य से अधिक बनाये गये। अभियान में किये गये कार्यों के परिणाम आगामी वर्षों में परिलक्षित होंगे। श्री पटेल ने कहा कि बड़ी नदियों के अस्तित्व को बचाने के लिये छोटी नदियों के उद्गम स्रोतों का संरक्षण आवश्यक है।

श्री पटेल ने जल गंगा संवर्धन अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने के लिये विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन कार्य हमें सतत जारी रखना है। भविष्य में पौधरोपण एवं उनके संरक्षण के लिये कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाये। श्री पटेल ने कहा कि वैज्ञानिक तकनीकों से पौधरोपण एवं संरक्षण के लिये 'मां की बगिया' योजना 15 अगस्त से लागू की जा रही है। यह योजना ग्रामीण महिलाओं के स्वावलंबन में महत्वपूर्ण कारक बनेगी। 15 जुलाई से 15 अगस्त तक चिह्नित शासकीय भूमि पर एवं 15 अगस्त से 15 सितंबर पर निजी भूमि पर सघन पौधरोपण किया जायेगा। उन्होंने 'जल गंगा संवर्धन' अभियान में सिपरी सॉफ्टवेयर जैसी तकनीकों का उपयोग करने की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हमारे यह प्रयास निश्चित ही आने वाली पीढ़ियों की जल आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होंगे। पंचायत मंत्री ने कहा कि संविदा अधिकारियों एवं कर्मचारियों की नवीन सेवा शर्तों में आकस्मिक मृत्यु/दुर्घटना के समय सहायता राशि प्रदान करने के प्रावधानों का समावेश करें। इस संबंध में सामान्य प्रशासन एवं वित्त विभाग के नियमों का पालन किया जाए। आयुक्त मनरेगा, श्री अविप्रसाद ने 6वीं बैठक का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

महर्षि सांदीपनि की शिक्षा से भगवान श्रीकृष्ण को जगद्गुरु की मिली उपाधि

उज्जैन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरु पूर्णिमा पर उज्जैन के महर्षि सांदीपनि आश्रम पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण के गुरु महर्षि सांदीपनि के दर्शन किये और पूजन-अर्चन कर आरती की। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु महर्षि सांदीपनि द्वारा प्रदान की गई विद्या से ही भगवान श्रीकृष्ण को विश्व-गुरु की उपाधि मिली। पंडित राजेश जोशी ने पूजा-अर्चना संपन्न करवायी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अति प्राचीन श्री कुंडेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान के दर्शन भी किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे पिछले कई वर्षों से लगातार गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सांदीपनि आश्रम आकर दर्शन और पूजा- अर्चना करते हैं। महर्षि सांदीपनि आश्रम का अतीत अत्यंत गौरवशाली और अद्वितीय रहा है।

MALAVIYA MISSION TEACHER TRAINING CENTRE

Formerly UGC - Human Resource Development Centre (HRDC)

DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA

Khandwa Road Campus, Indore (M.P.) 452001

Web. : www.hrdcindoredauniv.in, Ph. : 0731-2462069, 2460830

E-mail : ugcascindore@gmail.com

Sr. No./MMTTC/2025-26/32 **Date : 11.07.2025**

Application on plain paper giving full particulars of the qualification, work experience along with the attested copies of degree and work experience are invited for the post of Computer Assistant. (Post sanctioned by UGC-New Delhi to the Department). The qualifications for the position is given underneath : -

S. No.	Post	No. of Post	Category	Educational Qualification
1.	Computer Assistant	01	UR	B.E./B.Tech(CS/IT) or MCA or M.SC. (CS/IT) with minimum 02 years of experience of work experience of Office Automation and online activities.

1. The position is needed for a period of three years. The position is purely temporary (fixed salary) and on getting extension from UGC they may also be get extension on the basis of their performance. Last date for submitting the application is 04.08.2025.
2. Demand Draft (DD) (Non refundable) of Rs. 500/- to be enclosed with each application in **favour of Registrar, DAVV, Indore.** For SC/ST category no Demand Draft is required.
3. The interview call letter will be sent through email thus, kindly mention your email id (In CAPITAL LETTER) and mobile number in your application.
4. The application is to be submitted at given address–

DIRECTOR

Malaviya Mission Teacher Training Centre

Devi Ahilya Vishwavidhyalaya, Takshashila Campus

Khandwa Road, Indore- 452017

M.P. Madhyam/121059/2025 **DIRECTOR, MMTTC**

R-51239/2025

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Dev. Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./8299/22/D-12/NIT-Maint./2025 **Bhopal, Dated : 11.07.2025**

NOTICE INVITING TENDER No. 355/MTN/2025 (Flood Damage-SR)

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below:-

- **SSR Applicable : SSR issued by M.P Rural Road Development Authority effective from 01.01.2024 and amendments upto issue date of NIT.**
- **Name of Work : Special Repair of Roads/Culverts (Flood Damage)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Betul	1	4103135.00
2.	Guna	3	1964596.00
3.	Raisen	2	8325235.00
4.	Sehore	1	3408117.00
5.	Umaria	1	6328415.00
6.	Singrauli	1	4614366.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **15.07.2025 from 17:30 hrs.** and last date for online bid submission **is 30.07.2025 (17:00 hrs.).**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

MPM/121054/2025 **CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)**

'मेरी सड़क' ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-51238/2025

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Bhopal, (M.P.)

No./8302/22/D-12/NIT-Maint./2025 **Bhopal, Dated : 11.07.2025**

NOTICE INVITING TENDER No. 354/MTN/2025 (BW)

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

Name of work : Repair/Maintenance of Rural Roads.

- **Table-1 : Name of Work** - Within 05 Year Maintenance (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Bhopal	1	677000.00

- **Table-2 : Name of Work** - Post 5 Year Maintenance (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Narmadapuram	1	5989000.00
2	Bhopal	1	6896000.00
3	Sagar	1	4880000.00
4	Ujjain	1	2250000.00

- **Table-3 : Name of Work** - Post 10 Year Maintenance (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Bhopal	1	2369000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **15.07.2025 from 17:30 hrs.** and last date for online bid submission is **30.07.2025 (17:00 hrs.).**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/121051/2025

''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-51237/2025

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchyat & Rural Dev. Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)

No./8305/22/D-12/NIT-Maint./2025 **Bhopal, Dated : 11.07.2025**

NOTICE INVITING TENDER No. 353/MTN/2025 (BW)

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :-

- **SSR Applicable :- SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.**

1. **Name of Work : Post 5 Year Maintenance (BW)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Bhopal	2	16606000.00

1. Tender document can be purchased only Online from the above website from 15.07.2025 from 17:30 hrs. and last date for online bid submission is **30.07.2025 (17:00 hrs.)**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/121050/2025 R-51236/2025

'मेरी सड़क' एप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग बुधनी, जिला सीहोर (म.प्र)
मेन रोड, बुधनी, फोन नं. 07564-235305

निविदा सूचना क्रमांक 03/2025-26/व.ले. लि ./बुधनी **दिनांक 10.07.2025**

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

सं.	टेण्डर क्रमांक	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि (रु. लाखों में)	अमानत राशि (EMD)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	आमंत्रण क्र.	ई.एम.डी. एवं निविदा से संबंधित अन्य दस्तावेज
1	2025_ PWDRB_ 431529_1	योजना कार्य	ग्राम पंचायत सोयत में हनुमान मंदिर से संदीप यादव के घर तक सी.सी. मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 1.20 कि.मी.	137.09	137090/-	10 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	निविदा से संबंधित समस्त दस्तावेज एवं ई.एम.डी. केवल ऑनलाइन ही स्वीकार्य होंगे।
2	2025_ PWDR_ 431530_1	योजना कार्य	ग्राम सुनेड से सुनेड टप्पर तक मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 2.00 कि.मी.	233.25	233250/-	10 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	
3	2025_ PWDRB_ 431531_1	योजना कार्य	ग्राम अम्बाजदीद में आंतरिक मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 1.50 कि.मी.	236.49	236490/-	10 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	
4	2025_ PWDRB_ 431532_1	योजना कार्य	ग्राम पंचायत सोयत में बरजोर वाले बाबा के घर से भंवर सिंह के घर तक सी.सी. मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 2.00 कि.मी.	255.28	255280/-	10 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	
5	2025_ PWDRB_ 431533_1	योजना कार्य	ग्राम बचगांव से बरखेड़ी मार्ग से ग्राम बोरी तक मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 2.00 कि.मी.	264.47	264470/-	10 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	
6	2025_ PWDRB_ 431534_1	योजना कार्य	ग्राम सिरसोदिया से कुमनताल मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 2.00 कि.मी.	275.23	275230/-	10 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	
7	2025_ PWDRB_ 431536_1	योजना कार्य	ग्राम बड़गांव में आंतरिक मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 2.00 कि.मी.	275.43	275430/-	10 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	
8	2025_ PWDRB_ 431537_1	योजना कार्य	ग्राम सिंगपुर से ग्राम सिंगपुर पठार तक मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 2.50 कि.मी.	287.40	287400/-	10 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	
9	2025_ PWDRB_ 431538_1	योजना कार्य	ग्राम भीमगांव रोड नहर पुलिया से बालग्या कॉलोनी तक मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 3.00 कि.मी.	331.94	331940/-	12 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	
10	2025_ PWDRB_ 431539_1	योजना कार्य	ग्राम गोपालपुर डोबा से सोडल बाबा मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 3.00 कि.मी.	333.12	333120/-	12 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	
11	2025_ PWDRB_ 431540_1	योजना कार्य	ग्राम भिलाई से मरियाडो तक मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 3.00 कि.मी.	341.18	341180/-	12 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	
12	2025_ PWDRB_ 431541_1	योजना कार्य	सोनखेड़ी सीलकण्ठ से आदिवासी टप्पर तक मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 3.00 कि.मी.।	350.87	350870/-	12 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	
13	2025_ PWDRB_ 431542_1	योजना कार्य	मुख्य मार्ग से बावरी नावघाट तक मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 2.50 कि.मी.।	372.55	372550/-	12 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	
14	2025_ PWDRB_ 431543_1	योजना कार्य	ग्राम बोरखेड़ा से चिचली नहर टप्पर तक मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 4.00 कि.मी.।	389.61	389610/-	12 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	
15	2025_ PWDRB_ 431544_1	योजना कार्य	ग्राम सिराली से खारी मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 3.00 कि.मी.।	392.70	392700/-	12 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	
16	2025_ PWDRB_ 431545_1	योजना कार्य	ग्राम सुनेड से भादाकुई मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 3.50 कि.मी.।	439.96	439960/-	12 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	
17	2025_ PWDRB_ 431546_1	योजना कार्य	ग्राम नेहरूगांव से जोगला तक सी.सी. मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 4.00 कि.मी.।	469.07	469070/-	12 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	
18	2025_ PWDRB_ 435868_1	योजना कार्य	ग्राम रफीकगंज से धूलसिंह मोहल्ला तक मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 3.00 कि.मी.।	448.45	448450/-	12 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	
19	2025_ PWDRB_ 431547_1	बी.टी. रिन्युवल	बी.टी. रिन्युवल कार्य रतनपुर से बोरवाली आश्रम मार्ग लम्बाई 2.00 कि.मी.।	24.78	49560/-	12 माह वर्षाकाल छोड़कर	प्रथम	
20	2025_ PWDRB_ 431548_1	बी.टी. रिन्युवल	बी.टी. रिन्युवल कार्य प्रधानमंत्री सड़क से घोघरा तक मार्ग लम्बाई 3.45 कि.मी., एवं गिल्लौर से गोरखपुर मार्ग लम्बाई 4.00 कि.मी. (कार्य की लम्बाई 2.00 कि.मी.)	74.80	74800/-	06 माह वर्षाकाल छोड़कर	प्रथम	
21	2025_ PWDRB_ 431549_1	बी.टी. रिन्युवल	बी.टी. रिन्युवल कार्य पांडागांव पहुँच मार्ग लम्बाई 2.00 कि.मी., केवट कॉलोनी मार्ग पांडागांव में मार्ग लम्बाई 0.80 कि.मी., एवं जमुनियाकला से बगवाड़ा मार्ग लम्बाई 3.50 कि.मी.।	90.87	90870/-	06 माह वर्षाकाल छोड़कर	प्रथम	
22	2025_ PWDRB_ 431551_1	बी.टी. रिन्युवल	बी. टी. रिन्युवल कार्य महावन से बनेटा प्लांट मार्ग (पुराना मडावन मार्ग) मार्ग लम्बाई 1.50 कि.मी., रामनगर पहुँच मार्ग लम्बाई 1.30 कि.मी., जर्रापुर पहुँच मार्ग लम्बाई 2.60 कि.मी., इटवार से सत्रामऊ मार्ग लम्बाई 2.40 कि.मी. एवं परसवाड़ा से हथलेवा पहुँच मार्ग लम्बाई 0.60 कि.मी.।	103.25	103250/-	06 माह वर्षाकाल छोड़कर	प्रथम	
23	2025_ PWDRB_ 431552_1	बी.टी. रिन्युवल	बी.टी. रिन्युवल कार्य बोरखेड़ा जोड़ से टप्पर जोड़ तक मार्ग लम्बाई 2.00 कि.मी., गनौरा से गनौरा बोर्डर तक मार्ग लम्बाई 1.50 कि.मी., इटावा से गिलहरी मार्ग लम्बाई 3.50 कि.मी. एवं सुकरवास डोबा कुमनताल मार्ग लम्बाई 7.00 कि.मी. (कार्य लम्बाई 3.00 कि.मी.)	120.72	120720/-	10 माह वर्षाकाल छोड़कर	प्रथम	
24	2025 PWDRB_ 431553_1	बी.टी. रिन्युवल	बी.टी. रिन्युवल कार्य चीच से कलवाना मार्ग (MDR 32-19) मार्ग लम्बाई 5.00 कि.मी. एवं भैरूंदा से नीलकंठ (MDR 32-16) मार्ग लम्बाई 1.00 कि.मी.	164.67	164670/-	10 माह वर्षाकाल छोड़कर	प्रथम	
25	2025_ PWDRB 431554_1	बी.टी. रिन्युवल	बी.टी. रिन्युवल कार्य खवादा से डोबी मार्ग लम्बाई 3.00 कि.मी., डोबी - खोहा मार्ग से सत्रामऊ मार्ग लम्बाई 2.30 कि.मी., आमोन से सागपुर मार्ग लम्बाई 1.50 कि.मी. एवं डोबी से हथनौरा मार्ग लम्बाई 3.00 कि.मी.	132.16	132160/-	10 माह वर्षाकाल छोड़कर	प्रथम	
			कार्य की अधिकतम लागत (रु. लाख में)	**469.07**				

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय **(Document Download/Sale End Date)** करने की **अंतिम तिथि 28.07.2025 (17.30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। प्रमुख अभियंता लो.नि.वि.भोपाल का पत्र क्र. 401/सा./ई-टेण्डरिंग/09/1088/भोपाल/दिनांक 05.11.2020 द्वारा निविदा से सम्बन्धित समस्त दस्तावेज एवं ई.एम.डी. केवल ऑनलाइन ही स्वीकार्य होंगे।

कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि.सं., बुधनी म.प्र.

जी-15470/51234/2025 **फोन नं. : 07564-235305**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग वि/यां संभाग जबलपुर

Web. : www.mp.gov.in/pwdmp, Email : eepwdelecjbp@mp.nic.in, Tel./Fax No. 0761-2620792

नीलामी निविदा सूचना

नीलामी निविदा सूचना क्रमांक 17/2025-26 व.ले.लि. **जबलपुर, दिनांक. 08/07/2025**

निम्नलिखित प्लांट एवं मशीनरी के नीलामी हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित नीलामी का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर कमांक	वर्तमान में प्लांट/ मशीनरी जहां उपलब्ध है स्थान एवं नाम	अनुमानित लागत (लाख रु. में)	अमानत की राशि (रु. में)	नीलामी प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय	नीलामी काल
1.	2025_PWDRB_ 435805	अनुपयोगी सामग्री (स्टोर सब डिवीजन वि/यां बालाघाट)	Rs. 2042/-	1000/-	100/-	7 Days	प्रथम कॉल
2.	2025_PWDRB_ 435806_1	अनुपयोगी सामग्री (स्टोर सब डिवीजन वि/यां बालाघाट)	Rs. 1025/-	1000/-	100/-	7 Days	प्रथम कॉल
3.	2025_PWDRB_ 435807_1	अनुपयोगी सामग्री (स्टोर सब डिवीजन वि/यां बालाघाट)	Rs. 810	500/-	100/-	7 Days	प्रथम कॉल

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त नीलामी प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। नीलामी निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 15.07.2025** नीलामी निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग

जी-15459/51231/2025 **वि./यां. संभाग, जबलपुर**

योजना

भारत में जलवायु नेतृत्व और कार्बन मूल्य निर्धारण क्षमता

जलवायु परिवर्तन और बढ़ते कार्बन उत्सर्जन को रोकने तथा नियमित करने के लिये भारत ने नीतिगत निर्णय लिये हैं। सतत विकास के लक्ष्य के साथ भारत सुनियोजित कार्बन मूल्य निर्धारण इकोसिस्टम की ओर आगे बढ़ रहा है। इसके लिए कार्बन मूल्य निर्धारण को एक नीतिगत स्वरूप प्रदान किया गया है। इसके तहत प्रदूषण में कमी लाना, स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना, ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन, मुख्य रूप से कार्बन डाइआक्साइड उत्सर्जन पर वित्तीय लागत लगाना शामिल है। इसमें उत्सर्जनकर्ता उनके प्रदूषण के कारण होने वाले पर्यावरणीय नुकसान के लिए भुगतान करने को बाध्य है। इससे उत्सर्जन कम करने की दिशा में सहयोग किया जायेगा।

वर्तमान में कार्बन बाजारों और उत्सर्जन व्यापार पर बढ़ते वैश्विक दबाव की पृष्ठभूमि में, भारत अब सक्रिय रूप से एक दर-आधारित उत्सर्जन व्यापार प्रणाली (ईटीएस) और संबंधित स्वैच्छिक कार्बन क्रेडिटिंग प्रणाली विकसित कर रहा है। विश्व बैंक की ''कार्बन मूल्य निर्धारण की स्थिति और रुझान 2025'' की रिपोर्ट ने वैश्विक जलवायु वित्त और कार्बन मूल्य निर्धारण प्रारूप को आकार देने में भारत की बढ़ती भूमिका को मान्यता दी है।

वैश्विक कार्बन मूल्य निर्धारण में भारत की स्थिति

ब्राजील और तुर्की के साथ-साथ भारत प्रमुख मध्यम आय और उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है जो कार्बन मूल्य निर्धारण के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। भारत ने जुलाई 2024 से कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्कीम (सीसीटीएस) को अपनाने के साथ दर-आधारित उत्सर्जन व्यापार प्रणाली (ईटीएस) की ओर कदम बढ़ाये हैं।

राष्ट्रीय ईटीएस प्रारंभ में नौ ऊर्जा-गहन औद्योगिक क्षेत्रों को शामिल करेगा। यह योजना उत्सर्जन की तीव्रता पर केंद्रित है न कि पूर्ण उत्सर्जन सीमा पर। क्रेडिट प्रमाण पत्र उन सुविधाओं को जारी किए जाएंगे जो बेंचमार्क उत्सर्जन तीव्रता स्तर से बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

क्रेडिट पद्धतियां

28 मार्च, 2025 को भारत के विद्युत मंत्रालय ने स्वैच्छिक कार्बन क्रेडिट उत्पन्न करने के लिए जिन क्रेडिट पद्धतियों को स्वीकृति दी हैं उनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं

नवीकरणीय ऊर्जा
हरित हाइड्रोजन उत्पादन
औद्योगिक ऊर्जा दक्षता
मैंग्रोव वनरोपण और पुनर्वनरोपण

घरेलू स्वैच्छिक कार्बन बाजार का विकास

भारत अपने उत्सर्जन व्यापार प्रणाली (ईटीएस) के साथ-साथ एक स्वैच्छिक ऋण व्यवस्था तैयार कर रहा है। इसका उद्देश्य जलवायु-अनुकूल परियोजनाओं के लिए निजी पूंजी जुटाना है।

यह कृषि, वनरोपण, स्वच्छ पाककला आदि जैसे गैर-ईटीएस क्षेत्रों पर केन्द्रित है।

घरेलू नीतिगत निर्णय

ऊर्जा संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2022 में भारत के कार्बन बाज़ार के लिए कानूनी आधार प्रदान किया गया। यह विधेयक केन्द्र सरकार को कार्बन क्रेडिट प्रमाणपत्र जारी करने का अधिकार देता है।

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन

- मार्च 2025 में अनुमोदित कार्बन क्रेडिट पद्धतियों द्वारा समर्थित।
- 2030 तक प्रति वर्ष 5 एमएमटी हरित हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।

प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी)

- 2012 से ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) द्वारा कार्यान्वित।
- अपने जीवनचक्र में निर्दिष्ट क्षेत्रों में उत्सर्जन तीव्रता में 15-25 प्रतिशत की कमी।

नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य

भारत का लक्ष्य 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित क्षमता स्थापित करना है।

कार्बन बाजार की मजबूती के लिए पहल

भारत न्यून कार्बन उत्सर्जन के साथ अपनी विकासात्मक आवश्यकताओं को संतुलित करने में प्रयासरत है इसमें शामिल है। एक स्थायी जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए मिशन लाइफ और ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम।

मिशन लाइफ

मिशन लाइफ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में शुरू किया गया एक वैश्विक आंदोलन है, जिसका उद्देश्य सचेत, पर्यावरण-अनुकूल दैनिक आदतों के माध्यम से स्थायी जीवन को बढ़ावा देना है। इसके तहत लोगों को "प्रो-प्लैनेट पीपल" अर्थात अपनी धरती के लिए हितकारी बनने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इसमें व्यवहारगत परिवर्तन जैसे ऊर्जा की बचत, प्लास्टिक को कम करने, तथा खाद बनाने को बढ़ावा दिया जाता है।

मिशन लाइफ का लक्ष्य है वर्ष 2028 तक पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक कार्रवाई करने के लिए वैश्विक स्तर पर 1 बिलियन लोगों को संगठित करना, 80 प्रतिशत भारतीय गांवों और शहरी निकायों को हरित समुदायों में बदलना।

ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम

ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम - पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के अंतर्गत 12 अक्टूबर, 2023 को अधिसूचित ग्रीन क्रेडिट नियम, खराब वन भूमि पर वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करता है। इसमें प्रतिभागियों को ग्रीन क्रेडिट जारी करते हैं। इसका प्रबंधन एक डिजिटल पोर्टल और रजिस्ट्री के माध्यम से होता है।

भूमि बैंक और चयन - वन विभाग ग्रीन क्रेडिट पोर्टल पर क्षतिग्रस्त वन क्षेत्रों को एक गतिशील "भूमि बैंक" में पंजीकृत करते हैं, जहां से प्रतिभागी वृक्षारोपण हेतु ब्लॉक चुनते हैं।

कौन शामिल हो सकता है - पोर्टल पर पंजीकृत सरकारी निकाय, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, गैर-सरकारी संगठन, कंपनियां, परोपकारी संस्थाएं, समाज और व्यक्ति भाग ले सकते हैं।

वृक्षारोपण और क्रेडिट - दो वर्षों के भीतर वृक्षारोपण करने के बाद और 10 वर्षों तक रखरखाव करने के बाद लगाए गए वृक्षों के आधार पर क्रेडिट प्रदान किया जाता है, जिसका सत्यापन डिजिटल ट्रैकिंग, क्षेत्र निगरानी और तीसरे पक्ष के ऑडिट के माध्यम से किया जाता है।

भारतीय कार्बन बाज़ार के लिए राष्ट्रीय संचालन समिति (एनएससीआईसीएम)

1. **शासन और निरीक्षण** - एनएससी-आईसीएम विभिन्न मंत्रालयों, राज्य सरकारों और उद्योग विशेषज्ञों के प्रतिनिधियों को मंच प्रदान करता है। यह भारत के कार्बन बाजार की स्थापना और कामकाज की देखरेख करने वाला सर्वोच्च प्राधिकरण है।

समिति ऊर्जा दक्षता ब्यूरो को निम्नलिखित विषयों पर सिफारिशें प्रदान करती हैं।

- कार्बन बाज़ार को संस्थागत बनाना (प्रक्रियाएं, नियम और विनियम)।
- दायित्वपूर्ण संस्थाओं के लिए जीएचजी उत्सर्जन तीव्रता लक्ष्य तैयार करना।
- ऋण जारी करने, वैधता, नवीकरण और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए दिशा-निर्देश निर्धारित करना।
- कार्य समूहों का गठन और बाजार परिचालन की निगरानी।

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई)

भारत के ऊर्जा संरक्षण अधिनियम (2001) के अंतर्गत 2002 में स्थापित , बीईई एक अर्ध-नियामक निकाय है जो राष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता प्रयासों का नेतृत्व करती है। यह ऊर्जा की तीव्रता और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए उद्योग, भवन, परिवहन और कृषि सहित प्रमुख क्षेत्रों में नीतियां विकसित करता है, मानक निर्धारित करता है, प्रदर्शन की निगरानी करता है और अनुपालन लागू करता है।

भारत ने कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्कीम के तहत ऊर्जा संरक्षण अधिनियम और स्वैच्छिक ऋण पहलों द्वारा समर्थित एक विनियमित कार्बन मूल्य निर्धारण तंत्र की ओर कदम बढ़ाया है। जैसे-जैसे वैश्विक बाजार विकसित होते हैं और सीबीएएम जैसे साधन बाहरी दबाव बनाते हैं, भारत जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने के लिए अपनी नीतियों को उनके अनुकूल बना रहा है। उत्सर्जन तीव्रता पर ध्यान केंद्रित करके, भारत का दर-आधारित ईटीएस विशेष रूप से विकास और डीकार्बोनाइजेशन को संतुलित करने वाली अर्थव्यवस्था के लिए एक व्यावहारिक मार्ग है। मजबूत घरेलू समर्थन और एक स्पष्ट नीति प्रारूप के साथ, भारत कार्बन बाजारों में एक क्षेत्रीय प्रमुख के रूप में उभर रहा है और वैश्विक शुद्ध-शून्य ट्रांजिशन में महत्वपूर्ण योगदान के लिए तैयार है।

- हितेश शर्मा
(लेखक सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, डिण्डौरी (म.प्र.)

नि.सू.क्र./32-35/व.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यां./2025 डिण्डौरी, दिनांक 04.07.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नानुसार ई-टेण्डर ऑनलाइन डिजिटल मुहरबंद (Digitaly Scaled) डिण्डौरी जिले के अन्तर्गत Reviesd Work of Existing pipe water supply scheme हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। **https://www.mptenders.gov.in** जिसका अवलोकन वेबसाइट में किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र केवल ऊपर उल्लेखित वेबसाइट से ऑनलाइन क्रय किये जा सकते हैं। जिसके मूल्य का भुगतान इण्टरनेट बैंकिंग से किया जावेगा। निविदा दिनांक 07.07.2025 को शाम 17.00 बजे से **दिनांक 21.07.2025 शाम 17.30 बजे तक** ऑनलाइन प्रस्तुत किये जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा जिसका पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	ई निविदा क्र.	नि. सू. क्र.	वि.खं./ जिला	विवरण	अनु. लागत (PAC) (रु. लाख में)	धरोहर राशि (PAC) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	रिमार्क
1	2025_ PHED_ 435463_1	32	अमरपुर	Revised Work of Existing pipe water supply scheme at Village Bhaganwara, Nanda Mal, Nanda Ryt., Sakka Mal, Chhapri Mal, Khitgaon, Parsel Ryt., Lalpur, Hathkata, Samhar, Barsingha Mal and Jaldamudiya Block-Amarpur Distt. Dindori	232.81	232810/-	15000/-	प्रथम आमंत्रण
2	2025_ PHED_ 435464_1	33	मेंहदवानी	Revised Work of Existing pipe water supply scheme at Village Chobisa Mal, Khargwara Ryt, Bhurka Ryt, Jarhanaijhar, Kalgi Tola, Sarasdoli Mal, Kutrai Kathotiya Ryt., Block- Mehandwani Distt. Dindori	152.59	152590/-	12500/-	प्रथम आमंत्रण
3	2025_ PHED_ 435465_1	34	डिण्डौरी	Revised Work of Existing pipe water supply scheme at Village Mighrodi, Dhurra Mal, Jata Mal, Umardha, Dhangaon, Duhaniya Ryt, Jamgaon Mal, Shahpur Mal (OHT), Devri Mal, Vikrampur, Mingdi, Barchha Mal, Subkhar Ryt. Block Dindori Distt. Dindori	394.72	394720/-	15000/-	प्रथम आमंत्रण
4	2025_ PHED_ 435466_	35	डिण्डौरी	Revised Work of Existing pipe water supply scheme at Village Kailwara, Boodan, Deora, Hans nagar, Saket nagar, Block- Dindori Distt. Dindori	104.31	104310/-	12500/-	प्रथम आमंत्रण

जी-15465/51232/2025

कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड डिण्डौरी (म.प्र.)

गोंडवाना रियासत

सतपुड़ा तथा विंध्याचल पर्वत श्रेणियों और उसके मध्य में नर्मदा की घाटी में मध्यकाल के दौरान गोंडों के राज्य विकसित किये गये। गोंडों के विषय में प्राचीनता की जानकारी उनकी प्रोटोऑस्ट्रेलॉयड प्रजाति से मिलती है। यह भारतीय उपमहाद्वीप की प्राचीनतम जनजातीय समूह से संबंधित है।

मध्यप्रदेश में गोंडवाना वंश

- गढ़ा का गोंड राज्य
- देवगढ़ का गोंड राज्य
- खेरला का गोंड राज्य

गढ़ा का गोंड राज्य

गोंड वंश का राज्य जबलपुर और त्रिपुरी के मध्य गढ़ा से आरंभ हुआ। इसे गढ़ कटंगा नाम से जाना जाता रहा। कालान्तर में जब मंडला में राजधानी नियत हुई तब इसे गढ़ा मंडला के नाम से जाना जाने लगा।

गढ़ा के गोंड शासक

यादवराय (1328-1440 ई.)

गढ़ा के गोंड राजवंश का संस्थापक यादवराय को माना जाता है। इनका जन्म गोदावरी के तट पर सेहलगांव में हुआ था। मां नर्मदा की प्रेरणा से रत्नावती से विवाह कर यादवराय ने गोंड साम्राज्य की नींव रखी। 'गढेशनृपवर्णनम् अभिलेख' के अनुसार यादवराय को नागवंशीय कछवाहा राजपूत माना जाता है।

संग्रामशाह (1510-1543 ई.)

ठरका (दमोह) Aके सती लेख के आधार पर संग्रामशाह का राज्यरोहण 1510 से 1531 के मध्य हुआ था। संग्रामशाह का वास्तविक नाम आम्हणदास था। आम्हणदास को गुजरात के शासक बहादुर शाह ने रायसेन विजय में सहायता देने के कारण संग्रामशाह की उपाधि दी थी। गढ़ा राज्य के महानतम शासक संग्रामशाह के सोने का एक सिक्का मिला है, जिसमें उसे 'पुल्तस्यवंशी' कहा गया है। संग्रामशाह संस्कृत भाषा का विद्वान था। उन्होंने संस्कृत काव्यग्रंथ 'रसरत्नमाला' की रचना की इसमें मुख्यतः नौ रसों का वर्णन मिला है।

- संग्रामशाह ने चौरागढ़ का किला (नरसिंहपुर) का निर्माण करवाया।
- गढ़ा के निकट संग्राम सागर नामक एक सरोवर और बाजना मठ (जबलपुर) भी इसी शासक ने निर्मित करवाया है।
- रामनगर अभिलेख तथा गढेशनृपवर्णनम् में यह वर्णन है कि संग्रामशाह के अधीन 52 गढ़ शामिल है।
- संग्रामशाह का साम्राज्य उत्तर में पन्ना, दक्षिण में दक्कन, पूर्व में रतनपुर, पश्चिम में रायसेन तक फैला था। इनके सिक्के नर्मदा घाटी तथा तामिया क्षेत्र में प्राप्त हुये है।

दलपतशाह (1543-1550 ई.)

संग्रामशाह का ज्येष्ठ पुत्र दलपतशाह अपने पिता की मृत्यु के पश्चात 1543 ई. में राजसिंहासन पर बैठा। दलपतशाह ने राज्यरोहण के शीघ्र बाद अपनी राजधानी गढ़ा से सिंगौरगढ़ स्थानांतरित कर दी। दलपतशाह का विवाह दुर्गावती से हुआ। दलपतशाह ने मात्र 7 वर्ष तक शासन किया और 1550 में इनकी मृत्यु हो गई।

दलपतशाह अपने पिता संग्रामशाह की भांति ही कला का संरक्षक था। दलपतशाह के दरबार में महेश ठाकुर नामक विद्वान निवास करते थे जिन्होंने 'तत्वचिंतामणि' की रचना की थी।

रानी दुर्गावती (1550-1564 ई.)

रानी दुर्गावती कालिंजर के राजा कीरत सिंह की पुत्री हैं जो चंदेल वंश के अंतिम शासक थे।

1550 ई. में दलपतशाह की असमय मृत्यु के कारण उत्पन्न हुई विषम परिस्थितियों तथा दलपतशाह के पुत्र वीरनारायण देव की अल्प आयु के कारण वीरनारायण देव को उत्तराधिकारी घोषित कर संरक्षिका के तौर पर रानी दुर्गावती ने अपने राज्य की बागडोर अपने हाथों में ली।

- रानी दुर्गावती ने अपनी राजधानी सिंगौरगढ़ से चौरागढ़ में स्थानांतरित की।
- रानी दुर्गावती के काल को गोंडवाना का स्वर्णिम युग कहा गया है जिसका उल्लेख अबुल फजल के अपनी रचना 'आइन-ए-अकबरी' में भी किया है।
- दुर्गावती के राज्यारोहन के समय अधिकांश पड़ोसी राज्य सशक्त बनने की ओर अग्रसर थे। दुर्गावती के शासन के समय 1556 ई. में मालवा के शासक बाजबहादुर ने गढ़ा पर आक्रमण किया जिसमें बाजबहादुर की पराजय हुई।
- वर्ष 1564 में मुगल बादशाह अकबर के सेनापती आसफ खाँ ने सर्वप्रथम दमोह पर आक्रमण किया, इस आक्रमण की सूचना जब रानी को मिली तो इस स्थिति को युद्ध के अनुकूल ना जानकर नाराई चली गई।
- नाराई में आसफ खाँ ने रानी दुर्गावती पर आक्रमण किया।
- 1564 में जबलपुर के पास नारई नाले के किनारे युद्ध हुआ जिसमें हाथियों में सर्वश्रेष्ठ हाथी सरगना पर बैठकर रानी ने युद्ध का नेतृत्व किया। युद्ध में प्रतिकूल परिस्थितियों को देखकर रानी स्वयं को कटार भोककर वीरगति को प्राप्त हुई। 1564 में रानी दुर्गावती तथा मुगलों के मध्य हुआ यह युद्ध 'नारई के युद्ध' के नाम से जाना जाता है।

रानी दुर्गावती कुशल प्रशासक के रूप में

रानी दुर्गावती के काल को गोंडवाना का स्वर्णिम युग कहा गया है। रानी दुर्गावती के समय के गोंडवाना क्षेत्र की समृद्धि की प्रशंसा अबुल फजल ने अपनी पुस्तक में की है जिसमें लिखा गया है कि रानी दुर्गावती के राज्य में प्रजा, स्वर्ण मुद्राओं तथा हाथियों में कर अदा करती थी।

उर्वरा सर्वतो भूमिः मध्यतो नर्मदा नदी।
विज्ञा दुर्गावती राध्नि गढ़ राज्ये त्रयोगुणः।

अर्थात, गढ़ा राज्य में चारों ओर उपजाऊ भूमि है। बीच में नर्मदा नदी है तथा विदूषी दुर्गावती वहां की रानी हैं।

विशेष

- रानी दुर्गावती की समाधि बरेला जबलपुर में है।
- वर्ष 2024 में मोटे अनाज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश सरकार ने रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना शुरू की।
- भारत शासन द्वारा जून 1988 में रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर डाक टिकट जारी किया गया। 24 जून को बलिदान दिवस के रूप में मनाया जाता है।

मधुकर शाह (1576-1586 ई.)

1576 में मधुकरशाह गोंड रियासत की गद्दी पर बैठा। मुगलों के प्रति आभार प्रकट करने के लिये मुगल दरबार में पहुंचने वाला पहला गोंड शासक था।

मधुकरशाह ने अपने भाई की धोखे से हत्या कर दी थी। इस कृत्य का मधुकरशाह को इतना पछतावा हुआ कि उसने खुद को पीपल के एक खोखले पेड़ में बंद कर आग लगवा दी और अपने प्राण देकर प्रायश्चित किया।

हृदयशाह (1635-1671 ई.)

हृदयशाह गोंड वंश का कला संरक्षक शासक था। वह युवावस्था से ही मुगल दरबार में सेवा देने के कारण मुगल प्रशासन का कृपापात्र था।

- हृदयशाह ने सतपुड़ा के सघन वनों के मध्य नर्मदा नदी के दक्षिणी तट पर रामनगर बसाया और उसे अपनी राजधानी बनाया।
- मंडला के निकट हृदय नगर की स्थापना तथा मंडला में आयताकार पद्धति से मोतीमहल का निर्माण।
- मंडला में बघेलिन महल का निर्माण तथा रायभगत कोठी का निर्माण।
- हृदयशाह स्वयं संगीतकार था, उसने हृदय कौतुक और हृदय प्रकाश की रचना की।

विशेष : हाल ही में मध्यप्रदेश सरकार ने मंडला मेडिकल कॉलेज का नाम बदलकर हृदयशाह मेडिकल कॉलेज कर दिया है।

छत्रशाह (1672-1684 ई.)

हृदयशाह के पश्चात उसका जेष्ठ पुत्र छत्रशाह 1672 ई. में शासक बना। इसका सर्वप्रमाणिक साक्ष्य ठर्का (दमोह) में मिलता है। इन्हीं के शासनकाल में औरंगजेब के दक्षिण अभियान प्रारंभ हुआ जो कालांतर में गोंड साम्राज्य के अस्तित्व की समाप्ति का मुख्य कारण बना। छत्रशाह के समय प्रणामी संप्रदाय के दूसरे प्रसिद्ध गुरु महाप्रभु प्राणनाथ के रामनगर प्रवास का विवरण प्रणामी संप्रदाय के ग्रंथों में मिलता है।

शंकरशाह

गढ़ा मंडला के गोंड शासक शंकरशाह का जन्म 1783 में हुआ, यह महारानी दुर्गावती के प्रतापी वंशज थे, जिन्होंने 1857 की क्रांति का नेतृत्व महाकौशल क्षेत्र में किया।

1857 की क्रांति के समय शंकरशाह कंपनी के पेंशनर थे तथा पुरवा में अपने पुत्र रघुनाथ शाह के साथ निवास कर रहे थे। जबलपुर में स्वतंत्रता संग्राम का उद्भव शंकरशाह के प्रयासों से ही हुआ जो सर्वप्रथम अंग्रेजी साम्राज्यवाद के विरुद्ध खड़े हुये।

1857 की क्रांति में जबलपुर का नेतृत्व शंकरशाह ने किया जिसकी स्थिति तत्कालीन समय के झांसी, कानपुर, अवध तथा मेरठ की तरह ही थी।

सितम्बर, 1857 को शंकरशाह तथा उनके पुत्र रघुनाथ शाह को कैप्टन क्लर्क द्वारा बंदी बनाकर दोनों को तोप से उड़ा दिया।

अवंतीबाई

अवंतीबाई गढ़ा मंडला के अंतर्गत रामगढ़ जागीर की शासिका थीं। जिन्होंने 1857 की क्रांति में भाग लिया। तत्कालीन समय में रामगढ़ रियासत के अंतर्गत लगभग 100 गांव थे, जिसे अंग्रेजों द्वारा हड़पना चाहा, जिसका विरोध रानी अवंतीबाई ने किया। जिसमें गोंड शासक शंकरशाह ने अवंतीबाई का सहयोग किया था।

1 अप्रैल 1858 में रानी अवंतीबाई ने लैफ्टिनेंट वार्टन के साथ संघर्ष किया। बाद में वे स्वयं को तलवार मारकर वीरगति को प्राप्त हो गई।

देवगढ़ का गोंड राज्य

देवगढ़ का गोंड राज्य सतपुड़ा के अंचल में 16वीं सदी के अंत में अस्तित्व में आया। यह राज्य प्रारंभ में गढ़ा मंडला के गोंड राज्य के अधीन रहा और 1564 ई. में गढ़ा राज्य पर मुगल बादशाह अकबर की विजय के बाद गढ़ा राज्य मुगल साम्राज्य का हिस्सा हो गया।

देवगढ़ के गोंड राज्य का विस्तार पूर्व में बैनगंगा नदी व पश्चिम में वर्धा नदी व उत्तर में छपारा (सिवनी) तथा दक्षिण में चांदा (महाराष्ट्र) तक फैला हुआ था।

प्रमुख शासक

घुरवा राजा जाटबा प्रथम

ये गढ़ा मंडला के शासक प्रेमशाह के समकालीन, इन्हें देवगढ़ किले के निर्माण का श्रेय दिया जाता है। देवगढ़ के शासक के रूप में जाटबा का उल्लेख अकबरनामा तथा आइन-ए-अकबरी दोनों में मिलता था। जिससे स्पष्ट है कि देवगढ़ के गोंड सत्ता का संस्थापक जाटबा ही था। जाटबा के शासनकाल में देवगढ़ राज्य की सीमा पूर्व में वैनगंगा नदी, पश्चिम में वर्धा नदी, उत्तर में छपारा और दक्षिण में चांदा तक फैली हुई थी।

गोरखशाह

औरंगजेब को लगान न देने के कारण कोकशाह द्वितीय गोरखशाह ने औरंगजेब की अधीनता स्वीकार कर ली थी। गोरखशाह ने अपना धर्म छोड़कर इस्लाम धर्म अपना लिया और नाम 'इस्लाम यारखान' रख लिया।

चाँद सुल्तान

चाँद सुल्तान ने राजधानी देवगढ़ से नागपुर स्थानांतरित की। इनके समय 1743 में वास्तविक अधिकार रघुजी भोसले (मराठों) के हाथ में आ गया तथा देवगढ़ का गोंड राज्य समाप्त हो गया।

खेरला का गोंड राज्य

खेरला राज्य का विस्तार बैतूल, अमरावती तक था। खेरला का किला बैतूल जिले में स्थित है तथा खेरला राज्य को बदनूर के नाम से जाना जाता था। मराठी ग्रंथ विवेकसिंधु में खेरला राज्य का वर्णन मिलता है। खेरला राज्य का विस्तृत प्रामाणिक उल्लेख फरिश्ता की कृति 'तारीख-ए-फरिश्ता' में मिलता है।

खेरला राज्य के प्रमुख शासक राजा इल, नरसिंहराय तथा जैतपाल थे। मुगलों के आक्रमण से परेशान होकर तथा मुगलों के हमलों से बचने के कारण इन्होंने मुगलों से समझौता कर लिया और जिसके तहत खेरला किले का नाम बदल कर मेहमूदाबाद कर दिया।

गोंडकालीन स्थापत्य

गोंड सत्ता का अभ्युदय भारतीय वास्तुकला की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण काल था। गोंडकाल में वास्तुकला, स्थापत्य की उन्नति चर्मोत्कर्ष पर थी जो यह विशेष रूप से गोंडवाना शासक संग्रामशाह के शासनकाल में तेजी से उभरकर आई।

- गढ़ा स्थित दुर्ग का निर्माण गोंडवंशीय शासक मदनशाह द्वारा 1116 ई. में कराया गया था। जिसका नामकरण इन्हीं शासक के आधार पर मदनमहल किया गया।
- चौरागढ़ दुर्ग का निर्माण नरसिंहपुर जिले में संग्रामशाह के द्वारा करवाया गया था। यह किला सतपुड़ा पर्वत श्रेणी के विस्तार में है।
- गोंड शासक संग्रामशाह भैरव भक्त थे उन्होंने जबलपुर के समीप 'बटुक भैरव' का मठ बनवाया था। यह एक प्रसिद्ध तांत्रिक मंदिर है।
- संग्राम सागर गोंड नरेश संग्रामशाह द्वारा निर्मित एक विशाल तालाब है, इसका निर्माण सिंचाई के प्रयोजन के अलावा तांत्रिक उद्देश्यों के लिये भी कराया गया था।
- गोंड शासक हृदयशाह द्वारा मध्ययुगीन ऐतिहासिक गांव रामनगर बसाया गया। रामनगर में हृदयशाह तथा अन्य गोंड राजाओं द्वारा निर्मित दुर्ग भग्नावशेष के रूप में विद्यमान है।

- श्रद्धा सुमन

(लेखिका, विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं के विषयों पर लेखन करती हैं।)

स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास कार्यों की गति और गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता

भोपाल, उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने भोपाल में विभागीय अधोसंरचना विकास कार्यों की गहन समीक्षा की। बैठक में राज्य योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, 15वां वित्त आयोग एवं प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की। उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की प्रगति नियमित रूप से मॉनिटर की जाए और सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए।

श्री शुक्ल ने कहा कि अप्रारंभ कार्यों की समयबद्ध शुरुआत सुनिश्चित की जाए तथा लंबित निविदाओं की प्रक्रिया को तेजी से पूर्ण किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि हर परियोजना की प्रोजेक्टवार समीक्षा की जाए और यह देखा जाए कि बजट के उपयोग में पारदर्शिता, समयबद्धता और उचित तकनीकी गुणवत्ता सुनिश्चित हो।

श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि प्रत्येक योजना की मासिक समीक्षा की जाए और कार्यों की प्रगति की फील्ड मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित कार्यों की समय-सीमा निर्धारित कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

तकनीकी मानव संसाधन की नियुक्ति शीघ्र हो

उपमुख्यमंत्री ने विभाग में रिक्त पड़े तकनीकी पदों की शीघ्र भर्ती के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए, तकनीकी मैन पावर की नियुक्ति अत्यावश्यक है। अधोसंरचना विकास के 2949 कार्य स्वीकृत हैं, जिनमें से 1972 कार्य पूर्ण तथा 754 कार्य प्रगति पर हैं। चालू वितीय वर्ष की पहली तिमाही में 335 कार्यों का सफलतापूर्वक निष्पादन हुआ है। इन परियोजनाओं के लिए 2483.37 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है, जिसके विरुद्ध अब तक 729.52 करोड़ रुपये का व्यय हो चुका है। भोपाल में सर्वाधिक 480 कार्य स्वीकृत हुए हैं, जिसमें 306 कार्य पूर्ण हुए हैं एवं 121.10 करोड़ रुपये व्यय किया गया है। जबलपुर संभाग ने 147.69 करोड़ रुपये के व्यय के साथ सर्वाधिक वित्तीय प्रगति दर्ज की है। राज्यस्तरीय योजना मद के अंतर्गत 285 कार्य स्वीकृत, जिनमें 156 पूर्ण/हस्तांतरित एवं 118 कार्य प्रगति पर हैं। 9 कार्य अप्रारंभ हैं एवं 2 कार्य निविदा स्तर पर हैं। जबलपुर (37.28 करोड़ रुपये), भोपाल (39.41 करोड़ रुपये) और रीवा (33.01 करोड़ रुपये) सहित सभी संभागों में योजनाओं की सतत प्रगति जारी है।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

वैदिककालीन शिक्षा

1. वाजसनेयी संहिता का संबंध निम्नलिखित में से किस शाखा से है?
अ. ऋग्वेद ब. सामवेद
स. यजुर्वेद द. अथर्ववेद
उत्तर- स. यजुर्वेद (शुक्ल)

2. 'पिप्पलाद' निम्नलिखित में से किस वेद की शाखा से संबंधित है?
अ. सामवेद ब. अथर्ववेद
स. ऋग्वेद द. यजुर्वेद
उत्तर- ब. अथर्ववेद

3. उत्तर वैदिककालीन शब्द 'पालागल' से क्या तात्पर्य है?
अ. वित्त मंत्री ब. संदेशवाहक
स. रथ सेना नायक द. ग्राम प्रमुख
उत्तर- ब. संदेशवाहक

4. निम्नलिखित में से कौन सा सुमेलित नहीं है?

नदी		प्राचीन नाम
अ. झेलम	-	वितस्ता
ब. सतलुज	-	द्रषद्वती
स. काबुल	-	कुंभा
द. व्यास	-	विपाशा

उत्तर- ब. सतलुज - द्रषद्वती

5. निम्नलिखित में से किस स्थान से 'शवाधान R37' प्राप्त हुआ है?
अ. राखीगढ़ी ब. हड़प्पा
स. मोहनजोदड़ो द. कालीबंगा
उत्तर- ब. हड़प्पा

6. निम्नलिखित में से सम्राट अशोक के कौन से शिलालेख में कलिंग युद्ध का वर्णन किया गया था?
अ. तीसरे ब. तेरहवां
स. चौथा द. दसवां
उत्तर- ब. तेरहवां

7. अल मसूदी निम्नलिखित में से किस शासक के समय भारत आया था?
अ. महिपाल-I ब. गोविन्द चन्द
स. यश पाल द. मिहिर भोज
उत्तर- अ. महिपाल-I

8. निम्नलिखित में से शैव संतों के कौन से लेखन संग्रह को पांचवां वेद भी समझा जाता है?
अ. तोल्कापियम
ब. सिल्पद्दीकरन
स. मणिमेखलय
द. तिरुमुरई
उत्तर- द. तिरुमुरई

9. निम्नलिखित में से किस हड़प्पा स्थल पर नालियों और जलाशयों एवं जल संचयन के माध्यम से परिष्कृत जल संरक्षण की खोज की गई थी?
अ. मेहरगढ़ ब. मोहनजोदड़ो
स. धोलावीरा द. लोथल
उत्तर- स. धोलावीरा

10. निम्न में से किस हड़प्पाकालीन स्थल से हड़प्पा लिपि में बहुत बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा हुआ एक लघु अभिलेख प्राप्त हुआ है?
अ. बणाबली ब. धोलावीरा
स. कालीबंगा द. मोहनजोदड़ो
उत्तर- ब. धोलावीरा

11. निम्नलिखित में से कौन सी नदी त्रयवैदिककाल में आर्यों एवं अफगानिस्तान के संबंध को सूचित करती है?
अ. कुंभा ब. परूष्णी
स. अस्किनी द. शुतुद्री
उत्तर- अ. कुंभा

12. निम्नलिखित में से कौन से राजदूत को ग्रीक राजाओं के द्वारा पाटलीपुत्र में नहीं भेजा गया था?
अ. मेगस्थनीज ब. डाइमेकस
स. पैट्रोनिक्स द. डायोनिसस
उत्तर- स. पैट्रोनिक्स

13. निम्नलिखित में से किस नगर का प्राचीन नाम 'महोदया' था?
अ. इलाहबाद ब. कन्नौज
स. खजुराहो द. पटना
उत्तर- ब. कन्नौज

14. गुर्जर प्रतिहार शासकों में से किसकी उपाधि 'आदि वराह' थी?
अ. वत्सराज ब. नागभट्ट-II
स. मिहिर भोज द. नागभट्ट-I
उत्तर- स. मिहिर भोज

15. निम्नलिखित में से किस शासक द्वारा चित्तौड़ के 'त्रिभुवन नारायण' मंदिर का निर्माण करवाया था?
अ. राणा प्रताप
ब. राजा धंग
स. परमार राजा भोज
द. पृथ्वीराज चौहान
उत्तर- स. परमार राजा भोज

16. निम्नलिखित में से किसको खगोलीय उपकरणों के सुव्यवथित विवरण वाली पहली उपलब्ध भारतीय पुस्तक माना जाता है?
अ. आर्यभट्टीया
ब. सूर्य सिद्धांत
स. ब्रह्मस्फुट सिद्धांत
द. खंड खाद्य
उत्तर- स. ब्रह्मस्फुट सिद्धांत

17. भारतीय इतिहास के संदर्भ में 'कुल्यावाप' तथा द्रोणावाप शब्द क्या निर्दिष्ट करते हैं?
अ. भू- माप
ब. विभिन्न मौद्रिक मूल्यों के सिक्के
स. नगर की भूमि का वर्गीकरण
द. धार्मिक अनुष्ठान
उत्तर- अ. भू- माप

18. सिद्धमात्रिका लिपि को किस अन्य नाम से भी जाना जाता है?
अ. खरोष्ठी लिपि ब. कुटिल लिपि
स. ग्रंथ लिपि द. शारदा लिपि
उत्तर- ब. कुटिल लिपि

19. हर्षचरित आठ अध्यायों में विभक्त है, जिन्हें कहा जाता है?
अ. उच्छ्वास ब. अधिकरण
स. सर्ग द. तरंग
उत्तर- अ. उच्छ्वास

20. 'कीर्तिकौमुदी' नामक ग्रंथ के लेखक कौन हैं?
अ. राजशेखर ब. मेरूतुंग
स. उदयप्रभा द. सोमेश्वरदेव
उत्तर- द. सोमेश्वरदेव

21. निम्नलिखित चोल शासकों में से मालदीव की विजय करने वाला प्रथम शासक कौन था?
अ. राजराजा-I ब. राजेन्द्र-I
स. राजाधिकराज द. राजैन्द्र-II
उत्तर- अ. राजराजा-I

22. दण्डि रचित 'अवंतिसुन्दरी कथा' में मुख्य रूप से किस शासक के शासनकाल की जानकारी मिलती है?
अ. शिवस्कंद वर्मन
ब. नरसिंह वर्मन
स. महेन्द्र वर्मन
द. सिंह विष्णु
उत्तर- द. सिंह विष्णु

23. गंगेकोण्ड चोलपुरम् में किसने बृहदीश्वर मंदिर का निर्माण कराया?
अ. गजाधिराज ब. राजेन्द्र-II
स. राजराज-I द. राजेन्द्र-I
उत्तर- द. राजेन्द्र-I

24. शिक्षा के प्रसिद्ध केन्द्र, सोमपुर महाविहार की स्थापना किसने की थी?
अ. देवपाल ब. धर्मपाल
स. विजयसेन द. हर्षवर्धन
उत्तर- ब. धर्मपाल

25. दिलवाड़ा का विमलवसाही मंदिर निम्नलिखित में से किसे समर्पित है?
अ. आदिनाथ ब. बाहुबली
स. पार्श्वनाथ द. नेमीनाथ
उत्तर- अ. आदिनाथ

26. भारत के किस अभिलेख में शून्य का प्रमाण मिलता है?
अ. आदित्यसेन का अपसद अभिलेख
ब. भोजदेव का ग्वालियर अभिलेख
स. गौतमीपुत्र शातकर्णी का नासिक अभिलेख
द. खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख
उत्तर- ब. भोजदेव का ग्वालियर अभिलेख

27. गोविन्दचन्द गढ़वाल की रानी कुमारदेवी ने निम्न में से किस स्थान पर बौद्ध विहार बनवाया था?
अ. बोधगया ब. नालन्दा
स. सारनाथ द. श्रावस्ती
उत्तर- स. सारनाथ (धर्मचक्रजिन विहार)

28. निम्नलिखित में से किस स्थान से सम्राट अशोक का मूर्तिकला में अंकन प्राप्त हुआ है?
अ. कुम्रहार ब. भाब्रू
स. कंगनहल्ली द. हथनौरा
उत्तर- स. कंगनहल्ली

29. निम्नलिखित में से किस शासक को 'गंगैकोंड चोल' अर्थात् गंगा को विजित करने की उपाधि प्रदान की गई थी?
अ. पुलकेशिन-II
ब. नरसिंह वर्मन
स. राजेन्द्र-I
द. महेन्द्र-I
उत्तर- स. राजेन्द्र-I

30. 'आर्ष विवाह' की परम्परा क्या थी?
अ. जिसमें वधू का पिता वर को गौ युगल देता था
ब. जिसमें वधू का पिता वर से गौ युगल लेता था
स. जिसमें वर अपहरण द्वारा विवाह होता था
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- ब. जिसमें वधू का पिता वर से गौ युगल लेता था

31. ऋग्वेद में 'तसर' शब्द का प्रयोग निम्नलिखित में से किस हेतु हुआ है?
अ. रथ हेतु
ब. लगाम हेतु
स. जुलाहे की दरकी
द. बुनकर हेतु
उत्तर- स. जुलाहे की दरकी

32. निजामुद्दीन पानीपति द्वारा किसके शासनकाल में 'योग वशिष्ठ' का फारसी में अनुवाद किया गया था?
अ. अकबर ब. औरंगजेब
स. हुमायूं द. शाहजहां
उत्तर- अ. अकबर

33. निम्नलिखित में से किस वंश के शासकों द्वारा भारत में सर्व- प्रथम द्विभाषी/द्विलिपीय सिक्कों का प्रचलन करवाया?
अ. सातवाहन ब. कुषाण
स. हिन्द यूनानी द. पार्थियन
उत्तर- स. हिन्द यूनानी

34. बौद्ध धर्म में आप 'वेसाक' से क्या समझते हैं?
अ. बौद्ध मंत्रोच्चारण से
ब. बुद्ध के जन्म से
स. बौद्ध भिक्षुओं के वस्त्रों से
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- ब. बुद्ध के जन्म से

35. निम्नलिखित में से अशोक के कौन से दो शिलालेखों में संगम राज्यों का उल्लेख है?
अ. तीसरा, दसवां
ब. दूसरा और तेरहवां
स. छटा और नोवां
द. चौथा, चोहदवां
उत्तर- ब. दूसरा और तेरहवां

36. मौर्यकाल में प्रचलित शब्द 'विष्टि' का क्या अर्थ है?
अ. वैवाहिक अनुष्ठान
ब. प्रांत
स. निःशुल्क श्रम शक्ति
द. जिला
उत्तर- स. निःशुल्क श्रम शक्ति

37. निम्नलिखित में से किस ग्रंथ को 'तमिल काव्य का आडिशस' कहा जाता है?
अ. तोल्लप्पियम
ब. कुरल
स. शिलप्पादिकारम
द. मणिमेकलई
उत्तर- द. मणिमेकलई

38. ब्राह्मणों एवं बौद्ध भिक्षुओं को कर मुक्त भूमि या गांव (भूमि अनुदान) देने की प्रथा किन शासकों द्वारा आरम्भ की गई थी?
अ. सातवाहन ब. मौर्य
स. गुप्त द. चोल
उत्तर- अ. सातवाहन

39. सुदर्शन झील, जिसका निर्माण चन्द्रगुप्त मौर्य के गवर्नर पुष्यगुप्त के द्वारा करवाया गया, इसकी दूसरी बार मरम्मत किसके द्वारा करवाई गई थी?
अ. समुद्रगुप्त ब. स्कंदगुप्त
स. चन्द्रगुप्त-I द. चन्द्रगुप्त-II
उत्तर- ब. स्कंदगुप्त

40. निम्न में से कौन सा शासक 'गुलरुखी' नाम से कविताएं लिखता था?
अ. इब्नबतूता
ब. जियाउद्दीन बरनी
स. सिंकदर लोधी
द. फरिश्ता
उत्तर- स. सिंकदर लोधी

41. निम्नलिखित में से किस स्थान पर शाक्यों द्वारा गौतम बुद्ध के शरीर अवशेषों पर स्तूप का निर्माण करवाया था?
अ. लुम्बिनी ब. निग्लीया
स. पिपरहवा द. सहेत-महेत
उत्तर- स. पिपरहवा

42. 'अट्ठकथा' नामक प्राचीन ग्रंथ का संबंध निम्नलिखित में से किस धर्म से है?
अ. जैन ब. बौद्ध
स. शैव द. आजीवक
उत्तर- ब. बौद्ध

43. ग्यारह सिरों के बोधिसत्व का अंकन निम्नलिखित में से किस शैलकृत गुफा से प्राप्त हुआ है?
अ. अंजता ब. एलोरा
स. कन्हेरी द. कार्ले
उत्तर- स. कन्हेरी

44. 'अहम् ब्रह्मस्मि' नामक प्रसिद्ध सूक्ति को किस ग्रंथ से लिया गया है?
अ. छांदोग्योपनिषद्
ब. बृहदारण्यकोपनिषद्
स. माण्डुक्योपनिषद्
द. मुण्डकोपनिषद्
उत्तर- ब. बृहदारण्यकोपनिषद्

45. वैदिककालीन शब्द 'गोधूम' से आप क्या समझते हैं?
अ. गेहूं ब. गौ शाला
स. गावित्री द. जौ
उत्तर- अ. गेहूं

46. सरस्वती नदी की कौन सी सहायक नदियों का उल्लेख ऋग्वेद में किया गया है?
अ. दृषद्वती, आपया
ब. सिंधु, चिनाब
स. रावी, झेलम
द. सिंधु, रावी
उत्तर- अ. दृषद्वती, आपया

47. निम्नलिखित में से अशोक के किस अभिलेख से यह ज्ञात होता है कि अशोक ने लुम्बिनी में राजकीय कर की दर को कम कर दिया था?
अ. रुम्मिनदेई स्तम्भ लेख
ब. मास्की शिलालेख
स. शाहबादगढ़ी शिलालेख
द. कंधार शिलालेख
उत्तर- अ. रुम्मिनदेई स्तम्भ लेख

48. 'भारत-वर्ष-शब्द' के ऐतिहासिक रूप में निम्नलिखित में से किस शिलालेख में दर्ज होने की मान्यता है?
अ. खारवेल का हाथीगुम्फा शिलालेख
ब. जूनागढ़ अभिलेख
स. हेलियोडोरस स्तंभ लेख
द. प्रयाग प्रशस्ति अभिलेख
उत्तर- अ. खारवेल का हाथीगुम्फा शिलालेख

49. निम्नलिखित में से किस शासक के द्वारा गंगैकोण्डचोलपुरम् में बृहदीश्वर मंदिर का निर्माण कराया?
अ. गजधिराज
ब. कृष्णदेवराय
स. राजेन्द्र-I
द. राजाराज-I
उत्तर- स. राजेन्द्र-I

- कृतिका जावरिया
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करती हैं)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

पद का नाम - परिवहन उप निरीक्षक
पदों की संख्या - 35
योग्यता - ऑटोमोबाइल/मैकेनिकल विषय में उपाधि अथवा किसी भी विषय में स्नातक उपाधि।
अंतिम तिथि - 19 जुलाई, 2025
वेब. - https://mppsc.mp.gov.in

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय

पद का नाम - परियोजना अभियंता, प्रशासनिक अधिकारी, संरक्षण एसोसिएट, वरिष्ठ कलाकार, पुस्तकालय एवं सूचना सहायक, संग्रहालय एसोसिएट, प्रतिरूपण सहायक, संग्रहालय सहायक, सुरक्षा सहायक, वरिष्ठ लिपिक, आईटी प्रोफेशनल
पदों की संख्या - 16
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 22 जुलाई, 2025
वेबसाइट - https://igrms.gov.in

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड

पद का नाम - ग्राम विकास अधिकारी
पदों की संख्या - 850
योग्यता - किसी भी विषय में स्नातक या अन्य समकक्ष योग्यता।
अंतिम तिथि - 18 जुलाई 2025
वेब. - https://rssb.rajasthan.gov.in

बामर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड

पद का नाम - सुपरवाइजरी ट्रेनी (मैकेनिकल, कैमिकल, पेट्रोकैमिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, लेदर टेक्नोलॉजी)
पदों की संख्या - 32
योग्यता - मान्यता प्राप्त संस्थान से न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ संबंधित विषय में डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग होना अनिवार्य है।
अंतिम तिथि - 22 जुलाई, 2025
वेब. - https://www.balmerlawrie.com

आईबीपीएस

पद का नाम - प्रोबेशन ऑफिसर/मैनेजमेंट ट्रेनी
पदों की संख्या - 5208
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री।
अंतिम तिथि - 21 जुलाई, 2025
वेबसाइट - https://www.ibps.in

कर्मचारी चयन आयोग

पद का नाम - कंबाइंड हायर सेकेंडरी लेवल परीक्षा - लोअर डिवीजन क्लर्क, जूनियर सेक्रेटेरिएट असिस्टेंट, डाटा एंट्री ऑपरेटर (डीईओ), डाटा एंट्री ऑपरेटर
पदों की संख्या - 3131
योग्यता - लोअर डिवीजन क्लर्क, जूनियर सेक्रेटेरिएट असिस्टेंट, डाटा एंट्री ऑपरेटर पद के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा बारहवीं या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो तथा डाटा एंट्री ऑपरेटर (डीईओ) पद के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से गणित और विज्ञान संकाय के साथ कक्षा बारहवीं या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो।
अंतिम तिथि - 18 जुलाई, 2025
वेबसाइट - https://ssc.nic.in

पवन हंस लिमिटेड

पद का नाम - महाप्रबंधक (इंजीनियरिंग), प्रबंधक (एफओक्यूए), ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी (जीईटी), एसोसिएट फ्लाइट इंजीनियर, एसोसिएट केबिन क्रू
पदों की संख्या - 33
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 21 जुलाई, 2025
वेब. - https://www.pawanhans.co.in

गुजरात स्टेट इलेक्ट्रीसिटी कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम - इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक, विद्युत सहायक (जूनियर इंजीनियर), विद्युत सहायक (प्लांट अटेंडेंट)
पदों की संख्या - 240
योग्यता - इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक पद के लिए मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से डिप्लोमा (इंस्ट्रूमेंट एंड कंट्रोल) तथा विद्युत सहायक (जूनियर इंजीनियर) पद के लिए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बीई/बीटेक डिग्री और विद्युत सहायक (प्लांट अटेंडेंट) पद के लिए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग डिप्लोमा हो।
अंतिम तिथि - 24 जुलाई, 2025
वेबसाइट - https://www.gsecl.in

भारतीय तटरक्षक बल

पद का नाम - असिस्टेंट कमांडेंट (सामान्य ड्यूटी), असिस्टेंट कमांडेंट (टेक्निकल)
पदों की संख्या - 170
योग्यता - असिस्टेंट कमांडेंट (सामान्य ड्यूटी) पद के लिए किसी भी विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री तथा असिस्टेंट कमांडेंट (टेक्निकल) पद के लिए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से नेवल आर्किटेक्चर/मैकेनिकल/मरीन/ऑटोमोटिव/मैकाट्रॉनिक्स/इंडस्ट्रीयल एंड प्रोडक्शन/एयरोनॉटिक्स/एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में डिग्री।
अंतिम तिथि - 23 जुलाई, 2025
वेबसाइट - https://joinindiancoastguard.cdac.in

एडमिशन अलर्ट

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड समुद्री इंजीनियरिंग प्रशिक्षण संस्थान

पाठ्यक्रम का नाम - एक वर्षीय पूर्व-समुद्री जीएमई पाठ्यक्रम, आईएमईसी इंडियन जीएमई प्रशिक्षण कार्यक्रम
योग्यता - एक वर्षीय पूर्व-समुद्री जीएमई पाठ्यक्रम के लिए बीटेक (यांत्रिकी/नौ वास्तुविद्या/समुद्री इंजीनियरिंग) तथा आईएमईसी इंडियन जीएमई प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ यांत्रिकी इंजीनियरिंग उत्तीर्ण हो। आवेदक के पास वैध पासपोर्ट होना अनिवार्य है।
सीट संख्या - एक वर्षीय पूर्व-समुद्री जीएमई पाठ्यक्रम के लिए 120 सीटें हैं तथा आईएमईसी इंडियन जीएमई प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए 25 सीटें हैं।
अंतिम तिथि - 20 जुलाई, 2025
वेब. - https://cochinshipyard.in

इंडो जर्मन टूल रूम

पाठ्यक्रम का नाम - टूल एवं डाई मेकिंग में डिप्लोमा, मेकाट्रॉनिक्स में डिप्लोमा, टूल एवं डाई टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा, मशीनिस्ट, तकनीशियन मेकाट्रॉनिक्स, कम्प्यूटर ऑपरेटर और प्रोग्रामिंग सहायक, वेल्डर (फैब्रिकेशन और फिटिंग), मशीनिस्ट टूल रूम में सर्टिफिकेट
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा दसवीं उत्तीर्ण हो
अंतिम तिथि - 24 जुलाई, 2025
वेब. - https://www.igtrahd.com

मध्यप्रदेश की नदियां

जमदार नदी : टीकमगढ़ जिले में पर्यावरण कृषि, आध्यात्मिक पर्यटन का है आधार स्तंभ

मध्यप्रदेश की धरती को प्रकृति ने नदियों की विपुलता से समृद्ध किया है। इसलिए प्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है। नदियां जीवन और प्रकृति संवर्धन का आधार है। नदी तट पर कई संस्कृतियों का निर्माण और विकास हुआ है। जल, जीवन की इस विरासत से आपको परिचित करवाने के लिए रोज़गार और निर्माण में मध्यप्रदेश की नदियां स्तम्भ शुरू किया है। इस अंक में प्रस्तुत है मध्यप्रदेश की जमदार नदी का परिचय -

मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड अंचल में प्राकृतिक संपदाओं की लंबी श्रृंखला है, जिसमें नदियां, पर्वत, तालाब और जलस्रोत शामिल हैं। इन्हीं श्रृंखलाओं में से एक है जमदार नदी जो टीकमगढ़ जिले की सांस्कृतिक और कृषिगत पहचान का अभिन्न अंग बन चुकी है। यह नदी जितनी भूगोल और जलशक्ति के लिए प्रसिद्ध है, उतनी ही यहां के समाज, कृषि, पर्यटन और धार्मिक जीवन में भी रची-बसी है।

जमदार नदी का उद्गम स्थल

जमदार नदी का उद्गम टीकमगढ़ जिले की दक्षिणी-पश्चिमी दिशा में स्थित पठारी क्षेत्रों से होता है। यह नदी टीकमगढ़ के पहाड़ी इलाकों में छोटे-छोटे झरनों और जलधाराओं से जन्म लेती है, जो आगे बढ़ते हुए एक प्रमुख जलधारा का स्वरूप धारण कर लेती है। इसका उद्गम स्थल टीकमगढ़ के ग्रामीण अंचल का आधार है। जमदार नदी का चट्टानों के बीच से बहता निर्मल जल समूचे क्षेत्र को ऊर्जा प्रदान करता है। यह नदी वर्षा आधारित जल निकासी प्रणाली का हिस्सा है। मानसून के समय यह नदी पानी से समृद्ध रहती है।

नदी की कुल लंबाई और चौड़ाई

जमदार नदी की कुल लंबाई लगभग 55 किलोमीटर मानी जाती है। इसकी औसत चौड़ाई 20 से 30 मीटर के बीच रहती है, हालांकि बरसात के समय यह 50 मीटर तक फैल जाती है। नदी की गहराई भी अलग-अलग स्थानों पर भिन्न होती है। शुष्क मौसम में यह कई जगहों पर छोटे तालाबों और जल कुंडों के रूप में रहती है। बरसात के बाद यह अपने प्रवाह से आसपास के गांवों, खेतों और चरागाहों को सींचती हैं। यह नदी बुंदेलखंड के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र में सूखा आम समस्या रही है।

जमदार नदी का महत्व और प्रसिद्धि

जमदार नदी स्थानीय कृषक समुदाय की जीवनरेखा कही जाती है। इसका पानी खेतों में सिंचाई के लिए उपयोग होता है। जिससे खरीफ और रबी दोनों फसलों को पर्याप्त पानी मिलता है। टीकमगढ़ का बड़ा हिस्सा जलस्रोतों की कमी से जूझता रहा है, लेकिन जमदार नदी और इसकी सहायक धाराओं ने यहां के किसान की सहायता की है। बरसात के समय नदी का पानी खेतों में भरकर मिट्टी की उर्वरता बढ़ा देता है। इसकी तलहटी में मिलने वाली काली और चिकनी मिट्टी विशेषकर दलहन और तिलहन फसलों के लिए लाभकारी है। इसके अलावा, नदी में मत्स्यपालन भी होता है। स्थानीय मछुआरे विभिन्न स्थानों पर जाल डालते हैं और ताजे पानी की मछलियां पकड़ते हैं, जो पोषण के साथ आजीविका का भी साधन बनती हैं। इस नदी का पानी पशुपालन के लिए भी उपयोगी है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है।

नदी के तटीय क्षेत्र और पर्यावरणीय योगदान

जमदार नदी के किनारे पीपल, बरगद, नीम, खेजड़ी और जामुन जैसे वृक्षों की श्रृंखला दिखाई देती है। नदी के आसपास की हरियाली प्राकृतिक संतुलन को सुरक्षित रखती है। यहां पक्षियों की अनेक प्रजातियां निवास करती हैं। नदी किनारे बगुले, जंगली बतखें, ढेंक और कई प्रवासी पक्षी देखे जाते हैं, जो इस जलधारा की स्वच्छता और जीवन्तता का प्रमाण हैं।

जमदार नदी के किनारे स्थित प्रमुख पर्यटन स्थल – कुंडलेश्वर महादेव मंदिर

जमदार नदी के किनारे कुंडलेश्वर महादेव मंदिर स्थित है, जो नदी के धार्मिक महत्व को और भी बढ़ा देता है। यह मंदिर शिवभक्तों के लिए आस्था का केंद्र है। मान्यता है कि यहां प्राचीन समय से भगवान शिव का वास रहा है। सावन के महीने में तथा महाशिवरात्रि पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं और जमदार नदी में स्नान कर शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं। मंदिर की ऐतिहासिक और स्थापत्य विशेषताएं इस पूरे अंचल को सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध बनाती हैं।

किसानों को मिलने वाला लाभ

जमदार नदी का सबसे बड़ा योगदान यहां के किसानों को मिलता है। इसका जल नहरों, कुओं और जलकूपों को भरता है। इससे सिंचाई सुलभ होती है। विशेषकर धान, गेहूं, चना, मसूर और सरसों की फसलों को इससे बहुत फायदा होता है। जो खेत नदी के पास हैं, उनमें फसल का उत्पादन अन्य खेतों की तुलना में दोगुना होता है। यह नदी प्राकृतिक खाद भी देती है, क्योंकि बरसात में बहकर आने वाली गाद और मिट्टी खेतों की उर्वरता को पुनर्जीवित करती है। नदी से आसपास के गांवों की जल संकट की समस्या भी काफी हद तक दूर हो जाती है।

भूजल पुनर्भरण और पारिस्थितिकी

जमदार नदी के बहाव क्षेत्र में भूजल पुनर्भरण की प्रक्रिया तेज होती है। यहां के हैंडपंप और कुएं सामान्यतः गहरे नहीं होते, क्योंकि नदी से रिसने वाला पानी आसपास के भूजल स्तर को बनाए रखता है। इससे गर्मियों में भी पीने के पानी की समस्या नहीं होती है। नदी का बहाव गांवों के जलग्रहण क्षेत्रों को भी पुनर्जीवित करता है, जिससे तालाबों और छोटे जलस्रोतों में भी जल स्तर बना रहता है।

भविष्य की चुनौतियां

हालांकि जमदार नदी का प्राकृतिक प्रवाह कई जगह प्रभावित हो रहा है। पर्यावरणविदों का मानना है कि यदि नदी किनारे पौधरोपण, जलग्रहण संरचनाओं का निर्माण, वर्षा जल संचयन तथा रेत खनन पर रोक लगे तो यह नदी हमेशा के लिए बुंदेलखंड की जल जीवनदायिनी बनी रहेगी।

सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व

जमदार नदी सिर्फ जल स्रोत नहीं बल्कि आस्था, परंपरा और सामाजिक समरसता का प्रतीक भी है। गांवों में विवाह, पर्व, यज्ञ, उपनयन जैसे अनेक संस्कार इसके तट पर संपन्न होते हैं। गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि पहले नदी के जल को औषधीय गुणों वाला माना जाता था। नदी किनारे उगने वाली अनेक जड़ी-बूटियां, वृक्षों की छाल और बेलें भी औषधि के काम आती हैं। कुंडलेश्वर महादेव मंदिर के साथ नदी का धार्मिक महत्व और भी बढ़ गया है। यहां अनेक संतों, महात्माओं ने तपस्या की, जिसका विवरण स्थानीय लोककथाओं और पुराणों में मिलता है।

इस प्रकार जमदार नदी टीकमगढ़ जिले के पर्यावरण, कृषि, आध्यात्म और पर्यटन का आधारस्तंभ है। यह नदी हमें प्रेरित करती है कि प्रकृति यदि जीवंत रहे तो मानव जीवन भी समृद्ध रहेगा। इसके तटीय क्षेत्र को स्वच्छ और हराभरा बनाए रखना ही यहां के समाज, प्रशासन और हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। यदि इसकी निर्मलता को बनाए रखा जाए, तो आने वाली पीढ़ियां भी जमदार नदी के निर्मल जल से उसी प्रकार लाभान्वित होंगी, जैसे पूर्वज होते आए हैं। यदि जमदार नदी के संरक्षण के लिए ठोस प्रयास किए जाएं – जैसे जनभागीदारी से सफाई अभियान, पौधरोपण, नदियों के पुनर्जीवन के शासकीय कार्यक्रमों में ग्राम पंचायतों की सक्रिय भागीदारी तथा युवाओं का जागरूक होना। तभी बुंदेलखंड की इस अमूल्य प्राकृतिक धरोहर का अस्तित्व सुरक्षित रह सकेगा।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

खेल चर्चा

एफआईएच पुरस्कार के लिए नामित हुईं दीपिका

नई दिल्ली, अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड खिलाड़ी दीपिका को एफआईएच हॉकी प्रो लीग सत्र 2024-25 के दौरान दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड के खिलाफ किए गए मैदानी गोल के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। एफआईएच हॉकी प्रो लीग के 2024-25 सत्र के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल अवॉर्ड के लिए नामांकन जारी किए गए हैं। इस पुरस्कार के लिए कुल तीन गोल को नामांकित किया गया है। दीपिका ने यह गोल फरवरी-2025 में प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण के दौरान किया था। कलिंग स्टेडियम में खेला गया यह मैच निर्धारित समय में 2-2 से बराबर रहा था जिसके बाद भारत ने शूटआउट में नीदरलैंड को हराया। दीपिका ने कहा कि नीदरलैंड के खिलाफ किया गया वह गोल मेरे कॅरियर के सबसे खास पलों में से एक है।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज

विदेशी मैदान पर भारत की सबसे बड़ी जीत

बर्मिंघम, शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने इंग्लैंड दौरे पर इतिहास रच दिया है। भारतीय टीम ने बर्मिंघम टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 336 रन से हराया। यह विदेशी मैदान पर रनों के लिहाज से टीम इंडिया की सबसे बड़ी जीत है। इसके अलावा भारतीय टीम ने बर्मिंघम में भी पहली बार टेस्ट मैच अपने नाम किया है।

मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी करने को कहा। पहली पारी में भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही, के.एल. राहुल (2) जल्द आउट हो गए। इसके बाद यशस्वी जायसवाल ने पहले करुण नायर (31) और फिर शुभमन गिल के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। यशस्वी ने 87 रन बनाए, जबकि शुभमन ने 269 रनों की शानदार पारी खेली। इनके अलावा रविंद्र जडेजा ने 89 और वाशिंगटन सुंदर ने 42 रनों की उपयोगी पारी खेली, जिसकी बदौलत टीम इंडिया पहली पारी में 587 रन बनाने में सफल रही।

पहली पारी में इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। महज 84 रन के स्कोर पर इंग्लिश टीम के 5 विकेट आउट हो गए। इसके बाद हैरी ब्रूक और जेमी स्मिथ ने पारी को संभाला और तेजी से रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों ने छठवें विकेट के लिए 303 रनों की साझेदारी की। ब्रूक ने 153 रन बनाए, जबकि स्मिथ ने 184 रनों की पारी खेली। इंग्लैंड की टीम 407 रन ही बना सकी। दूसरी पारी में भी टीम इंडिया के बल्लेबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। पहली पारी में दोहरा शतक बनाने वाले शुभमन ने दूसरी पारी में भी शतक बनाया और 161 रनों की पारी खेली। टीम इंडिया ने 6 विकेट पर 427 रन बनाकर दूसरी पारी घोषित की। जीत के लिए मिले 608 रनों के लक्ष्य के सामने इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में 271 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।

- टेस्ट क्रिकेट में विदेशी जमीन पर टीम इंडिया की यह सबसे बड़ी जीत है।
- इससे पहले टीम इंडिया ने वर्ष 2019 में वेस्टइंडीज से 318 रन से मैच जीता था।
- इंग्लैंड में एक मैच में 10 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज हैं आकाश दीप।
- इससे पहले चेतन शर्मा ने वर्ष 1986 में एक मैच में 10 विकेट लिए थे।
- शुभमन गिल एक मैच में दोहरा शतक और शतक बनाने वाले विश्व के नौवें बल्लेबाज हैं।

आकाश-सिराज की घातक गेंदबाजी

बल्लेबाजों की मददगार पिच पर भारतीय गेंदबाज आकाश और सिराज ने शानदार प्रदर्शन किया और इंग्लिश बल्लेबाजों के विकेट चटकाए। आकाश दीप ने दोनों पारियों में कुल 10 विकेट अपने नाम किए। मैच की पहली पारी में सिराज ने 6 विकेट लिए जबकि 4 विकेट आकाश के नाम रहे। इसी तरह दूसरी पारी में आकाश ने 6 विकेट झटके, वहीं सिराज, कृष्णा, जडेजा और सुंदर ने 1-1 विकेट लिए।

अनिमेष कुजूर बने भारत के सबसे तेज धावक

एथेंस, भारत के उभरते हुए एथलीट अनिमेष कुजूर ने ग्रीस में आयोजित ड्रोमिया इंटरनेशनल स्प्रिंट एंड रिले मीट-2025 स्पर्धा में इतिहास रच दिया है। अनिमेष भारत के सबसे तेज फर्राटा धावक बन गए हैं। अनिमेष ने प्रतियोगिता में 100 मीटर फर्राटा दौड़ महज 10.18 सेकेंड में पूरी कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। इस जीत के साथ अनिमेष ने स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। स्पर्धा में ग्रीस के सोटिरियोस गारगागनिस 10.23 सेकेंड के साथ दूसरे स्थान पर रहे। इससे पहले 100 मीटर फर्राटा दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड गुरिंदरवीर सिंह (10.20 सेकेंड) के नाम था।

एशियन चैम्पियनशिप में खेलेंगी मनु भाकर

नई दिल्ली, पेरिस ओलंपिक की डबल मेडलिस्ट मनु भाकर 16वीं एशियन निशानेबाजी चैम्पियनशिप में हिस्सा लेंगी। यह प्रतियोगिता 16 से 30 अगस्त तक कजाखस्तान में आयोजित होगी। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने इस प्रतियोगिता के लिए 35 सदस्यीय भारतीय दल में मनु को शामिल किया है। भारतीय दल में मनु एकमात्र निशानेबाज हैं, जो दो स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता में मनु महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

विश्व मुक्केबाजी कप

भारत ने जीते 3 स्वर्ण सहित 11 पदक

अस्ताना, भारतीय मुक्केबाजों ने कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में आयोजित विश्व मुक्केबाजी कप में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया है। प्रतियोगिता में भारत ने 3 स्वर्ण, 5 रजत और 3 कांस्य सहित कुल 11 पदक जीते हैं। प्रतियोगिता में साक्षी, जैस्मिन और नूपुर ने अपने-अपने वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया।

प्रतियोगिता में महिलाओं के 54 किलोग्राम भारवर्ग के फाइनल में दो बार की यूथ वर्ल्ड चैंपियन साक्षी ने अमेरिका की योसेलीन पेरेज को हराकर भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता। उन्हें सभी जजों की ओर से सर्वसम्मत निर्णय मिला। वहीं जैस्मिन लंबोरिया ने 57 किलोग्राम भारवर्ग स्पर्धा में ब्राजील की दो बार की ओलंपियन जुसीलन रोमेउ को 4-1 से हराया।

जैस्मिन ने शुरुआती करीबी राउंड के बाद तीसरे राउंड में अपनी लंबी पहुंच का भरपूर इस्तेमाल किया। 80 किलोग्राम से अधिक भारवर्ग में भारत की महिला मुक्केबाज नूपुर ने कजाकिस्तान की येलदाना तालिपोवा को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

प्रतियोगिता के 48 किलोग्राम भारवर्ग के फाइनल में मीनाक्षी ने भी जगह बनाई लेकिन उन्हें कजाखस्तान की ओलंपिक पदक विजेता नजिम किजाइबाय के खिलाफ 3-2 के करीबी फैसले से हार का सामना करना पड़ा। इसी तरह ओलंपियन पूजा रानी 80 किलोग्राम भारवर्ग में रजत पदक जीता। प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में भारत के लिए जुगनू (85 किलोग्राम), हितेश गुलिया (70 किलोग्राम) और अविनाश जामवाल (65 किलोग्राम) ने भी रजत पदक जीते।

भारतीय टीम के कोच मारक्वेज ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच मनोलो मारक्वेज ने अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) के साथ 'आपसी सहमति' के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। पिछले 13 महीने के अंदर मारक्वेज दूसरे मुख्य कोच हैं, जो भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच पद से हट गए है या हटाए गए हैं। इससे पहले इगोर स्टिमैक को राष्ट्रीय संघ ने पिछले साल कोच पद से बर्खास्त किया था। 55 वर्षीय मारक्वेज को अगस्त-2024 में राष्ट्रीय पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था।

बीट्राइस चेबेट ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

नैरोबी, केन्या की धाविका बीट्राइस चेबेट ने प्रीफॉन्टेन क्लासिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 5 हजार मीटर दौड़ 13 मिनट 58.06 सेकेंड में जीतकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। चेबेट इस स्पर्धा में 14 मिनट से कम समय निकालने वाली पहली महिला एथलीट बन गई हैं। उन्होंने इथियोपिया की गुडाफ त्सेगे द्वारा बनाए गए 14 मिनट 0.21 सेकेंड के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

मैग्नस कार्लसन ने जीता सुपर यूनाइटेड रैपिड और ब्लिट्ज खिताब

जाग्रेब, विश्व के नंबर वन शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने एक दौर शेष रहते सुपर यूनाइटेड रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट जीतकर एक बार फिर साबित कर दिया कि वह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं। टूर्नामेंट में कार्लसन ने सबसे ज्यादा 22.5 अंक अर्जित कर खिताब अपने नाम किया। टूर्नामेंट में भारत के स्टार खिलाड़ी और मौजूदा विश्व शतरंज चैम्पियन डी. गुकेश तीसरे स्थान पर रहे।

नौ दौर के रैपिड टूर्नामेंट में गुकेश से चार अंक पीछे रहने के बाद कार्लसन ने ब्लिट्ज वर्ग में इसका पूरा फायदा उठाया और पहले चरण में नौ में से 7.5 अंक हासिल किए। दूसरे चरण में पहले आठ बाजियों में से चार अंक हासिल करना ही उन्हें टूर्नामेंट में एक और जीत दिलाने के लिए पर्याप्त था।

गुकेश ने रैपिड वर्ग में शानदार शुरुआत करते हुए 14 अंक हासिल किए थे लेकिन ब्लिट्ज वर्ग में अपने पहले नौ गेम में से केवल 1.5 अंक हासिल करके लय खो बैठे। कार्लसन ने 22.5 अंकों के साथ टूर्नामेंट समाप्त किया और वह अमेरिका के वेस्ली सो से 2.5 अंक आगे थे जो दूसरे स्थान पर रहे। गुकेश अंततः 19.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

विश्व चैम्पियनशिप के लिए बोली लगाएगा भारत

लुसाने, भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के प्रवक्ता आदिल सुमारिवाला ने कहा कि भारत इस वर्ष के अंत में प्रक्रिया शुरू होने पर विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के 2029 और 2031 दोनों सत्र की मेजबानी के लिए बोली लगाएगा, जिससे उसे इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के किसी एक सत्र की मेजबानी मिलने की उम्मीद है। खेल की वैश्विक संचालन संस्था विश्व एथलेटिक्स सितंबर 2026 में वर्ष 2029 और वर्ष 2031 दोनों सत्र के मेजबान की घोषणा करेगी। सदस्य देशों द्वारा मेजबानी रुचि व्यक्त करने की समय सीमा एक अक्टूबर 2025 है।

एनसी क्लासिक टूर्नामेंट

नीरज चोपड़ा ने लगाई खिताबी हैट्रिक

बेंगलुरु, भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने अपने नाम से आयोजित नीरज चोपड़ा क्लासिक (एनसी क्लासिक) टूर्नामेंट के पहले सत्र का खिताब जीत लिया। बेंगलुरु के कांतीरवा स्टेडियम में हुए विश्व स्तरीय टूर्नामेंट में नीरज ने लगातार तीसरा खिताब जीता। उन्होंने इससे पहले पेरिस डायमंड लीग और पोलैंड के ओस्ट्रावा में गोल्डन स्पाइक में खिताब जीता था।

प्रतियोगिता में नीरज ने अपने तीसरे प्रयास में 86.18 मीटर की दूरी के साथ खिताब अपने नाम किया। टूर्नामेंट में केन्या के पूर्व विश्व चैंपियन जूलियस येगो 84.51 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि श्रीलंका के रुमेश पथिरगे (84.34 मीटर) ने तीसरा स्थान हासिल किया।

- नीरज ने टोक्यो ओलंपिक-2020 में स्वर्ण और पेरिस ओलंपिक-2024 में रजत पदक जीता है।
- नीरज ने विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीता है।

इस प्रतियोगिता को जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सहयोग से आयोजित किया गया था। इसे भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने मंजूरी दी थी। नीरज चोपड़ा क्लासिक प्रतियोगिता में 12 भाला फेंक खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें सात शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय भाला फेंकने वाले खिलाड़ी शामिल थे। इसमें चोपड़ा सहित पांच भारतीय खिलाड़ियों ने भी चुनौती पेश की।

विश्व एथलेटिक्स ने एनसी क्लासिक को श्रेणी ए का दर्जा दिया है। चोपड़ा ने इस साल मई में 90 मीटर की बाधा को पार किया था। उन्होंने एनसी क्लासिक से पहले ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2025 में 85.29 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ खिताब जीता था।

खिताबी जीत के बाद नीरज ने कहा- हमें उम्मीद नहीं थी कि पहले संस्करण (एनसी क्लासिक) को इतनी अच्छी प्रतिक्रिया मिलेगी और हमें इतना समर्थन मिलेगा। मुझे उम्मीद है कि हम इस तरह के और भी आयोजन करेंगे।

चाहे सरकार हो या एएफआई, या अन्य, सभी ने हमारा समर्थन किया है। नीरज ने आगे कहा कि पिछले कुछ दिन मेरे लिए कठिन रहे हैं। मुझे थोड़ा अजीब भी लगा कि प्रतियोगिता मेरे नाम पर है। मुझे खुशी है कि मैं पहले संस्करण का पदक और ट्रॉफी घर पर रख सकता हूं।

महिला फुटबॉल टीम ने एशियन कप में बनाई जगह

बैंकॉक, भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए थाईलैंड को 2-1 से हराकर एएफसी महिला एशियाई कप-2026 के लिए क्वालिफाई कर लिया है। एशियन कप क्वालिफाइंग टूर्नामेंट में भारत ने ग्रुप-बी में चारों मैच जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया और एशियन कप में जगह सुनिश्चित कर ली। भारत ने पहली बार क्वालीफिकेशन के जरिए महाद्वीपीय चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया है। ऑस्ट्रेलिया वर्ष 2026 में एएफसी महिला एशियन कप टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। भारत इस तरह 2022 के बाद से पहली बार एशियाई कप में खेलेगा।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

इसरो ने आईएसएस पर मौजूद शुभांशु से छात्रों की कराई बात

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर गये भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला से बातचीत कराने के लिए छात्र संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। इसरो ने एक बयान में कहा कि गगनयात्री शुभांशु शुक्ला ने कुछ दिन पहले त्रिवेंद्रम और लखनऊ में आयोजित सत्रों में छात्रों के साथ संवाद किया। इसरो का उद्देश्य छात्र संपर्क गतिविधियों के माध्यम से अंतरिक्ष गतिविधियों, प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग में युवा मन की जिज्ञासा को जगाना है। इसरो के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र के परिसर में आयोजित संवाद में केरल राज्य के लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया।

ड्रोन विनिर्माण के लिए प्रोत्साहन योजना शुरू करेगा केन्द्र

केन्द्र सरकार ने घरेलू ड्रोन विनिर्माण को बढ़ावा देने और विदेशी, विशेष रूप से चीन से आयोजित पुर्जों पर निर्भरता कम करने के लिए 1,950 करोड़ रुपये (234 मिलियन डॉलर) की एक प्रोत्साहन योजना शुरू करने का निर्णय लिया है। यह कदम हाल ही में पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य संघर्ष के बाद उठाया गया है, जिसमें दोनों देशों ने बड़े पैमाने पर ड्रोन और मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) का उपयोग किया। यह भारत और पाकिस्तान के बीच पहला ऐसा टकराव था जिसमें दोनों पक्षों ने ड्रोन युद्ध के क्षेत्र में पूरी ताकत से कदम रखा। यही वजह है कि भारत सरकार ने ड्रोन विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए यह महत्वाकांक्षी प्रोत्साहन योजना शुरू करने का निर्णय लिया है।

इंडोनेशिया में ज्वालामुखी फटा

इंडोनेशियाई ज्वालामुखी माउंट लेवोटोबी लाकी-लाकी फट गया। जिससे एक विशाल राख का बादल 18 किलोमीटर तक आसमान में पहुंच गया। फ्लोर्स द्वीप पर यह विस्फोट हुआ। अब तक किसी भी नुकसान या किसी के हताहत होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। यह वर्ष 2025 में तीसरी बार है, जब ज्वालामुखी फटा है। जून में एक विस्फोट के बाद, ज्वालामुखी की चेतावनी स्थिति को उच्चतम स्तर पर बढ़ा दिया गया था, और इसके चारों ओर 7 किलोमीटर का सुरक्षा क्षेत्र स्थापित किया गया था। अधिकारियों ने बाढ़ की संभावना के बारे में निवासियों को चेतावनी दी है, जो मिट्टी और ज्वालामुखी के मलबे के तेजी से बढ़ते प्रवाह हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ब्राजील की राजधानी रियो डी जेनेरियो में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल हुए

आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने में आगे आएं ब्रिक्स देश, आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति होनी चाहिए – प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रियो डी जेनेरियो में 17वें ब्रिक्स सम्मेलन को संबोधित किया

विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वित्तीय सहायता और प्रौद्योगिकी तक पहुंच के मामले में निरंतर विकास के लिए अधिक सहयोग की आवश्यकता है। 20वीं सदी के वैश्विक संगठनों में 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने की क्षमता का अभाव है। यह बात प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ब्राजील की राजधानी रियो डी जेनेरियो में आयोजित 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही।

प्रधानमंत्री ने 'वैश्विक शासन में सुधार तथा शांति एवं सुरक्षा' विषय पर वक्तव्य दिया और ब्रिक्स एजेंडे के विभिन्न मुद्दों पर उपयोगी चर्चा की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने वैश्विक शासन में सुधार, वैश्विक दक्षिण की आवाज़ को बुलंद करना, शांति और सुरक्षा, बहुपक्षवाद को मजबूत करना, विकास के मुद्दे और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने 'बहुपक्षीय, आर्थिक-वित्तीय मामलों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को मजबूत बनाने' संबंधी विषय पर भी विचार रखते हुए वैश्विक दक्षिण की आवाज को बुलंद करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

उन्होंने बहुध्रुवीय और समावेशी विश्व व्यवस्था पर कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और विश्व व्यापार संगठन जैसी वैश्विक शासन संस्थाओं को वर्तमान वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने के लिए तत्काल सुधार से गुजरना होगा। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की तत्काल आवश्यकता को उजागर करने और शिखर सम्मेलन घोषणा-पत्र में इस मुद्दे पर एक मजबूत भाषा अपनाने के लिए नेताओं को धन्यवाद दिया।

एशिया से लेकर यूरोप तक संघर्ष गहरी चिंता का विषय

प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया से लेकर यूरोप तक संघर्ष गहरी चिंता का विषय है। भारत ने हमेशा ऐसे संघर्षों को हल करने के लिए बातचीत और कूटनीति का आह्वान किया है और ऐसे प्रयासों में योगदान देने के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री ने 'बहुपक्षवाद, आर्थिक-वित्तीय मामलों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को मजबूत करना' विषय पर कहा कि विविधता और बहुध्रुवीयता ब्रिक्स की महत्वपूर्ण ताकत है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब विश्व व्यवस्था दबाव में है और वैश्विक समुदाय अनिश्चितता और चुनौतियों का सामना कर रहा है। ब्रिक्स एक बहुध्रुवीय दुनिया को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। प्रधानमंत्री ने चार सुझाव दिए: ***पहला,*** ब्रिक्स न्यू डेवलपमेंट बैंक को परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए मांग आधारित सिद्धांत और दीर्घकालिक स्थिरता का पालन करना चाहिए। ***दूसरा,*** समूह एक विज्ञान और अनुसंधान भंडार स्थापित करने पर विचार करे, जो वैश्विक दक्षिण देशों को लाभान्वित कर सके। ***तीसरा,*** महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित और लचीला बनाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए और ***चौथा,*** समूह को जिम्मेदार एआई के लिए काम करना चाहिए।

आतंक के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने का आह्वान

प्रधानमंत्री ने शांति और सुरक्षा पर कहा कि आतंकवाद मानवता के लिए एक गंभीर खतरा है। अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुआ आतंकी हमला सिर्फ भारत पर हमला नहीं था, बल्कि पूरी मानवता पर हमला था। आतंकवाद के खिलाफ सख्त वैश्विक कार्रवाई का आह्वान करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवादियों को धन उपलब्ध कराने वालों, उन्हें बढ़ावा देने या सुरक्षित पनाहगाह मुहैया कराने वालों से सख्त से सख्त तरीके से निपटा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद से निपटने में कोई दोहरा मापदंड नहीं होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करने के लिए ब्रिक्स नेताओं का आभार व्यक्त किया। ब्रिक्स देशों से आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि इस खतरे से निपटने में जीरो टॉलरेंस होना चाहिए।

त्रिनिदाद और टोबैगो ने अपनाया यूपीआई

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की त्रिनिदाद और टोबैगो यात्रा के दौरान यह कैरेबियाई देश भारत के डिजिटल भुगतान प्लेटफार्म यूपीआई को अपनाने वाला पहला कैरेबियाई देश बन गया। दोनों देशों ने डिजीलॉकर, ई-साइन और GeM जैसे 'इंडिया स्टैक' समाधानों को लागू करने पर सहमति जताई।

त्रिनिदाद ने भूमि पंजीकरण प्रणाली के डिजिटलीकरण में भारत से सहयोग मांगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने शिक्षा क्षेत्र के प्रयासों की सराहना करते हुए 2000 लैपटॉप उपहार में देने की घोषणा की। यह यात्रा 26 वर्षों में भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा थी, जो प्रवासी भारतीयों के आगमन की 180वीं वर्षगांठ पर हुई। दोनों देशों ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता और संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग की। भारत को स्थायी सदस्यता के लिए त्रिनिदाद का समर्थन मिला, वहीं भारत ने उसे अस्थायी सीट से लिए समर्थन दिया। इस दौरान ओसीआई कार्ड का छठी पीढ़ी तक विस्तार, स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, खेल में सहयोग के नए समझौते हुए, भारत ने कृषि विकास के लिए 10 लाख डॉलर की मशीनें भी भेंट की।

वैज्ञानिकों ने खोजा 'टीओआई-1846बी' ग्रह, जीवन की संभावना कम, पानी से भरपूर है यह 'सुपर अर्थ'

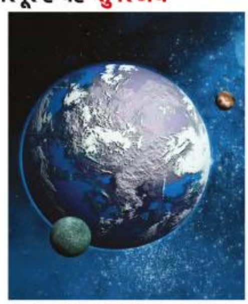

ब्रह्मांड अनंत रहस्यों से भरा हुआ है और दूसरे ग्रहों पर जीवन इंसान के लिए हमेशा कौतूहल का विषय रहा है। वैज्ञानिकों ने सौरमंडल से दूर नई 'सुपर अर्थ' की खोज की है। यह हमारी पृथ्वी से लगभग दोगुनी है और चार गुना ज्यादा भारी है। वैज्ञानिकों ने इसे टीओआई-1846बी नाम दिया है। पृथ्वी से करीब 154 प्रकाश वर्ष दूर इस ग्रह पर भरपूर पानी के संकेत मिले हैं, फिर भी वहां जीवन की संभावना बेहद कम हैं, जिसका कारण गर्म वातावरण है। वैज्ञानिकों का मानना है कि टीओआई-1846बी की सतह का तापमान करीब 568 केल्विन (करीब 295 डिग्री सेंटीग्रेड) है, जो जीवन के लिए बिल्कुल अनुकूल नहीं है।

कैसी है टीओआई-1846बी

वैज्ञानिकों की टीम का मानना है कि यह ग्रह 7.2 अरब वर्ष पुराना है और इस पर पानी का बडा भंडार है। टीओआई 1846बी की सूर्य से तुलना करने पर वह सूर्य के आकार का लगभग 40 प्रतिशत है और भार भी 0.42 है यानी सूर्य से काफी छोटा है।

ऑपरेशन सिंदूर ने भारतीय स्वदेशी उत्पादों की वैश्विक मांग को बढ़ावा दिया - रक्षा मंत्री

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) के नियंत्रक सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने सशस्त्र बलों की परिचालन तत्परता और वित्तीय दक्षता को दुरुस्त करने में विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि ऑपरेशन में प्रदर्शित वीरता और घरेलू उपकरणों की क्षमता के प्रदर्शन ने स्वदेशी उत्पादों की वैश्विक मांग को और बढ़ा दिया है।

उन्होंने कहा कि दुनिया हमारे रक्षा क्षेत्र को नए सम्मान के साथ देख रही है। वित्तीय प्रक्रियाओं में देरी या एक भी त्रुटि सीधे परिचालन तैयारियों को प्रभावित कर सकती है। श्री राजनाथ सिंह ने रक्षा में निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी के साथ तालमेल बिठाते हुए डीएडी को 'नियंत्रक' से 'सुविधाकर्ता' के रूप में विकसित होने का भी आह्वान किया। रक्षा मंत्री ने रक्षा क्षेत्र में चल रहे परिवर्तन का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व को दिया, जिनके मार्गदर्शन में देश आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ा है और रक्षा नियोजन, वित्त तथा नवाचार में संरचनात्मक सुधार हुआ है।

श्री राजनाथ सिंह ने रक्षा क्षेत्र के बढ़ते सामरिक और आर्थिक महत्व पर चर्चा की और रक्षा व्यय को महज व्यय के रूप में देखने की धारणा को बदलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हाल तक, रक्षा बजट को राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के हिस्से के रूप में नहीं देखा जाता था। आज, वे विकास के चालक हैं। उन्होंने कहा कि भारत, बाकी दुनिया के साथ, पुनः शस्त्रीकरण के एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है, जिसकी विशेषता रक्षा क्षेत्र में पूंजी निवेश है।

स्वदेशी रक्षा उद्योगों के लिए जबरदस्त अवसर

रक्षा मंत्री ने स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार वर्ष 2024 में वैश्विक सैन्य व्यय के 2.7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का उल्लेख किया और कहा कि इससे भारत के स्वदेशी रक्षा उद्योगों के लिए जबरदस्त अवसर खुलते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'रक्षा में आत्मनिर्भरता' पर ध्यान केंद्रित करने के साथ भारत के उद्योगों को वैश्विक मांग में बदलाव के लिए तैयार रहना चाहिए और निर्यात तथा नवाचार में बड़ी भूमिका निभानी चाहिए।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।